Page 11 — खेल
हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित
Page 09 — देश

महिला विश्वकप 2025 : बीसीसीआई ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का किया...

कर्नाटक में एससी आरक्षण में बड़ा बदलाव, तीन भागों में बंटी अनुसूचित जातियां

कृष्ण पक्ष, पुष्य, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • गुरूवार • 21 अगस्त 2025 • वर्ष 27 • अंक 250 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 91,800	₹ 1,15,000

आज का इतिहास

1972 : भारत में वन्यजीव संरक्षण कानून पारित हुआ

1986 : दुनिया के सबसे तेज तर्रार धावक यूसैन बोल्ट का जमैका में जन्म हुआ।

न्यूज बाइट्स

भारतीय क्रिकेट टीम की स्पॉन्सर ड्रीम-11 हो सकती है बैन

नई दिल्ली (ए.) । सरकार का कहना है कि मनी बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग की वजह से लोगों को मानसिक और आर्थिक नुकसान हो रहा है। आने वाले दिनों में फैंटेसी स्पोर्ट्स जैसे ड्रीम-11, रमी, पोकर वगैरह सब बंद हो सकते हैं। ड्रीम-11 भारतीय क्रिकेट टीम की लीड स्पॉन्सर भी है। केंद्र सरकार ने आज यानी 20 अगस्त 2025 को लोकसभा में प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 पेश किया। ये बिल ऑनलाइन गेमिंग को रेगुलेट करने और रियल-मनी गेम्स पर रोक लगाने के लिए है।

पीएम बिहार, बंगाल में 18200 करोड़ रुपये के कार्यों का करेंगे लोकार्पण, शिलान्यास

नई दिल्ली (ए.) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बिहार और पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और 18,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे बिहार के गया में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 13,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री गया से दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। इनमें गया और दिल्ली के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस तथा वैशाली और कोडरमा के बीच बौद्ध सर्किट ट्रेन शामिल होगी।

चौथे चरण की शिक्षक भर्ती का विज्ञापन दस दिनों में

पटना (नि.सं.) । शिक्षक भर्ती के चौथे चरण का विज्ञापन अगले 10 दिनों में जारी कर दिया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। यह जानकारी शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बुधवार को जदयू प्रदेश दफ्तर में दी। उन्होंने कहा है कि टीआरई 4 की तैयारी अंतिम चरण में है। इस महीने के अंत तक या फिर अगले माह के प्रारंभ में इसके लिए विज्ञापन निकाला जाएगा। मंत्री जदयू दफ्तर में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 6.5 लाख परिवारों को भेजे 456 करोड़, कहा

राज्य के खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला हक, डीबीटी से भेजी गई राशि

- बाढ़ प्रभावित परिवारों के खाते में पहुंची 456 करोड़ की राहत राशि
- नीतीश सरकार ने दी 7-7 हजार की आर्थिक मदद, 12 जिलों के लाखों लोग हुए लाभान्वित
- बाढ़ से जूझ रहे 6.5 लाख परिवारों को मुख्यमंत्री का बड़ा तोहफ़ा

निज संवाददाता | पटना

बिहार में बाढ़ से जूझ रहे लोगों के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रत्येक परिवार को 7 हजार रुपए की आनुग्रहिक सहायता राशि देने का ऐलान किया। इस तहत कुल 6 लाख 51 हजार 602 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। राहत मद में सरकार ने एक साथ 456 करोड़ 12 लाख रुपए जारी कर दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के खजाने पर पहला हक आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार लगातार जनता के हित में कदम उठा रही है और बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी। सरकार की ओर से बुधवार को जिन 12 जिलों के परिवारों को राशि भेजी गई है, उनमें सारण जिले के 18,249 परिवारों के खाते में 12 करोड़ 77 लाख 43 हजार रुपए, भोजपुर के 1,02,026 परिवारों को 71 करोड़ 41 लाख 82 हजार रुपए, पटना जिले के 42,586 परिवारों को 29 करोड़ 81 लाख 02 हजार रुपए, नालंदा के 490 परिवारों को 34 लाख 30 हजार रुपए, मुंगेर के 57,166 परिवारों को 39 करोड़ 51 लाख 62 हजार रुपए और बेगूसराय के 76,039 परिवारों को 53 करोड़ 22 लाख 73 हजार रुपए दिए गए।द दइसी तरह खगड़िया के 29,468 परिवारों को 20 करोड़ 60 लाख 76 हजार रुपए, लखीसराय के 25,252 परिवारों को 17 करोड़ 67 लाख 64 हजार रुपए, कटिहार के 1,11,203 परिवारों को 77 करोड़ 84 लाख 21 हजार रुपए, समस्तीपुर के 38,317 परिवारों को 26 करोड़ 82 लाख 19 हजार रुपए, भागलपुर के 1,19,933 परिवारों को 83 करोड़ 95 लाख 31 हजार रुपए और वैशाली जिले के 30,873 परिवारों को 21 करोड़ 61 लाख 11 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई। इस तरह राज्य सरकार ने बाढ़ पीड़ित लाखों परिवारों को त्वरित आर्थिक राहत पहुंचाते हुए यह भरोसा दिलाया है कि किसी भी आपदा की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी।

अब तक हुए राहत कार्य

- » 2.19 लाख पॉलीथीन शीट्स और 57 हजार से अधिक ड्राई राशन पैकेट बांटे गए।
- » 14 राहत शिविरों में 15 हजार से ज्यादा लोग रह रहे हैं।
- » सामुदायिक रसोई में 85 लाख से अधिक लोगों को भोजन कराया गया।
- » चिकित्सा और पशु चिकित्सा के विशेष इंतज़ाम किए गए हैं।

मुख्यमंत्री की अपील और चेतावनी

नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सतर्क रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है क्योंकि सितंबर में भी नदियों के जलस्तर में वृद्धि की आशंका बनी रहती है। उन्होंने निर्देश दिया कि "किसी भी परिस्थिति में पीड़ित परिवारों को समय पर राहत और सुरक्षा मिलनी चाहिए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद थे। संबंधित जिलों के डीएम भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बिल किया पेश

गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहे तो चली जाएगी पीएम-सीएम एवं मंत्री पद की कुर्सी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार होने पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को पद से हटाने का कानून बनाने जा रही है। इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में तीन बिल पेश किए।

तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की। कांग्रेस और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध जताया। सपा ने बिलों को न्याय विरोधी, संविधान विरोधी बताया। इस पर शाह ने बिलों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की मांग की। इन बिलों में प्रावधान हैं कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री ऐसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किए जाते हैं, जिनमें कम से कम 5 साल की जेल हो सकती है और उन्हें लगातार 30 दिन हिरासत में रखा जाता है तो 31वें दिन उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने 6 महीने और तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने 241 दिनों तक हिरासत और जेल में रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। केजरीवाल तो पद पर रहते गिरफ्तार होने वाले पहले सीएम थे।

वहीं विपक्ष के विरोध के बीच अमित शाह ने खुद अपना उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में शुचिता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है और हम अपनी जिम्मेदारी से न भागे। अमित शाह ने कहा कि गुजरात में मैं मंत्री तो मेरे ऊपर आरोप लगे। मैंने पद से इस्तीफा दिया और कोर्ट के आदेशों का पालन किया। इसके बाद मैंने दोबारा जिम्मेदारी तब संभाली, जब आरोपों से बरी हो गया और संविधान के तहत मुझे पद हासिल करने का अधिकार मिला।

वहीं इससे पहले कांग्रेस सांसद और राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस बिल (130वां संविधान संशोधन) के विरोध में तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए इसे कठोर और अलोकतांत्रिक बताया। प्रियंका भी केरल के ही वायनाड से सांसद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बिल को भ्रष्टाचार-विरोधी बताना सिर्फ लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए है। वे एएनआई से बोलीं, 'मैं इसे बहुत कठोर मानती हूं, क्योंकि यह सभी चीज के खिलाफ है।

सांसदों ने कागज के टुकड़े अमित शाह की ओर फेंके

अमित शाह जब सदन में इस बिल को पेश कर रहे थे तो उस दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। इतना ही नहीं विपक्षी नेताओं ने अमित शाह की तरफ बिल की कॉपी फाड़ कर फेंक दी। वहीं, कागज के टुकड़े अमित शाह की ओर उछाले। अमित शाह ने ये भी कहा कि सरकार इस बिल को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखती है। इसके बावजूद विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। इतना ही नहीं विपक्षी सांसदों ने गृह मंत्री का माइक मोड़ने की कोशिश भी की। सदन के अंदर माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। लोकसभा की वेल में नारेबाजी की शुरुआत टीएमसी सांसदों ने की। बिल पेश होते ही कल्याण बनर्जी ने नारेबाजी शुरू कर दी।

ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाला बिल पेश

ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाला बिल भी पेश केंद्र सरकार लोकसभा में आज ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाला बिल भी पेश किया। कैबिनेट ने 19 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग बिल को मंजूरी दी। इसमें ऑनलाइन मनी गेमिंग, विज्ञापन, खेल के लिए उकसाने वाले को सजा-जुर्माना या दोनों हो सकता है। तीन साल तक कैद या 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं।

राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र किया दाखिल

एजेंसी | नयी दिल्ली

उप राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस एतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री उप राष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के प्रस्तावक बने। इस अवसर पर उनके साथ श्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता तथा जनता दल यूनाइटेड से ललन सिंह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के अलावा और भी कई केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे।

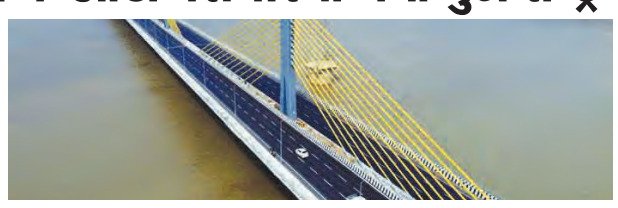

सिमटती दूरियों के साथ एकजुट होता बिहार

प्रधानमंत्री 6 लेन के औंटा-सिमरिया गंगा पुल राष्ट्र को करेंगे समर्पित

निज संवाददाता | पटना

बिहार के बुनियादी ढांचे में एक नई उपलब्धि जुड़ने वाली है। प्रधानमंत्री 22 अगस्त, 2025 को आंटा-सिमरिया परियोजना के तहत पवित्र गंगा नदी पर 1.865 किमी लंबे 6 लेन का पुल का उद्घाटन करेंगे। पटना जिले के मोकामा को बेगूसराय से जोड़ने वाली यह परियोजना उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो सात दशक पुराने राजेंद्र सेतु का विकल्प प्रदान करेगी। वर्तमान में इस सेतु पर मरम्मत का काम चल रहा है। महत्त्वपूर्ण एनएच-31 कॉरिडॉर पर स्थित, यह पुल 4लेन/6लेन औंटा (मोकामा)-सिमरिया (बेगुसराय) खड्याचा केंद्र बिंदु बना है। इसका महत्व सिर्फ इसकी इंजीनियरिंग शक्ति में नहीं है, बल्कि बिहार के लिए कनेक्टिविटी और विकास के वादे में भी है। लगभग सात दशक पहले निर्मित दो-लेन का रेल-सह-सड़क पुल राज्य का ऐतिहासिक राजेंद्र सेतु, लंबे समय से इस क्षेत्र की जीवन रेखा रहा है। हालांकि, लंबी अवधि और बढ़े मरम्मत के काम की वजह से यह भारी वाहनों के लिए उपयोगी नहीं रहा, जिससे उन्हें लंबे चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

नया 6 लेन का पुल, पुराने राजेंद्र सेतु के समानांतर बनाया गया है। यह पटना और मुजफ्फरपुर में ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए एक सीधा और आधुनिक विकल्प प्रदान करता है, न केवल यातायात के प्रवाह को बहाल करता है, बल्कि नदी के दोनों किनारों पर समुदायों की आशा और महत्वाकांक्षा को पूरा करता है।

कनेक्टिविटी और विकास को बढ़ाना

पटना जिले के मोकामा और बेगूसराय के लोगों के लिए, इस नये पुल का महत्व बहुत अधिक है, यह आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ ही आजीविका और बाजारों को एक साथ जोड़ता है। भारी वाहन, जो पहले लंबे और घुमावदार रास्तों से गुजरते थे, अब निर्बाध पारगमन कर सकेंगे। इस कनेक्टिविटी से उत्तर बिहार क्षेत्रों (जैसे बेगूसराय, सुपौल, मधुबनी और अररिया) और दक्षिण बिहार के गंतव्यों (पटना, शेखपुरा, नवादा और लखीसराय सहित) के बीच उनकी यात्रा की दूरी 100 किमी तक कम हो जाएगी।

सूबे में 41 हजार किमी ग्रामीण बनीं सड़कें

पटना (नि.सं.)। ग्रामीण कार्य विभाग ने मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना (एमएमजीएसवाय) के अंतर्गत राज्य में अब तक 40 हजार 893 किमी से भी अधिक सड़कों का निर्माण पूरा कर लिया है। विभाग ने 49 हजार, 541.7 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य तय किया है। यानी लक्ष्य का 80 प्रतिशत से भी अधिक निर्माण कार्य पूरा हो गया है। बुधवार को विभाग के अनुसार, राज्य के 24 हजार से भी अधिक गांवों को पक्की सड़कों की सौगात मिली है। चूंकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 500 तक की आबादी वाले टोलों को ही शामिल लिया जा सकता है। इसलिए इससे छोटी आबादी वाले टोलों को संपर्कता देने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की शुरुआत वर्ष 2013 में की गई थी।

स्वास्थ्य मंत्री ने की 1 से 20 सितंबर तक पूरे प्रदेश में मिशन परिवार विकास अभियान की घोषणा

निज संवाददाता | पटना

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि एक से 20 सितंबर तक पूरे प्रदेश में मिशन परिवार विकास अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान राज्य के सभी स्वास्थ्य संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में स्वास्थ्य मेला आयोजित कर लोगों को जागरूक भी किया जाएगा। मंत्री ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अभियान के पहले चरण में एक से सात सितंबर तक 'दंपती संपर्क सप्ताह मनाया जाएगा, जिसमें आशा, एएनएम और स्वास्थ्य कार्यकर्ता लोगों को परिवार नियोजन सेवाओं की जानकारी देंगे। इस दौरान सामुदायिक आवश्यकता मूल्यांकन (सीएनए) प्रपत्र भरवाए जाएंगे, ताकि इच्छुक दंपतियों को उपयुक्त सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

साथ ही, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए जनमानस में इंट्रायूटेराइन कॉन्ट्रासेप्टिव डिवाइस (आईयूसीडी), अंतरा इंजेक्शन और एमपीए-अंतरा जैसी आधुनिक विधियों पर जोर दिया जाएगा। स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य सेवाओं और उनके महत्व की जानकारी दी जाएगी। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित कर परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की स्वीकृति बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। आठ से 20 तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा आठ से 20 सितंबर तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा मनेगा। इस दौरान सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अनुमंडलीय अस्पतालों में एफडीएस/कैंप योजना के तहत महिला नसबंदी, पुरुष नसबंदी, आईयूसीडी और एमपीए-अंतरा सेवाओं का आयोजन होगा। प्रत्येक एफडीएस शिविर में न्यूनतम 15 और अधिकतम 30 लाभार्थियों को सेवा देने का लक्ष्य है। लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए ओटी और स्टरलाइजेशन रूम तैयार रखे जाएंगे। वहीं, गर्भनिरोधक साधनों जैसे आईयूसीडी कार्ड, एमपीए कार्ड, कंडोम बॉक्स और गर्भनिरोधक डिस्प्ले ट्रे की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

पांच राजनीतिक पार्टियों को डीलिस्ट करने की तैयारी

पटना (नि.स.)। छह वर्षों से चुनाव में भाग नहीं लेने वाले दलों को डीलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस क्रम में पटना जिलांतर्गत पांच दलों को चिह्नित किया गया है। इन्हें नोटिस का तामील कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिन दलों को नोटिस तामील कराना है उनमें भारतीय युवा जनशक्ति पार्टी, एकता विकास महासभा पार्टी, गरीब जनता दल (सेकुलर), राष्ट्रीय सदाबहार पार्टी एवं यंग इंडिया पार्टी शामिल है। दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग ने वैसे पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को डीलिस्ट करने की कार्रवाई शुरू की है, जिन्होंने 2019 से अब तक किसी भी चुनाव में भाग नहीं लिया है। जिनके कार्यालय देशभर में कहीं भी भौतिक रूप से नहीं पाए गए हैं। आयोग ने संबंधित राजनीतिक दल से कारण-पृच्छा कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया है।

केंद्र सरकार ने जारी किया लिस्ट, सभी राज्यों को दिया 30 सितंबर तक का समय

राशन कार्ड से कटेगा 1.17 करोड़ लोगों का नाम, 76.10 करोड़ लाभार्थी

एजेंसी | नई दिल्ली

अगर आप भी राशन कार्डधारक हैं और मुफ्त अनाज का फायदा उठा रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए जरुरी है। केंद्र सरकार ने पहली बार उन राशन कार्डधारकों की पहचान की है जो मुफ्त खाद्यान्न योजना के लाभ के पात्र नहीं हैं। इनमें आयकर दाता, चार-पहिया वाहन मालिक और कंपनियों के निदेशक शामिल हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने राशन कार्डधारकों के डाटाबेस को आयकर विभाग, सड़क परिवहन मंत्रालय और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय जैसी एजेंसियों से मिलान कर यह सूची तैयार की है। जांच में सामने आया कि 94.71 लाख कार्डधारक आयकर दाता, 17.51 लाख चार-पहिया वाहन मालिक और 5.31 लाख कंपनी निदेशक हैं। इस तरह कुल 1.17 करोड़ कार्डधारक अपात्र की श्रेणी में आते हैं। केंद्र ने सभी राज्यों से कहा है कि वे जमीनी स्तर पर सत्यापन कर 30 सितंबर तक अपात्र लाभार्थियों को सूची से बाहर करें। खाद्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, केंद्र ने यह डेटा राज्यों को उपलब्ध कराया है ताकि फर्जी और अपात्र कार्ड हटाकर प्रतीक्षा सूची में शामिल वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ मिल सके। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत अब तक 19.17 करोड़ राशन कार्ड जारी। देशभर में 76.10 करोड़ लाभार्थी इस योजना से जुड़े। नियमों के अनुसार सरकारी कर्मचारी, आयकरदाता, सालाना 1 लाख या उससे अधिक आय वाले परिवार और चार-पहिया वाहन मालिक पात्र नहीं।

8 जुलाई 2025 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि अपात्र लाभार्थियों की पहचान सीबीडीटी, सीबीआईसी, एमसीए, एमओआरटीएच और पीएम-किसान जैसी एजेंसियों के डाटाबेस से की गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि यह प्रक्रिया 30 सितंबर तक पूरी की जाए ताकि वंचित परिवारों को सही समय पर लाभ पहुंच सके और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

पहले भी हटाए गए अपात्र कार्ड

सरकार ने जुलाई में राज्यसभा को बताया था कि 2021 से 2023 के बीच 1.34 करोड़ फर्जी/अपात्र राशन कार्ड रद्द किए गए थे। वर्तमान में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत पात्र लाभार्थियों को अनाज मुफ्त दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

16महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

नारदीगंज (नवादा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में मंगलवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम हुआ। जो देर शाम तक चलता रहा। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.नवीन कुमार ने केंद्र में आई 16 महिलाओं का बंध्याकरण किये । इस मौके पर लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार व आशुतोष कुमार ने बंध्याकरण के लिए आई महिलाओं का खून,जांच,मूत्र जांच,रक्त जांच समेत अन्य जांच किया। मौके पर एएनएम स्वर्णलता कुमारी, किरण कुमारी, सुलेखा कुमारी, फार्मासिस्ट मिथिलेश कुमार ,परिचारी सुनील कुमार गुप्ता समेत अन्य रहे।

25 अगस्त को आयोजित होगा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच चिकित्सा शिविर

नारदीगंज (नवादा)। पेंशनर भवन नारदीगंज में आगामी 25 अगस्त 2025 यानी सोमवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित होगी। यह शिविर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज के सौजन्य से आयोजित किया जायेगा। आयोजित शिविर में प्रखंड के विभिन्न गांवों के पेंशनरों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच किया जाएगा। केंद्र में कार्यरत चिकित्सक डा. प्रवीण कुमार पेंशनरों को स्वास्थ्य जांच करेंगे। पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद व सचिव श्रीकांत सिंह ने संयुक्त रूप से जानकारी दी। उन्होंने आयोजित शिविर में अधिक से अधिक पेंशनर समाज के लोगों को उपस्थित होने की अपील की है।

नामांकन से लेकर अन्य कार्यों में अवैध वसूली की शिकायत का वीडियो वायरल

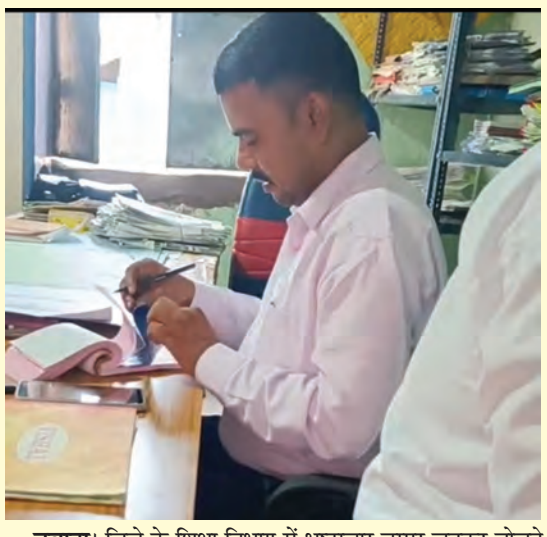

नवादा। जिले के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार छप्पर चढ़कर बोलने लगा है। बावजूद समाहर्ता को इसकी गूंज सुनाई नहीं दे रही है। रजौली बीआरसी में एक ही स्थान पर पन्द्रह से अधिक वर्षों से कर्मचारी जमे हैं जिससे भ्रष्टाचार चरम पर है तो एक मामला पकरीबरावां से सामने आया है जहां वरीय के बजाय कनीय को वर्षों से प्रभारी प्रधानाध्यापक का प्रभार सौंप रखा है। हालात यह है कि नामांकन से लेकर हर कार्य में मनमानी वसूली की जा रही है। जी हां! यहां हम बात कर रहे हैं पकरीबरावां प्रखंड क्षेत्र के महंत गणेश दत्त पुरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढ़ा की। उनकी काली करतूतों का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विद्यालय में अध्ययन रत छात्राओं द्वारा विधालय के प्रभारी दिलीप कुमार पर पैसा लेन-देन का आरोप लगा रही है। विधालय में प्रायोगिक परीक्षा में इंटर के विद्यार्थीयों से 600 रू प्रति छात्र एवं 10वीं के विद्यार्थीयों से 300 रू प्रति छात्र वसूली की गयी। वर्ग नवम् में नामांकन के लिए प्रति छात्र 650 रू लिया गया। आश्चर्य तो यह कि किसी भी छात्र को पावती रशीद नही दिया गया। वर्ग नवम् से दसवीं में प्रवेश कराने के लिए प्रति छात्र 650रू लिया गया उसे भी रसीद नही दिया गया । सभी का रसीद एक दिन दिनांक 31/07/2025 को तीन शिक्षकों के द्वारा एक ही दिन काट कर रख लिया गया लेकिन किसी छात्र को नहीं दिया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार नियोजित (9 - 10) के शिक्षक हैं और सारे नियम कानून कानून की धज्जियां उड़ाते हुए कनीय शिक्षक होने के बावजूद प्रभारी बने हुए हैं। उनका कहना है कि मेरा कोई कुछ नही बिगाड़ सकता क्योंकि मैं जिला कार्यालय को पैसा देते रहेंगे प्रभारी बने रहेंगे। इनके विरुद्ध विधालय के शिक्षकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को कई बार आवेदन दिया गया लेकिन कार्रवाई तो दूर अबतक मामले का संज्ञान तक नहीं लिया गया। अब जब वीडियो वायरल हो रहा है तो इसकी जांच हो भी पायेगी इसमें संदेह है।

ड्रोन की बैट्री के नाम पर साइबर अपराधियों ने की तीन लाख की ठगी

नवादा। जिले में साइबर अपराधियों ने एक किशोर को अपना शिकार बनाकर सनसनी फैला दी। नगर थाना क्षेत्र के कलाली रोड निवासी मुन्नू कुमार लाल का 13 वर्षीय पुत्र ड्रोन की बैट्री खरीदने के चक्कर में साइबर गिरोह के जाल में फंसा गया। पलक झपकते ही उसके खाते से करीब तीन लाख रुपये साफ हो गये। जानकारी के मुताबिक, किशोर ने इंटरनेट पर कुरियर सर्विस का मोबाइल नंबर खोजा और बैट्री ऑर्डर करने के लिए कॉल किया। फोन उठाने वाले ठगों ने बेहद चालाकी से बच्चे को "रोबोक्रेज" नामक एप डाउनलोड कराया। एप डाउनलोड होते ही खाते का पूरा नियंत्रण जालसाजों के हाथों में चला गया और देखते ही देखते खाते से 2,99,899 रुपये गायब हो गये। अचानक खाते से रकम उड़ जाने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिजनों ने तुरंत साइबर सेल के टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करायी। उसके बाद साइबर थाना पहुंच आवेदन देकर रकम बरामदगी की गुहार लगायी। सूत्रों के अनुसार, घटना किसी संगठित साइबर गिरोह का कारनामा प्रतीत हो रही है, जिसने फिशिंग एप का सहारा लेकर खाते से पूरी राशि उड़ा ली।

दो बाइकों के आमने-सामने के टक्कर में तीन युवक घायल , दो की हालत नाजुक

करगहर(रोहतास)। थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार की शाम दो बाइकों के आमने-सामने की सीधी टक्कर हो गई। जहां तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। बताया जाता है की तीन युवक बाइक से कोचस की तरफ से आ रहे थे वहीं दूसरी तरफ से एक बाइक पर दो युवक करगहर से बाजार कर घर से जा रहे थे । जहां सिरसिया मोड़ के समीप दोनों बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। आनन-फानन में ग्रामीणों के सहयोग से सभी घायलों को करगहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां दो कि हालत चिंताजनक स्थिति देखते हुए चिकित्सकों ने सासाराम के सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों में दो युवक भोजपुर जिले के पीरो निवासी संजय कुमार के 20 वर्षीय पुत्र राजा कुमार व 23 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार बताये जाते हैं। जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल की पहचान करगहर थाना के सोनवर्षा निवासी नथुनी राम का 22 वर्षीय पुत्र मिथलेश कुमार बताया जाता है।

जिले में बालू घाट संचालन पर प्रशासन की सख्ती, डीएम-एसपी ने दिए कड़े निर्देश

निज संवाददाता

नवादा। समाहरणालय के सभाकक्ष में बुधवार को जिलाधिकारी रवि प्रकाश और पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में जिले के सभी बालू घाट संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में बालू घाटों के संचालन से जुड़ी समस्याओं, चुनौतियों और अवैध खनन व परिवहन के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान कई घाट संचालकों ने प्रशासन के समक्ष अपनी-अपनी कठिनाइयों को रखा। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और जिला प्रशासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। इसके साथ ही, अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिले में किसी भी परिस्थिति में अवैध खनन या अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और इसके लिए पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला खनन पदाधिकारी को निर्देशित किया कि बिना वैध चालान के किसी भी वाहन को बालू परिवहन की अनुमति न दी जाए। ओवरलोडिंग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और परिवहन करने वाले वाहनों को निर्धारित मार्ग और समय सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा। घाट संचालकों को यह भी हिदायत दी गई कि वे अपने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें, सभी वाहनों पर स्पष्ट नंबर प्लेट हो और परिवहन कार्य पूरी तरह नियमों के अनुरूप हो। प्रशासन ने चेतावनी दी कि लापरवाही की स्थिति में घाट संचालक स्वयं जिम्मेदार ठहराए जाएंगे। इस मौके पर जिला खनिज विकास पदाधिकारी प्रत्यय अमन समेत अन्य वरीय अधिकारी और जिले के सभी बालू घाट संचालक उपस्थित थे।

गावं में दबंगई करने वाले के विरुद्ध थाने पहुंचे ग्रामीण

निज संवाददाता

नारदीगंज थाना में हरनारायण पुर गांव के पहुंचे लोगों की तस्वीर

नारदीगंज(नवादा)। थाना क्षेत्र के हरनारायणपुर गांव के ग्रामीणों ने बुधवार को नारदीगंज थाना पहुंचे। इस दौरान सौ से अधिक की संख्या में पुरुष व महिलाओं ने पुलिस पदाधिकारी से मिलकर समस्या को रखें। उसके बाद उपस्थित लोगों ने ग्रामीणों का संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन पत्र पुलिस पदाधिकारी को देकर न्याय की गुहार लगाई है। मुखिया दिनेश कुमार, पूर्व मुखिया कृष्ण चंद्र चक्रवर्ती,संतोष कुमार, श्रवण कुमार,राजकुमार प्रसाद, उपेन्द्र प्रसाद समेत अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रभारी थानाध्यक्ष आदित्य कुमार,एसआई धीरेंद्र पासवान व पुलिस पदाधिकारी से बातचीत की गई। ग्रामीणों की आवेदन पत्र में शिकायत है कि हरनारायणपुर गांव के रुप नारायण प्रसाद का पुत्र रवि राज उर्फ बाली उदण्ड प्रवृत्ति का युवक है। वह हर समय दबंगई दिखाते रहता है। ग्रामीणों के साथ बल पूर्वक अभद्र व्यवहार करता है। ग्रामीण जब मना करते हैं तो वह आये दिन ग्रामीणों को धमकी देता है। हाल के दिनों में गांव में एक युवक दूसरे समाज के लड़की को बहला फुसलाकर बाहर लेकर चला गया था, तब ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन के सहयोग से बरामद किया गया था। यह रवि राज कुमार उसी युवक को अपने साथ रखे हुए है। लड़की के पिता को भी धमकी दिया है। दो वर्ष पूर्व आपसी विवाद में बाहरी चार आदमी को बुलाकर गोली भी चलाया था। तब नारदीगंज थाना में दोनों परिवार के बीच समझौता हुआ था। उसी समय से रवि राज का मनोबल बढ़ा हुआ है। हमेशा गांव वालों को चैलेंज देता है। जिस कारण ग्रामीणों में भय का मौहाल बना हुआ है। उसे सुधारने के लिए ग्रामीण बैठक करने की भी बात कही थी,तब वह कहा कि हम थाना से समझ लेंगे। अपने साथ रखने को लेकर ग्रामीणों को नागवार गुजर रहा है। ग्रामीणों की बात गम्भीरता से लेते हुए आरोपी युवक रवि राज को पुलिस पदाधिकारी ने थाना में बुलाकर ग्रामीणों के बीच समझौता करा दिया। कहा कि आइंदा शिकायत मिलने पर कार्रवाई होगी।

रजौली में यात्री वाहन बने मालवाहक, यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ पर प्रशासन की चुप्पी

निज संवाददाता

नवादा। जिले के रजौली अनुमंडल क्षेत्र में यात्री वाहनों का मालवाहक के रूप में खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है। जीप, टेम्पो और मैजिक जैसी गाड़ियां, जिन्हें यात्रियों को ढोने के लिए परमिट मिला है, वे अब दुकानदारों के माल से भरी नज़र आती हैं। सुबह से शाम तक इन वाहनों में फल-सब्जी, परचून का सामान, सीमेंट की बोरियां, बालू, ईंटें और अनाज के गट्ठर लदे रहते हैं। यात्री मजबूरी में उन्हीं सामानों के ऊपर बैठकर यात्रा करते हैं, जिससे उनकी जान रोजाना खतरे में पड़ रही है। यह न केवल यातायात नियमों का खुला उल्लंघन है बल्कि सुरक्षा के लिहाज़ से भी बेहद खतरनाक है। रजौली से सिरदला, दिबौर, धमनी, फतेहपुर और नवादा जैसे क्षेत्रों में चलने वाले इन ओवरलोड वाहनों पर कभी भी हादसा हो सकता है। कई सड़कें पहले से ही संकरी और जर्जर हैं। ऐसे में भारी सामान से लदे वाहन ज़रा-सी लापरवाही में पलट सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में कई छोटे हादसे सामने आए हैं, जो बड़े हादसों की चेतावनी दे रहे हैं। स्थानीय निवासी मनोज कुमार बताते हैं कि अक्सर उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है क्योंकि अधिकतर वाहन माल से लदे होते हैं। जब कभी जगह मिल भी जाती है तो वाहन इस कदर भरे रहते हैं कि बैठने की गुंजाइश नहीं होती। उन्होंने कहा, "यह हमारी जान से खिलवाड़ है। यह सिर्फ असुविधा नहीं बल्कि सड़क हादसों की बड़ी वजह भी बन रहा है।" सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह सब प्रशासन और परिवहन विभाग की नाक के नीचे कैसे हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि कुछ वाहन मालिकों की अधिकारियों से मिलीभगत है, जिसके चलते कार्रवाई नहीं होती। वाहन जांच अभियान महज खानापूर्ति साबित हो रहा है। पुलिसकर्मियों का कहना है कि उन्हें ऊपर से आदेश नहीं मिलते। अगर वे सख्ती दिखाते हैं तो तुरंत दबाव बनाकर छोड़ देने को कहा जाता है। यह स्थिति सीधा-सीधा भ्रष्टाचार और लापरवाही की ओर इशारा करती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इसके पीछे आर्थिक लाभ मुख्य कारण है। यात्रियों से मिलने वाले किराए की तुलना में माल ढुलाई से कई गुना अधिक कमाई होती है। इसके अलावा, यात्री वाहन के परमिट होने की वजह से इन वाहन मालिकों को मालवाहक वाहनों पर लगने वाले टैक्स और परमिट शुल्क से भी छूट मिलती है। नतीजा यह है कि वाहन मालिक मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे वाहनों का परमिट तुरंत रद्द किया जाए, भारी जुर्माना लगाया जाए और नियमित सघन जांच अभियान चलाया जाए। इस मुद्दे पर जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) नवीन कुमार पांडे ने कहा कि, "हमें शिकायत मिली है कि यात्री वाहनों से ओवरलोडिंग और माल ढुलाई की जा रही है। प्रधानमंत्री के बोधगया आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्तता है। इसके बाद ऐसे वाहनों पर विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।"

नवादा में मार्शल आर्ट प्रशिक्षकों के चयन की प्रक्रिया शुरू, 22 पदों पर होगी नियुक्ति

निज संवाददाता

नवादा। जिले के माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को आत्मरक्षा और शारीरिक दक्षता का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने मार्शल आर्ट प्रशिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी, नवादा ने जानकारी दी कि इस पहल के तहत कुल 22 प्रशिक्षकों का चयन किया जाएगा, जिन्हें प्रतिदिन 24 विद्यालयों में तीन चरणों में प्रशिक्षण देना होगा। प्रत्येक प्रशिक्षक तीन-तीन विद्यालयों में डेढ़-डेढ़ घंटे का प्रशिक्षण देंगे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चयन के लिए प्रशिक्षकों के पास मान्यता प्राप्त संस्थानों से योग्यताएँ होना आवश्यक है। कराटे प्रशिक्षकों के लिए ऑल इंडिया कराटे फेडरेशन, कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया या कराटे ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त शैली में ब्लैक बेल्ट अनिवार्य है। इसी तरह ताइक्वांडो प्रशिक्षकों को वर्ल्ड ताइक्वांडो मुख्यालय कुकीवोन यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त ब्लैक बेल्ट होना चाहिए। वहीं, वुशु प्रशिक्षकों के पास वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया या बिहार वुशु एसोसिएशन से प्रदत्त नेशनल एवं स्टेट लेवल कोच सेमिनार सर्टिफिकेट होना जरूरी है। इसके अलावा सभी अभ्यर्थियों के पास स्नातक या उसके समकक्ष शैक्षणिक योग्यता, न्यूनतम 21 और अधिकतम 35 वर्ष की आयु सीमा तथा संबंधित विधा में कम से कम एक वर्ष का प्रशिक्षण अनुभव होना आवश्यक है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार, जिनमें पूर्व चयनित प्रशिक्षक भी शामिल हैं, 22 अगस्त 2025 तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ सभी आवश्यक प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना, नवादा के कार्यालय या निकटतम इंटर विद्यालय, नवादा में जमा किए जा सकते हैं। जिला शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद 25 अगस्त 2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे चयन प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। निर्धारित समय के बाद जमा किए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

फल की आड़ में चल रहा था शराब का धंधा, पुलिस ने बस स्टैंड से तीन को दबोचा

निज संवाददाता

नवादा। जिले के रजौली नगर पंचायत के न्यू बस स्टैंड परिसर से पुलिस ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। यहां एक फल विक्रेता की दुकान पर सेब, केले और संतरे से ज्यादा बोतलें बिक रही थीं, वह भी शराब की। मंगलवार रात रजौली थाना पुलिस ने छापेमारी कर इस फल की दुकान से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की और तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लक्ष्मी भगत, उनके बेटे शंकर कुमार और उनके सहयोगी धीरज मालाकार के रूप में हुई है। ये तीनों रजौली थाना क्षेत्र के महसई मोहल्ला के निवासी बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मंगलवार को एएसआई जयप्रकाश चौधरी बीएमपी जवानों के साथ संध्या गश्ती पर निकले थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि रजौली बस स्टैंड स्थित लक्ष्मी भगत की फल दुकान से अवैध अंग्रेजी शराब बेची जा रही है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस दल ने दुकान पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही दुकान पर मौजूद तीनों आरोपी भागने लगे, लेकिन एएसआई ने जवानों की मदद से उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। इसके बाद दुकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस को फलों की टोकरियों और कार्टनों के बीच छिपाकर रखी गई 2.250 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। शराब को इस तरह छिपाया गया था कि पहली नजर में दुकान सिर्फ फलों की दुकान ही नजर आती। पुलिस ने मौके से सिग्नेचर प्रीमियर, रॉयल स्टेज प्रीमियर, आइकॉनिक व्हाइट और स्टर्लिंग रिजर्व बी7 जैसे ब्रांड की बोतलें बरामद कीं। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे यह शराब झारखंड से लाकर फल की आड़ में बेचते थे। पुलिस ने शराब जब्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर कांग्रेस ने किया याद, 'आधुनिक भारत का निर्माता' बताया

निज संवाददाता

पूर्व प्रधानमंत्री की जंयती पर मौजूद कांग्रेसी

रजौली। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती के अवसर पर रजौली प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्रखंड अध्यक्ष रामरतन गिरी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के देश निर्माण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदानों को याद किया। प्रखंड अध्यक्ष ने अपने संबोधन में राजीव गांधी को डिजिटल इंडिया का शिल्पकार बताते हुए कहा कि उनके द्वारा शुरू किए गए दूरसंचार, आईटी क्रांति और कंप्यूटरीकरण कार्यक्रमों ने भारत को दुनिया के अग्रणी देशों की कतार में खड़ा कर दिया। इन पहलों से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले और देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के उन कदमों की भी सराहना की,जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाया। उन्होंने मतदान की उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष करने का जिक्र किया,जिससे बड़ी संख्या में युवा चुनावी प्रक्रिया से जुड़ सके।इसके साथ ही, पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के उनके दूरगामी फैसले ने लोकतंत्र को गांवों तक पहुंचाया और आम लोगों को राजनीति में आने का अवसर दिया। कार्यक्रम में राजीव गांधी के शासनकाल में लाई गई 11 महत्वपूर्ण नीतियों पर भी चर्चा हुई, जिनमें नई शिक्षा नीति, आवास नीति, स्वास्थ्य नीति और सिंचाई नीति प्रमुख थीं। इन नीतियों का उद्देश्य समाज के हर वर्ग का कल्याण सुनिश्चित करना था। इसके अलावा, पीने का पानी, टीकाकरण, साक्षरता और दुग्ध उत्पादन जैसे क्षेत्रों में तकनीकी मिशन की स्थापना भी उनके महत्वपूर्ण फैसलों में से एक थी।इस मौके पर कांग्रेस के भावी प्रत्याशी मोहन चौधरी, कांग्रेस इंटक के जिला महामंत्री कुंदन दीप, योगेंद्र कुमार, दीपक कुमार, संतोष कुमार,जितेंद्र सिंह,सुजीत कुमार एवं अन्य कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

राहुल गांधी के आरोपों को जिला प्रशासन ने किया खारिज, दस्तावेज़ व तस्वीरें जारी कर दी सफाई

निज संवाददाता

नवादा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा जिले के एक मतदाता के माध्यम से लगाए गए आरोपों को नवादा जिला प्रशासन ने सिरे से खारिज कर दिया है। प्रशासन ने इसे सस्ती लोकप्रियता बटोरने का प्रयास बताते हुए न केवल दस्तावेज उपलब्ध कराए, बल्कि फोटो भी जारी कर अपने पक्ष को मजबूती से रखा। वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र (239) के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, नवादा सदर ने जानकारी दी कि 19 अगस्त 2025 को सुबोध कुमार (पिता स्वर्गीय श्यामली सिंह) द्वारा यह आरोप लगाया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के प्रारूप प्रकाशन में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इस शिकायत की जांच की गई तो यह तथ्य सामने आया कि उनका नाम कभी भी निर्वाचक नामावली में दर्ज ही नहीं था। प्रखंड विकास पदाधिकारी, काशीचक द्वारा भेजे गए पत्र और बीएलओ मनोज कुमार की रिपोर्ट में भी स्पष्ट किया गया कि सुबोध कुमार का नाम प्रारूप प्रकाशन से पहले से ही मतदाता सूची में मौजूद नहीं था। वहीं, उनके परिवार के अन्य सदस्य मतदान केंद्र संख्या 9 से स्थानांतरित होकर मतदान केंद्र संख्या 10 में शामिल हैं, लेकिन सुबोध कुमार का नाम किसी भी समय सूची में अंकित नहीं रहा। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने यह भी बताया कि 29 अक्टूबर 2024 को प्रकाशित समेकित निर्वाचक नामावली, 1 जनवरी 2025 की अर्हता तिथि वाली अनुपूरक सूची और 1 अगस्त 2025 के प्रारूप प्रकाशन—सभी में उनका नाम दर्ज नहीं है। इतना ही नहीं, सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार जारी विलोपित मतदाताओं की सूची में भी उनका नाम अनुपस्थित है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि जब बीएलओ द्वारा सूची मतदान केंद्र पर चिपकाई जा रही थी, उस समय सुबोध कुमार स्वयं बूथ पर मौजूद थे और उनके हस्ताक्षर उपस्थिति रजिस्टर पर दर्ज हैं। तस्वीरों से यह तथ्य प्रमाणित भी होता है। उस समय बीएलओ ने उनसे फॉर्म भरने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने आवश्यक फॉर्म-6 अथवा घोषणा पत्र प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया में भी उन्होंने कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की। जिला प्रशासन ने कहा कि आरोप पूरी तरह से निराधार और तथ्यहीन हैं। यदि सुबोध कुमार भविष्य में नियमानुसार फॉर्म-6 और आवश्यक घोषणा पत्र भरकर देंगे तो उनके नाम को निर्वाचक सूची में सम्मिलित किया जा सकता है।

24 घंटे में नवादा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 46 फरार अपराधी धराए

निज संवाददाता

नवादा। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने जानकारी दी कि नवादा पुलिस ने मंगलवार को जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर विभिन्न मामलों में बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 46 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें अवैध खनन से जुड़े 2, मद्य निषेध अधिनियम के तहत 14 और अन्य मामलों में 30 अपराधी शामिल हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने शराब कारोबार पर भी करारी चोट की। अलग-अलग इलाकों से 306 लीटर देशी शराब और 2.250 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। वहीं वारंट निष्पादन की संख्या 6 दर्ज की गई। इसके अलावा वाहन जांच के क्रम में 450 वाहनों की जांच की गई और नियम तोड़ने वालों से कुल 42 हजार रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए। अन्य मामलों में पुलिस ने तीन ट्रैक्टर, तीन मोटरसाइकिल और एक अपहृता को भी बरामद किया है। एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि नवादा पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्ती से अभियान चला रही है। अपराध को अंजाम देने के बाद फरार होकर अन्यत्र जगह छिपने वाले अपराधियों को पकड़ने के लिए निरंतर खुफिया जानकारी एकत्र की जा रही है और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जघन्य और संगठित अपराधियों को गिरफ्तार कर सजा दिलाना ही पुलिस की प्राथमिकता है और यह सफलता नवादा पुलिस की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

संक्षिप्त समाचार

गुरुआ में जयंती पर याद किए गए पूर्व पीएम राजीव गांधी

गुरुआ। गुरुआ प्रखंड के दुब्बा गांव के निकट संचालित ड्रीम क्लासेस सह पायनियर पब्लिक स्कूल में बुधवार को पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती मनाया गया इस दौरान उपस्थित शिक्षक एवं छात्रो ने स्व गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प चढ़ाकर नमन किया। इस मौके पर उपस्थित विद्यालय के निदेशक चितरंजन कुमार शर्मा ने बताया कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता थे। वहीं दूसरी ओर डुमरी गांव में संचालित ब्लूमफील्ड इंग्लिश स्कूल के मार्गदर्शक मिन्हाज खान, बढ़ई बिगहा गांव में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम के समन्वयक पंकज कुमार गुप्ता, मिडिल स्कूल अकोथरा के विशिष्ट शिक्षक रामाशीष प्रजापत, बस स्टैंड के निकट रामचंद्र मार्केट में संचालित मार्गदर्शन कोचिंग सेंटर के निदेशक विनय कुमार यादव एवं प्राथमिक विद्यालय नूरपुर राजोखाप के विशिष्ट शिक्षक अमरेंद्र कुमार सिंह ने भी पूर्व पीएम राजीव गांधी के संघर्षभरी जीवनी पर छात्र-छात्राओं के बीच विस्तार से चर्चा किया।

भाजपा मानपुर उतरी ग्रामीण युवा मोर्चा के अध्यक्ष बने पुरुषोत्तम कुमार, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

मानपुर : मानपुर प्रखंड स्थित ननौक पंचायत अंतर्गत गाँव नवादा के स्थानीय निवासी पुरुषोत्तम कुमार को भाजपा मानपुर उतरी ग्रामीण युवा मोर्चा अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के लिए निष्पक्ष रूप से तात्परता से काम करूंगा। विधानसभा का चुनाव आने वाला है। मेहनत से पार्टी को जीताने का काम करूंगा। वहीं मानपुर उतरी ग्रामीण अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि पुरुषोत्तम कुमार को मानपुर उतरी ग्रामीण युवा मोर्चा का अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। भारतीय जनता पार्टी का संगठन में युवा मोर्चा पद रीड की हड्डी माना जाता है। मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि पुरुषोत्तम कुमार को युवा मोर्चा के अध्यक्ष बनाए जाने पर उनको बहुत बधाई देता हूँ। पुरुषोत्तम कुमार एक जुझारू सामाजिक कार्यकर्ता हैं। पार्टी मे सक्रिय रहता है। जिनकी ईमानदारी के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

शहीद अनिल कुमार सक्सेना के संघर्षो को भुलाया नही जा सकताः विधायक

गुरुआ। गुरुआ प्रखंड के श्रीराम बिगहा गांव में बुधवार को राजद विधायक विनय कुमार यादव के छोटे भाई शहीद टीसी अनिल कुमार सक्सेना का 13 वीं शहादत दिवस मनाया गया शहादत दिवस समारोह में उपस्थित लोगों ने शहीद अनिल कुमार के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया इसके साथ ही आसपास के पांच सौ से अधिक जरुरतमंद परिवार के बीच धोती और साड़ी का वितरण भी किया गया। शहादत दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मखदुमपुर विधायक सतीश दास एवं राजद के प्रधान महासचिव अजय दांगी ने बताया कि शहीद अनिल कुमार सक्सेना उत्तर प्रदेश के कासगंज रेलवे स्टेशन पर टीसी के पद पर कार्यरत थे वह एक रेलवे के कर्मचारी होकर काफी साहस का परिचय देते हुए भारतीय संपदा की सुरक्षा में 20 अगस्त 2012 को अपराधियों की गोली से शहीद हो गए थे आज के नौजवानों को शहीद टीसी अनिल कुमार सक्सेना की शहादत से प्रेरणा लेने की जरुरत है इसलिए कि इतिहास उसी को बनता है जो व्यक्ति दूसरे के अधिकार के लिए संघर्ष करता है। शहादत दिवस समारोह में राजद के जिलाध्यक्ष सुभाष यादव, प्रधान महासचिव अजय दांगी, दुग्ध संघ के चेयरमैन जितेंद्र यादव, प्रखंड प्रमुख नीलम कुमारी यादवेंदु, उप प्रमुख नागेंद्र पासवान, मुखिया पति सुरेंद्र कुमार यादव, गुरारु के विधायक प्रतिनिधि दीपू यादव, शिक्षा समिति के अध्यक्ष गिरिजा शर्मा, पंसस पति रामेश्वर साव उर्फ सेठजी, कोलौना पंचायत के पैक्स अध्यक्ष रामाशीष यादव, पूर्व मुखिया अनिरुद्ध प्रसाद, राजद नेता राजेश कुमार यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

प्रशासन काबिलपुर गांव में तीन कच्चा एवं एक पक्का मकान को तोड़कर हटाया

फतेहपुर (गयाजी)। फतेहपुर प्रखंड के जयपुर पंचायत अंतर्गत काबिलपुर गांव में अंचलाधिकारी के नेतृत्व में बुधवार को अनवाद सर्वसाधारण बिहार सरकार की जमीन पर वर्षो से बना हुआ तीन कच्चा एवं एक पक्का मकान को बुलडोजर से तोड़कर अतिक्रमण मुक्त कराया। यह कार्रवाई उच्च न्यालय के आदेश पर की गई है। गांव के राजकुमार यादव के द्वारा उच्च न्यालय में अतिक्रमण के विरुद्ध याचिका दायर किया था। काबिलपुर गांव की मुख्य सडक की जमीन पर तीन प्लाट में वर्षो से तीन कच्चा एवं एक पक्का मकान बनाकर रह रहा था। कई बार गांव के अन्य ग्रामीणों से सड़क की जमीन पर अतिक्रम के विरुद्ध आवेदन देकर हटाने का मांग किया था। स्थानीय प्रशासन अतिक्रमण को हटाने में असफल रहे। स्थानीय प्रशासन से न्याय नहीं मिलने पर गांव के राजकुमार ने उच्च न्यालय में अतिक्रमण मुक्त के लिए याचिका दायर किया था। जिसकी सुवाई होते हीं उच्च न्यालय ने स्थानीय प्रशासन को अतिक्रम हटाने का आदेश निर्गत की। उसी आदेश का पालन करते हुए स्थानीय प्रशासन ने अतिक्रमण को हटाया। सीओ अमिता सिंहा ने बताया कि क़ाबिलपुर गांव में उच्च न्यालय के निर्देश पर तीन कच्चा एवं एक पक्का मकान को तोड़कर हटाते हुए अतिक्रम मुक्त कराया गया है। शांति व्यवस्था के लिए फतेहपुर एवं गुरपा थाना की तैनाती की गई थी। शांति पूर्वक अतिक्रमन को हटाया गया।

पीएम नरेन्द्र मोदी 22 अगस्त को अमृत भारत सहित दो ट्रेनों की गयावासियों को देंगे सौगात

गयाजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 अगस्त को गयाजी जंक्शन से दो महत्वपूर्ण ट्रेनों का उद्घाटन करेंगे। इनमें से पहली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन गया से दिल्ली के बीच चलेगी, जबकि दूसरी मेमू पैसेंजर ट्रेन कोडरमा से वैशाली तक गया जंक्शन से होकर चलेगी। 22 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी 10:50 में अमृत भारत ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करेंगे उद्घाटन।इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री गया वासियों के लिए बड़ी सौगात दे रहे हैं। प्रधानमंत्री जी का सपना है आमलोगों का दिल्ली जाने के लिए अतिरिक्त ट्रेन दी गई जिससे आम लोग को सुविधा पूर्वक सफर कर सकेंगे। यह ट्रेन नॉन ऐसी है स्लीपर क्लास की गाड़ी है। 22 कोच की गाड़ी है आगे पीछे इंजन के साथ। हालांकि अभी इसका बुकिंग का क्या स्थिति है किराया क्या है यह अप टू डेट अभी नहीं हुई है। 10:50 में इसकी उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की जाएगी। दूसरी ट्रेन मेमू ट्रेन है जो कोडरमा से वैशाली गया होकर गया क्यूल रेलखंड से जाएगी जो बौद्ध सर्किट को जोड़ेगी। इन दोनों ट्रेनों के शुरू होने से गया सहित पूरे मगध क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि अमृत भारत एक्सप्रेस गया और दिल्ली के बीच एक तेज आधुनिक और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। इस ट्रेन की शुरुआत से न केवल आम यात्रियों को बेहतर सेवा मिलेगी, बल्कि व्यापारिक और धार्मिक यात्रा करने वालों के लिए भी यह सुविधा बेहद उपयोगी होगी। गया, जो बौद्ध और हिंदू तीर्थ यात्रियों का प्रमुख केंद्र है, अब राजधानी से और बेहतर जुड़ जाएगा।

डुमरिया से लापता 19 वर्षीय युवती सकुशल बरामद, पुलिस की मोबाइल लोकेशन और 300 सीसीटीवी से बड़ी सफलता

परिवार और अफवाह फैलाने वालों के झूठे आरोप नाकाम, एसडीपीओ बोले – त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा विवाद

निज संवाददाता। इमामगंज

गया जिले के नक्सल प्रभावित डुमरिया प्रखंड अंतर्गत मैगरा थाना क्षेत्र से पिछले 5 दिनों से लापता 19 वर्षीय युवती को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। युवती 14 अगस्त को घर से शौच के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी थी। इसके बाद परिवार ने अपहरण का आरोप लगाते हुए मैगरा थाना क्षेत्र के पड़ोस निवासी मोहम्मद सद्दाम मियां और पहलवान पर नामजद अभियुक्त बनाकर प्राथमिक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वहीं इस संबंध में

इमामगंज पुलिस अनुमंडल कार्यालय में एसडीपीओ कमलेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि युवती के गायब होने के बाद गया एसएसपी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। यह कार्रवाई इमामगंज एसडीपीओ कमलेश कुमार के नेतृत्व में किया गया। वही टीम में मैगरा थाना अध्यक्ष विद्या शंकर, भदवर थाना अध्यक्ष अमित कुमार, छकरबंधा थाना अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल थे।एसडीपीओ ने बताया कि मोबाइल लोकेशन और 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, युवती के इंस्टाग्राम, फेसबुक और कॉल डिटेल्स की गहन जांच की गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि युवती अपने घर से पैदल ही निकली थी। इसे बाद वह बस पकड़कर गया गई, वहां काम नहीं मिलने पर पटना गई और फिर गोपालगंज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के घर नौकरी करने लगी। जांच में यह भी सामने आया कि युवती और मोहम्मद सद्दाम मियां के बीच दोस्ती और लव अफेयर था। परिवार द्वारा तरह-तरह के दबाव और

घटना की जानकारी देते इस डिपो कमलेश कुमार व अन्य

प्रताड़ना के कारण युवती ने स्वयं निर्णय लेकर घर छोड़ने का कदम उठाया। पुलिस ने साफ किया कि सद्दाम मियां ने युवती के साथ किसी प्रकार की जबरदस्ती नहीं की। वहीं एसडीपीओ कमलेश कुमार ने बताया कि परिवार और कुछ अन्य लोग इस मामले को दो संप्रदाय से जोड़कर अफवाह फैलाने की कोशिश कर रहे थे। युवती के परिवार ने यह आरोप लगाया कि वह घर से शौच के लिए निकली थी और घर नहीं लौटी। साथ ही परिवार का दावा था कि युवती ने केवल एक ही फोन रखा था। लेकिन जांच में सामने आया कि युवती दो मोबाइल फोन रखती थी, जिनमें से एक लेकर घर से निकली।

इसके अलावा, युवती के घर में शौचालय मौजूद था, इसलिए परिवार द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत थे। जांच में यह भी सामने आया कि 16 अगस्त को युवती के परिवार और कुछ अन्य लोगों ने डुमरिया–पटना स्टेट हाईवे-69 जाम कर मैगरा थाना घेराव करने की कोशिश की। इस दौरान कुछ राजनीतिक लोग मौके पर पहुँचकर मामले को तूल देने लगे। लेकिन पुलिस की सतर्क और लगातार कार्रवाई के कारण पूरे क्षेत्र में माहौल नियंत्रण में रहा। इधर पुलिस ने युवती को बरामद कर कोर्ट में 164 के तहत बयान दर्ज कराया गया है। वहीं सड़क जाम और हंगामा करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे कार्रवाई की जा रही है। वहीं एसडीपीओ कमलेश कुमार ने सभी से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और भरोसा करें कि पुलिस हर मामले में निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई करती है।

पुलिस की सराहनाः इलाके के लोगों ने पुलिस की त्वरित और कुशल कार्रवाई की जमकर सराहना की। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवी संगठन के लोग अधिकारियों को धन्यवाद और शाबाशी दे रहे हैं। वहीं एसडीपीओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई में सम्पूर्ण प्रशासनिक महकमा, थाना अधिकारी और पुलिस टीम की प्रतिबद्धता और कर्तव्यपरायणता शामिल रही। इस करवाई जो भी पुलिस अधिकारी शामिल थे वे धन्यवाद के पत्र में पुष्कृत किया जाएगा। इस मौके पर मैगरा थानाध्यक्ष विद्या शंकर, भदवर थाना अध्यक्ष अमित कुमार, छकरबंधा थाना अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने शेरघाटी में आमंत्रण पत्र किया वितरण

निज संवाददाता। शेरघाटी

बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार की शाम शेरघाटी शहर में आमंत्रण पत्र वितरण कार्यक्रम में भाग लिया. उन्होंने कहा कि 22 अगस्त 2025 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गयाजी आगमन होने जा रहा है. यह गया के लिए ऐतिहासिक होगा. डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अब तक बिहार में 55 बार से अधिक आ चुके हैं. वहीं, गयाजी में वे सातवीं बार आरहे हैं. उन्होंने कहा कि गयाजी के लिए यह गर्व का अवसर है। उन्होंने कहा कि पूरे जिले को प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए तैयार रहना चाहिए. अपने काफिले के साथ शहर के नई बाज़ार थाना मोड़ होते हुए शहर के मुख्य मार्ग गोलाबाजार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन से गया जिले के विकास को नई दिशा मिलेगी. उन्होंने सभी नागरिकों से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी कि सभा में शामिल होने की अपील की। नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है. लोगों ने 22 अगस्त को होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने का संकल्प लिया. दुकानदारों और नागरिकों ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन से गया के विकास को नई दिशा मिलेगी. प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए गया जी के लोग तैयार हैं. शेरघाटी को ज़िला बनाए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इसके लिए हर संभव प्रयासरत है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश और चिंटू सिंह, अति पिछड़ा आयोग के सदस्य अमित कुमार दांगी, पूर्व मंत्री डॉ विनोद प्रसाद यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, नगर अध्यक्ष राधेश्याम सिंह, अक्षय चंद्रवंशी मंडल अध्यक्ष रवि सिंह, बद्री सिंह, अशोक कुमार, अरुण चंद्रवंशी, प्रोफेसर अरविंद कुमार आदि लोग मौजूद रहे.

मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने विभिन्न विकासात्मक कार्यों का किया शुभारंभ और शिलान्यास, कहा- सूबे में विकास की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी

निज संवाददाता। गयाजी

मंत्री सहकारिता विभाग, बिहार सरकार डॉ. प्रेम कुमार ने आज गया नगर अंतर्गत विभिन्न विकासात्मक कार्यों का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत वार्ड संख्या 45 में पथ एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास 26 लाख रुपये की लागत से किया। वहीं, मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत वार्ड संख्या 19 हाते गोदाम में चबूतरा जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास 4 लाख रुपये की लागत से किया गया। मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना अंतर्गत वार्ड संख्या 29 में नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास 40,99,748 रुपये की लागत से किया गया। इसी योजना के तहत वार्ड संख्या 30 में नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास 63,06,756 रुपये की लागत से तथा वार्ड संख्या 4 में नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास 48,82,981 रुपये की लागत से किया गया। मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत वार्ड नंबर 30 अशोकनगर कोआपरेटिव कॉलोनी में विश्वकर्मा सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास 9लाख 64 हजार 400 के लागत से किया। इसी योजना अंतर्गत वार्ड संख्या 16 तेलबीघा डोमटोली में सामुदायिक भवन जो आधार कार्य का शिलान्यास 6 लाख 30 हजार 100 के लागत से निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना एवं शहरी समग्र विकास योजना के अंतर्गत हो रहे ये कार्य नगरवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे तथा शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि विकास की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। वहीं, स्थानीय निवासियों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में स्वच्छता, जल निकासी और सौंदर्यीकरण में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। वहीं मौके पर प्रेम सागर जी,हरि यादव,मनोज चंद्रवंशी,सुरेंद्र यादव,गिरिजा शर्मा,संजय सिंह, अशोक सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गया दौरे के पहले हेलीकॉप्टर से किया गया मॉक ड्रिल, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार के गया जी में पीएम नरेंद्र मोदी का आगमन आगामी 22 अगस्त को है. प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तमाम व्यवस्थाएं अंतिम चरण में है. पीएम के गयाजी दौरे के पहले सभा स्थल में बने हेलीपैड से सेना के हेलीकॉप्टर के द्वारा मॉक ड्रिल किया गया. सेना के हेलीकॉप्टर से करीब 10 मिनट तक सभा स्थल का चारों ओर से मुआयना किया गया. बुधवार को सेना के हेलीकॉप्टर से मॉक ड्रिल किया गया. जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हेलीकॉप्टर लैंड करेगा, वहां से आज सेना का हेलीकॉप्टर उड़ा और करीब 10 मिनट तक सभा स्थल का मुआयना किया.

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर : बोधगया के मगध विश्वविद्यालय परिसर में पीएम सभा को संबोधित करेंगे. प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं. कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास में एसपीजी की टीम लगातार निगरानी कर रही है. अब मगध विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्रधानमंत्री के सभा स्थल को सुरक्षा एजेंसियों ने कवर कर लिया है और हर एक आने -जाने वालों की जांच शुरू कर दी गई है.

मेटल डिटेक्टर से जांच : वहीं, प्रधानमंत्री के सभास्थल और उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बलों के द्वारा हैंड मेटल डिटेक्टर और अन्य उपकरणों से चप्पे-चप्पे की जांच हो रही है. चारों ओर पुलिसकर्मियों की तैनाती है. बुधवार को गया एसएसपी आनंद कुमार मगध विश्वविद्यालय परिसर में बने सभा स्थल पर पहुंचे और सभा स्थल का मुआयना किया. एसएसपी ने बताया कि सुरक्षा मानकों के अनुसार पूरी व्यवस्था की गई है. वहीं, ट्रैफिक प्लान भी जारी किया गया है. सुरक्षा व्यवस्था में कई जिलों के से अतिरिक्त पुलिसकर्मी लगाए गए हैं और केंद्रीय बलों की भी तैनाती की गई है.

प्रधानमंत्री का 22 अगस्त को आगमन को लेकर बाटे जा रहे हैं निमंत्रण पत्र

मानपुर। मानपुर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न स्थानों में घर घर जाकर भव्य स्वागत की तैयारी मे भाजपा गयाजी पूर्वी के जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौधरी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने निमंत्रण पत्र घर घर जाकर आमंत्रण पत्र दिया। प्रमोद चौधरी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर मानपुर और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। दिनांक 22 अगस्त को बोधगया के विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा में हजारों की संख्या में लोग भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। मानपुर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक घर में जाकर प्रधानमंत्री को भाषण सुनने के लिए इस अवसर पर क्षेत्र की जनता अपने प्रिय नेता का भव्य स्वागत करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस जनसभा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। जो क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति प्रदान करेंगे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एमसी_डब्ल्यूसी_ब्रेक वैन_आरएसपी _25, दिनांक: 14.08.2025। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, रूम संख्या 42, पहली मंज़िल, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य के लिए पर्याप्त अनुभव एवं आर्थिक क्षमता रखने वाले सम्माननीय ठेकेदारों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में 'एकल लिफाफा प्रणाली' में मुहरबंद खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : **कार्य का नाम/विवरण:** नैहाटी आरओएच/यार्ड के लिए 150 अदद ब्रेक वैन की जांच के लिए अडजस्टेबल गार्ड चेयर तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,13,98,700। **बयाना राशि:** ₹ 2,57,000। **ठेके की अवधि:** 24 महीना। **बोली शुरू होने की तारीख:** 22.08.2025। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 05.09.2025 को दोपहर 1.00 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 05.09.2025 को दोपहर 1.00 बजे। ई-निविदा सूचना एवं कार्य हेतु पात्रता की शर्तों सहित निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** (वेबसाइट यूआरएल) पर देखा एवं से डाउनलोड किया जा सकता है। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(SDAH-172/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अपने हक एवं अधिकार के लिये पटना में जुटेंगे हजारों जनप्रतिनिधि-मिथलेश

निज संवाददाता। वजीरगंज

त्रिस्तरीय एवं ग्राम कचहरी प्रतिनिधि संगठनों के आह्वान पर अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर आगामी 24 अगस्त को पटना के बापू सभागार भवन में जनप्रतिनिधि महासम्मेलन की तैयारी को लेकर प्रखंड के पतेड़ मंगरावां पंचायत मुखिया सह जिला मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार उर्फ डब्लू यादव की अध्यक्षता में वजीरगंज प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में बुधवार को पंचायत प्रतिनिधियों का एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया | बैठक में मुख्य अतिथि मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथलेश कुमार राय एवं उपाध्यक्ष विनय भूषण कुमार उर्फ शेर सिंह ने बताया कि पंचायती राज एवं ग्राम कचहरी की व्यवस्था राज्य एवं केंद्र सरकार के द्वारा लगातार ध्वस्त करने किया जा रहा है |दुर्भाग्य का विषय है कि भारतीय संविधान के 73वें संशोधन से पंचायती राज व्यवस्था शक्ति में आयी तथा बिहार एक अनोखा राज्य जहा त्रिस्तरीय के साथ ग्राम कचहरी नामक संस्था उत्कृष्ठ कार्य कर रही है ,पर विडंबना है कि हमारे अधिकारों का लगातार किया जा रहा है |अपनी 15 सूत्री मांगों एवं हक और अधिकार की मांग को लेकर आगामी पटना के बापू सभागार भवन में राज्य भर के जनप्रतिनिधि शामिल होंगे इसके लिये सभी प्रखंडों का दौरा कर बैठक कर रणनीति तैयार की जा रही है | मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार उर्फ डब्लू यादव ने बताया कि पूरे गया जिले से सैकड़ों प्रतिनिधि इस महासम्मेलन में भाग लेंगे जिसके लिये रणनीति तैयार की जा रही है | इस मौके पर सकरदास नवादा पंचायत मुखिया मुन्ना सिंह ,करजरा मुखिया राजकुमार शर्मा , विशुनपुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि जतन यादव सहित अन्य जन प्रतिनिधि मौजूद थे |

कार्यालय, कार्यपालक अभियन्ता
लघु सिचाई प्रमण्डल, औरंगाबाद
शुद्धि पत्र (Corregendum Letter)

इस कार्यालय द्वारा निर्गत निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 05/2025–26 जिसका PR. No.- 011436 (MWRD) 2025–26 है जो निम्न प्रकार संशोधित समझा जाये।

क्र0 सं0	पूर्व में प्रकाशित निविदा आमंत्रण सूचना संख्या	संशोधित रूप से प्रकाशित निविदा आमंत्रण सूचना संख्या
1	"हर खेत तक सिंचाई का पानी"	"जल–जीवन–हरियाली अभियान"
2	निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 05/2024–25	निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 05/2025–26

निविदा में प्रकाशित शेष तिथि, नियम एवं शर्त पूर्वत रहेगा।

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
लघु सिंचाई प्रमण्डल, औरंगाबाद

PR- 011750 (MWRD) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त समाचार

दिनारा पुलिस की कार्रवाई,चार लीटर देसी शराब बरामद

दिनारा / रोहतास । दिनारा थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के शंभु डिहरी गांव में छापेमारी की । इस दौरान पुलिस ने रामेश्वर चौधरी के घर से करीब चार लीटर देसी शराब बरामद किया है । हालांकि पुलिस की भनक मिलते ही धंधेबाज मौके से फरार हो गया । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि फरार शराब कारोबारी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है । उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है । उन्होंने कहा कि आरोपी को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

संझौली पुलिस ने हत्या मामले की नामजद महिला वारंटी को दबोचा

संझौली / रोहतास । संझौली थाना की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लाल वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है । थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के संझौली बाल निवासी भिमुर्ति कुंवर को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने धर दबोचा । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार महिला के विरुद्ध सासाराम कोर्ट से वारंट निर्गत था । उक्त महिला हत्या मामले में नामजद अभियुक्त रही है और लंबे समय से फरार चल रही थी । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दी गई है ।

तीन गांवों से चार स्थाई वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

काराकाट। पुलिस ने काराकाट थाना क्षेत्र से बुधवार को तीन गांवों से चार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया ।गिरफ्तार चार स्थाई वारंटी जयश्री गांव निवासी सुरेश उर्फ बादशाह प्रसाद पिता नरेश प्रसाद ,पड़सर गांव निवासी निराली सिंह पिता मानकी सिंह, सिकरियां गांव निवासी धनजी सिंह, पंकज सिंह दोनों पिता अवध बिहारी सिंह बताया जाता है । थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि गिरफ्तार स्थाई वारंटीयों को न्यायालय को सुपुर्द किया गया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया गया ।

नीलाम पत्र वारंटियों पर पुलिस की सख्ती,नटवार व दिनारा थाने की बड़ी कार्रवाई

बिक्रमगंज / रोहतास। पुलिस ने नीलाम पत्र वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में लगातार कार्रवाई तेज कर दी है । नटवार थाने की पुलिस ने दो नीलाम पत्र वारंटियों को गिरफ्तार किया । गिरफ्तार अभियुक्तों में असियां गांव निवासी राम अवधेश सिंह शामिल हैं,जिनके विरुद्ध सासाराम नीलाम पदाधिकारी न्यायालय से वारंट निर्गत था । वहीं राजपुर निवासी रामचंद्र तिवारी को भी गिरफ्तार किया गया है,जिन पर बिक्रमगंज नीलाम पदाधिकारी के यहां से वारंट जारी हुआ था ।थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि दोनों को विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों के पास भेज दिया गया है । इसी क्रम में पुलिस ने सेमरा ओपी थाना क्षेत्र के करहंसी मिल्की निवासी जुगाड़ी राम को भी गिरफ्तार किया है । उनके विरुद्ध भी सासाराम कोर्ट से वारंट निर्गत था । उधर दिनारा पुलिस ने भी अभियान चलाकर तीन नीलाम पत्र वारंटियों को दबोच लिया । गिरफ्तार अभियुक्तों में सुंदरवन निवासी महेंद्र चौधरी,बरियारपुर निवासी सत्येंद्र सिंह और अकोढ़ा निवासी रामदयाल चौधरी शामिल हैं । इन तीनों के विरुद्ध बिक्रमगंज नीलाम पदाधिकारी न्यायालय से वारंट निर्गत था । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है । पुलिस का कहना है कि नीलाम पत्र वारंटियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा ।

पुलिस ने तीन लोगों को अलग-अलग मामले में किया गिरफ्तार

» एक वारंटी तो दो शराब सेवन के मामले में किए गये गिरफ्तार

चेनारी (रोहतास) पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत सघन छापेमारी अभियान चलाकर अलग-अलग जगहों से भिन्न भिन्न मामलों में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले मामले में मंगलवार की रात पुलिस ने एक वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है इस

संबंध में थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया की इश्तिहार वारंटी विनोद पासवान पिता बंगाली पासवान ग्राम लोधी थाना चेनारी जिला रोहतास को गिरफ्तार किया गया है उक्त पर माननीय न्यायालय से वारंट निर्गत किया गया था एवं उक्त के विरुद्ध इश्तिहार भी चस्पा दिया गया था। गुप्त सूचना मिलने के अधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उक्त इश्तिहार वारंटी को धर दबोचा। वहीं दूसरे मामले में शराब सेवन कर हो हंगामा करने के आरोप में चेनारी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोइयां ग्राम निवासी स्वर्गीय बद्री साह राम के 50 वर्षीय पुत्र श्री भगवान साह एवं स्वर्गीय मोहन राम के 51 वर्षीय पुत्र विनोद राम को नशे के हालत में गिरफ्तार किया गया है उक्त तीनों के विरूद्ध कागजी कार्रवाई पूरा कर माननीय न्यायालय में पेशी हेतु भेज दिया है। थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने शराब सेवन एवं शराब की बिक्री करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा की थाना क्षेत्र अंतर्गत शराब सेवन, शराब बिक्री, शराब परिवहन एवं शराब कारोबार में संलिप्त रहने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई व सघन तलाशी व छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

मृतक का फर्जी पुत्र बनकर बेच दिया जमीन ,राजस्व महा अभियान में खुला पोल

निज संवाददाता

करगहर (रोहतास) । प्रखंड के अररुआं ग्राम पंचायत के अकोढ़ी गांव में मृतक का फर्जी पुत्र बनकर निजी भूमि बेचने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है । इसका खुलासा तब हुआ जब राजस्व महा अभियान के तहत राजस्व कर्मचारी ने उक्त भूमि का पर्चा रैयत को उपलब्ध कराई । इस संबंध में मृतक के प्रपौत्र बक्सर जिला के राजपुर प्रखंड अंतर्गत हेठुआं निवासी निखिल कुमार ने अंचल कार्यालय में आवेदन पत्र देकर जांच की मांग की है उन्होंने बताया कि उनका ननिहाल अकोढ़ी गांव में है । अकोढ़ी निवासी कृपाल लाल ,रामाधार लाल ,और रामाज्ञा लाल उनके नाना थे । जिसमें कृपाल लाल को एकमात्र संतान उसकी मां सिंगारी देवी थी । दूसरे और तीसरे नाना रामाधार लाल और रामाज्ञा लाल नावल्द थे । फल स्वरुप मौजा अकोढ़ी , खाता संख्या 90 , खेसरा संख्या 162 , रकबा 12 एकड़ 67 डिसमिल भूमि उनकी मां सिंगारी देवी के नाम से जमाबंदी कायम हो गया । उक्त भूमि पर वर्षों से खेती-बाड़ी का कार्य कर रहे हैं । राजस्व महा अभियान के तहत राजस्व कर्मी उन्हें जमाबंदी का जब पर्चा दिया तो उसमें 6 डिसमिल भूमि कम अंकित किया गया था । इसकी जानकारी लेने के लिए अंचल कार्यालय पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि प्रखंड के बसडीहां ग्राम पंचायत के धगुंआं निवासी राम प्रभु लाल मेरे नाना रामाज्ञा लाल का फर्जी पुत्र बन कर 6 डिसमिल भूमि अपनी पत्नी कुसुम देवी से बिक्री करा दी । जो अकोढ़ी निवासी ललन लाल की पत्नी इन्द्रासनी देवी के नाम से क्रय किया गया है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि राम प्रभु लाल का नाम धगुंआ में वोटर लिस्ट में अंकित है । जबकि फर्जी आधार कार्ड अकोढ़ी निवासी स्वर्गीय रामाज्ञा लाल के पुत्र के रुप में है। इस संबंध में अंचलाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि इस मामले का आवेदन पत्र उन्हें प्राप्त हुआ है । जिसमें आरोप लगाया गया है कि मृतक का फर्जी पुत्र बनकर जमीन बिक्री की गई है । जिसके आलोक में विक्रेता और क्रेता को नोटिस जारी किया गया है । मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है । दोषी कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी । कार्रवाई की जाएगी उन्होंने अंचलाधिकार अंचलाधिकारी अजीत कुमार ने आवेदन आने की बात स्वीकार करती हुई कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है तथा विक्रेता को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। जांच में फर्जी पाया गया तो राम प्रभु लाल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जीएनएसयू में फिजियोथेरेपी के आईसीयू इंटरवेंशन पर कार्यशाला संपन्न

निज संवाददाता

सासाराम (रोहतास)। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज़ के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा दो दिवसीय आईसीयू इंटरवेंशन इन फिजियोथेरेपी कार्यशाला का सफल आयोजन आज संपन्न हो गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य गहन चिकित्सा कक्ष में गंभीर मरीजों की देखभाल हेतु उन्नत फिजियोथेरेपी तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. डॉ. नीरज कुमार निदेशक, डॉ. अभिनिश रंजन डीन, डॉ. नरेंद्र कुमार, विभागाध्यक्ष फिजियोथेरेपी और डॉ. विजय पठानिया , आयोजन सचिव की उपस्थिति में हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन से की गई, जिसके बाद शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुए। पहले दिन अतिथि वक्ता डॉ. सुमंता घोष ने विद्यार्थियों को आईसीयू फिजियोथेरेपी से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया। इसमें वेंटिलेटर हैंडलिंग, मरीजों की आईसीयू में उचित पोजिशनिंग, श्वसन संबंधी तकनीकें, एम्बुलेटरी तकनीकें और एविडेंस-बेस्ड असेसमेंट जैसे विषय शामिल रहे। इसके साथ ही छात्रों को आईसीयू में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग भी दी गई। दूसरे दिन, प्रतिभागियों को विभिन्न उन्नत श्वसन तकनीकों, मोबिलाइजेशन और असेसमेंट विधियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद आयोजित समापन समारोह में माननीय कुलपति प्रो. डॉ. एम. के. सिंह, डॉक्टर कुमार आलोक प्रताप परीक्षा नियंत्रक , भूपेन्द्र नारायण सिंह (पीआरओ, जीएनएसयू) डॉ. अभिनिश रंजन डीन, प्रो. (डॉ.) नीरज कुमार डायरेक्टर और डॉ. नरेंद्र कुमार विभागाध्यक्ष फिजियोथेरेपी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए कार्यशाला का समापन डॉ. विजय पठानिया (आयोजन सचिव) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यशाला में स्नातक फिजियोथेरेपी छात्र-छात्राओं, इंटर्न्स और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में आईसीयू फिजियोथेरेपी प्रैक्टिस को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

चुनाव को देखते हुए आज तक 60 लाइसेंस धारियों का सत्यापन किया गया

निज संवाददाता

काराकाट। काराकाट बिहार विधान सभा चुनाव को ध्यान में रख क्षेत्र के शस्त्र लाइसेंसधारियों का शस्त्र सत्यापन की जा रही हैं । शस्त्र सत्यापन का कार्य 12 अगस्त से शुरू हुई, जिसमे आज 20 अगस्त को 15 लाइसेंसधारियों ने सत्यापन कराया। बात दे कि अब तक 60 लाइसेंसधारियों ने सत्यापन करा लिया हैं। काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि बिहार विधान सभा चुनाव में पारदर्शिता को लेकर वरीय अधिकारियों के आदेशानुसार क्षेत्र के सभी लाइसेंसधारी अपने शस्त्र का थाना परिसर में भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य किया गया है, जो 18 अगस्त तक चलने की बताई गई थी। लेकिन इस तय तिथि के बाद भी लाइसेंसधारियों का सत्यापन सुनिश्चित की जा रही हैं। और आगे भी शस्त्र सत्यापन वरीय अधिकारियों के आदेश तक चलेंगे। विधि व्यवस्था संधारण के लिए शस्त्रों का भौतिक सत्यापन करना जरूरी हैं । अगर शस्त्र लाइसेंसधारी शस्त्र के भौतिक सत्यापन में किसी प्रकार की लापरवाही बरतते है तो शस्त्र का लाइसेंस रद्द हो सकता है ।

राजस्व महा- अभियान के तहत कैम्प लगाकर विभिन्न पंचायतों में किया गया पर्ची वितरण

निज संवाददाता

करगहर (रोहतास)। विभिन्न पंचायतों में बुधवार को राजस्व महा- अभियान के तहत लोगों के बीच पर्चा वितरण किया गया। जहां करगहर पंचायत भवन , पंचायत सरकार भवन अररुआ, सामुदायिक भवन कल्याणपुर, बकसड़ा, बभनी, बड़हरी सहित कई अन्य स्थानों पर पर्चा वितरण किया गया। इस आशय कि जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि राजस्व महा- अभियान के तहत छुटे हुए जमाबंदी, दाखिल खारिज, परिमार्जन, बंटवारा, खाता, खेसरा, रकबा सहित कई अन्य भूमि संबंधित समस्या का निष्पादन किया जा रहा है। जिसका राजस्व भूमि सुधार विभाग के द्वारा 16 अगस्त से 20 सितम्बर तक समय निर्धारित किया गया है। वहीं इस दौरान राजस्व कर्मचारी, अंचल निरीक्षक सहित कई अन्य कर्मी भूमि संबंधित कार्यों का कार्य में युद्ध स्तर पर जूटे हुए हैं। जिसमें डिजिटलीकरण छुटे हुए जमाबंदी के त्रुटियों को सुधार करना, छूटे हुए जमाबंदी का ऑनलाइन करना, विरासत एवं बंटवारे का प्रोसेस करना सहित कई कार्य शामिल हैं। जिससे आमजनों की भूमि संबंधित समस्या का त्वरित निष्पादन हो सके। इस भूमि संबंधित कार्य में राजस्व अधिकारी मनीष कुमार गुरूआ, राजस्व कर्मचारी अनिल रंजन दूबे, शशि कुमार पटेल, त्रिलोकी कुमार, नागदेव पासवान, कंचन राम, राजेश पंडित, ऋषिकेश कुमार सहित कई अन्य कर्मियों के द्वारा प्रतिदिन कार्य किया जा रहा है।

भाजयुमो ने किया जिला रोहतास जिला इकाई का किया गठन

निज संवाददाता

बिक्रमगंज। भारतीय जनता युवा मोर्चा रोहतास की जिला इकाई की घोषणा जिला अध्यक्ष रितेश राज ने किया। जिसमें संतोष कुशवाहा, राजेश कुमार, शशि भूषण सिंह, प्रांजल चौबे अभिषेक सिंह, उत्तम सिंह, विवेक कुमार उर्फ सनी गुप्ता, को जिला उपाध्यक्ष। इंद्रजीत सिंह, धनंजय चंद्रवंशी को जिला महामंत्री, अभय प्रजापति, अनुराग सिंह, प्रवीन रावत, रोशन सिंह, सोनू ठाकुर, राजा ठाकुर, अभय कुमार पांडे को जिला मंत्री, उज्जवल श्रीवास्तव, गौतम गुप्ता को कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष, अंबुज तिवारी, शशांक शेखर, सौरभ कुमार, पप्पू गुप्ता, मुन्ना पासवान, रजनीश तिवारी, चुन्नू सिंह, सोनू कसेरा, अंकित कुमार, जितेंद्र केसरी को जिला प्रवक्ता, मायावती कुमारी को युवती प्रमुख, नीतिश गुप्ता, हरीभूषण कुमार, दिवाकर कुमार को सोशल मीडिया प्रभारी एवं सह प्रभारी, शाश्वत उपाध्याय मंटू पासवान विकास कुमार सिंह को मीडिया प्रभारी, मीडिया सह प्रभारी, विकास जायसवाल, रामलाल बिना को कमल क्लब का संयोजक एवं सह संयोजक, यंग प्रोफेशनल सेल के संयोजक राजगीर पांडेय, स्वच्छता एवं रचनात्मक सेल के अमरजीत कुशवाहा, कार्यालय मंत्री विवेक तिवारी, स्टडी सेल अंकित कुमार को दायित्व दिया गया। दायित्व मिलने पर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने बधाई दी है। कहा कि हमें पूर्ण विश्वाश है कि नई गठित टीम के कार्यकर्ता रोहतास भाजपा को और सशक्त और मजबूत बनाने में अपने कर्तव्यों को निर्वाहन करेंगे।आगामी विधानसभा चुनाव में हम रोहतास जिला के 7 विधानसभा सीट जीतने का काम करेंगे। बधाई देने वालो में विधान पार्षद निवेदिता सिंह, प्रदेश महामंत्री शिवेश राम, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, प्रदेश मंत्री त्रिविक्रम नारायण सिंह, अजय यादव, विधायक मुरारी प्रसाद गौतम, पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद, पूर्व विधायक ललन पासवान, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, पूर्व विधायक रामेश्वर चौरसिया, पूर्व विधायक सतनारायण यादव, जिला प्रभारी हिमांशु चतुर्वेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद सिंह, भोला सिंह, सुशील कुमार ने बधाई दी।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का मनाई गई 81वीं जयंती

निज संवाददाता

सासाराम रोहतास। आज दिनांक 20 अगस्त 2025 देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी 81वीं जयंती पर रोहतास जिला कांग्रेस कमिटी इंदिरा गांधी आश्रम सासाराम याद किया गया । रोहतास जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमरेंद्र पांडेय ने कहा कि क्रांतिकारी और दूरदर्शी नीतियों से आधुनिक भारत के निर्माण में राजीव गांधी जी का योगदान हमेशा याद किया जाएगा । कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिला कमेटी के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडेय ने किया । इस मौके पर राजेश्वर कुशवाहा, डॉक्टर कामेश्वर तिवारी , अली हुसैन,ग्राम अवतार राय ,दीपक शुक्ला, रोहित पासवान ,जी . म. अंसारी ,धनंजय सिंह ,रवि यादव, मोहम्मद इरफान अहमद ,सत्येंद्र दुबे, जयप्रकाश पांडेय, दीपक कुशवाहा, द्वारकाधीश दुबे ,विनोद कुमार दुबे, सुदामा राम, मनोरंजन कुमार, ज्ञानचंद ओझा इत्यादि लोग शामिल हुए।

जन सुराज पार्टी की बिहार बदलाव सभा में उमड़ा जनसैलाब

निज संवाददाता

डेहरी(डालमियानगर)।

डालमियानगर रतु बिगहा में जन सुराज पार्टी से डेहरी विधानसभा की संभावित प्रत्याशी प्रियंका सिंह के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी की मौजूदगी में बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया गया। सभा में सैकड़ों ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों की भागीदारी रही। सभा को संबोधित करते हुए डेहरी विधानसभा प्रभारी श्रीकांत तिवारी ने कहा कि जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के पांच मूल मंत्रों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिहार में पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, युवाओं को रोजगार और महिलाओं को चार प्रतिशत ब्याज पर पांच लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा साथ ही किसानों को मनरेगा से जोड़ा जाएगा और इस बार अपने बच्चों के शिक्षा एवं रोजगार के लिए जाति धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर मतदान करें।जैसे दो हजार रुपये मासिक पेंशन भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पारिवारिक लाभ कार्ड योजना के तहत हर परिवार को लाभ दिलाने की दिशा में तैयारी चल रही है, जिसका सीधा फायदा सरकार बनने के बाद मिलेगा। संभावित प्रत्याशी प्रियंका सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं डेहरी विधानसभा क्षेत्र के अकोढी गोला स्थित बाघाखोह की बहु हूं,आप सभी माताएं बहने आज से यह संकल्प ले कि इस बार हम जन सुराज का चुनाव चिन्ह स्कूल के बस्ता छाप पर अपना बहुमूल्य मत देकर पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर जी के हाथों को मजबूत करने का कार्य करेंगे। जनसुराज का मुख्य मुद्दा ही बिहार से पलायन रोकना है।सभा में प्रियंका सिंह ने जन सुराज परिवार लाभ कार्ड की जानकारी दी और कहा कि बिहार से गरीबी मिटाने और डेहरी विधानसभा समेत पूरे प्रदेश के विकास का एकमात्र विकल्प जन सुराज पार्टी है।इस अवसर पर मंच पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं विधानसभा प्रभारी श्रीकांत तिवारी, जिला उपाध्यक्ष विजय शंकर तिवारी, जिला संगठन मुख्य प्रवक्ता संतोष सिंह, जिला संगठन महिला अध्यक्ष रत्ना सिंहा, जिला संगठन अभियान समिति संयोजक एवं नगर अध्यक्ष आर.के. सिंह, सासाराम नगर महिला अध्यक्ष कंचन कुमारी तथा समाजसेवी हरिराम उपस्थित रहे।

नारायण वर्ल्ड स्कूल के अंशु का सीबीएसई राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में चयन

निज संवाददाता

सासाराम । रोहतास : नारायण वर्ल्ड स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र अंशु कुमार का चयन सीबीएसई राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए किया गया है अब यह छात्र अगली बार होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेगा। मंगलवार 19 अगस्त की संध्या को प्राप्त इस समाचार ने विद्यालय परिवार को गर्व से भर दिया जब कक्षा 10वीं के छात्र अंशु के चुने जाने की खबर आई। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के न्यू एंजल्स सीनीयर सेकेंड्री स्कूल में आयोजित सीबीआई पूर्वी जोन क्लस्टर खेलों की अंडर - 17 की (70-75 किलो) वजन क्षमता वाले बॉक्सिंग प्रतियोगिता में नारायण वर्ल्ड स्कूल के इस उभरते सितारे ने 480 खिलाड़ियों के विरुद्ध अपने मुक्केबाजी के कौशल को प्रदर्शित कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की है। इस प्रतियोगिता के लिए अंशु ने भारतीय खेल प्राधिकरण के हिमाचल प्रदेश बॉक्सिंग यूनिट में लगभग एक माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया कि अंशु विद्यालय के शुरुआती दिनों से ही खेल भावना से अत्यंत प्रभावित रहा है और बॉक्सिंग को ही वह अपना करियर बनाना चाहता है। अंशु 42 बिहार बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर सासाराम के अधीन कैडेट के तौर पर भी अपना प्रशिक्षण जारी रखे हुए है। अंशु मानते हैं कि नारायण वर्ल्ड स्कूल और राष्ट्रीय कैडेट कोर ने उसे एक आदर्श खिलाड़ी बनने में पूरा सहयोग और सामर्थ्य प्रदान किया है। अंशु को 42 बिहार बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर सासाराम के कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल धर्मेंद्र सिंह मलिक ने भी शुभकामनाएं दी और यह निर्देशित किया की अंशु को बटालियन की ओर से तीन हजार रुपए की खेल प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाए। अपनी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार को आभार व्यक्त करते हुए अंशु ने अपने माता - पिता और विद्यालय की निदेशक डॉ मोनिका सिंह से प्राप्त विशेष अनुराग को भी इंगित किया और यह स्पष्ट किया कि खिलाड़ी के लिए उसके समाज का सहयोग अति महत्वपूर्ण है।

भागलपुर में बॉयफ्रेंड ने छात्रा पर चाकू से हमला किया

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में बुधवार को अफेयर में छात्र ने छात्रा पर चाकू से हमला कर दिया। छात्रा के हाथ पर 3 जगह चाकू के हमले के निशान हैं। पेट में भी चाकू मारा गया है। आरोपी ने इस तरह से हमले किए हैं कि लड़की के हाथ का मांस 3 जगहों से 2 से 3 इंच तक निकल गया है। लड़का और लड़की दोनों नाबालिग हैं। 10वीं के स्टूडेंट हैं। दोनों एक ही कोचिंग में पढ़ते हैं। सुबह साढ़े 8 बजे लड़की रोज की तरह कोचिंग पढ़ने पहुंची थी। आरोपी छात्र भी उसी वक्त कोचिंग पहुंचा। दोनों कोचिंग सेंटर से 50 मीटर दूर माछीपुर चौक आए। पहले दोनों के बीच नॉर्मल बातें हुईं फिर कहासुनी शुरू हो गई। लड़के ने मुर्गा काटने वाला चाकू निकाला और लड़की पर हमला करना शुरू कर दिया। उसने ताबड़तोड़ 3 से 4 बार उस पर हमला किया। इस दौरान चौक पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने आरोपी को

पकड़ा और उसे पीटने लगे। इस दौरान कुछ पत्रकार भी मौके पर पहुंचे। वो वीडियो बना रहे थे। भीड़ ने पत्रकारों पर भी हमला कर दिया। पुलिस बचाने आई तो उसके साथ भी धक्का-मुक्की की गई। दोनों की हालत गंभीर बनी है। लड़का और लड़की नाबालिग हैं। 10वीं क्लास में पढ़ते हैं। आरोपी ने बताया कि 4 साल से अफेयर के बाद लड़की ने बात करना बंद कर दिया था, इसलिए उसने वारदात को अंजाम दिया। घटना लोदीपुर थाना क्षेत्र के माछीपुर की है। **लड़का बोला- 4 साल से हमारा अफेयर था:** लड़के ने बताया, 'हम दोनों 4 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हम एक-दूसरे से प्यार करते थे। कुछ दिनों से उसने मुझसे बात करना बंद कर दिया। वो कहती थी कि अब मैं तुमसे ना मिलना चाहती हूं और ना ही बात करना चाहती हूं। मैं आज उससे बात करना चाहता था। उसे समझा रहा था, लेकिन वो कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थी। मैं उससे प्यार करता था, लेकिन उसको मुझे छोड़ना नहीं चाहिए था। उसका दूसरे लड़के से अफेयर नहीं था। **पुलिस के साथ भी हुई धक्का-मुक्की:** छात्रा पर हमले की जानकारी के बाद लोदीपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी छात्र को हिरासत में लेकर एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीच बचाव करने पहुंची पुलिस के साथ भी धक्का मुक्की हुई है। पुलिस की वर्दी भी फाड़ी गई है। लड़का और लड़की दोनों 10वीं के स्टूडेंट हैं। सूचना के बाद DSP विधि व्यवस्था नवजीत कुमार अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद लोगों को समझाकर मामले को शांत करवाया।

मालदा मंडल में सतर्कता जागरूकता अभियान का शुभारंभ

भागलपुर। सतर्कता जागरूकता अभियान की प्रस्तावना के रूप में पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने तीन महीने का सतर्कता जागरूकता अभियान शुरू किया है। मंडल रेल प्रबंधक मालदा मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में यह अभियान सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर रेलवे कर्मचारियों और जनता के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसको लेकर भागलपुर रेलवे स्टेशन पर एक कर्मचारी शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जहाँ कर्मचारियों को अपनी शिकायतों के तत्काल निवारण हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस पहल का उद्देश्य प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच विश्वास को मजबूत करना था। मालदा मंडल इस अभियान के दौरान जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण, सेमिनार, पोस्टर, बैनर और कर्मचारियों और आम जनता दोनों को दैनिक जीवन में सतर्कता के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित कर रहा है। उल्लेखनीय है कि मालदा मंडल अपने कार्यों में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने और सहभागी सतर्कता के माध्यम से भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस ने पति को न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

अररिया। नरपतगंज प्रखंड के फुलकाहा थाना क्षेत्र में एक दिन पहले पत्नी पर तेज धारदार कचिया से प्रहार और गर्दन मरोड़कर हत्या कर दिए जाने के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार पति दुलेचन ऋषिदेव को बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। फुलकाहा थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष गुलशन कुमार ने मामले में कांड दर्ज करने के बाद गिरफ्तार दुलेचन ऋषिदेव को जेल भेज देने की जानकारी दी। उल्लेखनीय हो कि सोमवार को फुल्काहा थाना क्षेत्र के भंगही में शराब के नशे में धुत्त दुलेचन ऋषिदेव ने आपसी विवाद में अपनी पत्नी राजकुमारी देवी पर धारदार कचिया से प्रहार कर लहूलुहान करने के बाद गर्दन को मरोड़कर हत्या कर दी थी।इलाज के क्रम में राजकुमारी देवी की सदर अस्पताल में मौत हो गई थी। मृतका राजकुमारी देवी के परिजनों ने उनके पति पर नशे की हालत में तेज धारदार कचिया से प्रहार करने और गर्दन मरोड़कर हत्या कर देने का आरोप लगाया था।जिसके बाद पुलिस ने आरोपित दुलेचन ऋषिदेव को हिरासत में ले लिया था।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक: 19.08.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंज़िल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्र. सं.:** 1। **निविदा संख्या: टीएन-88-25-26। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बारुईपुर के अधिकार क्षेत्र में एसएसई/पी.वे/सोनारपुर के अधीन बालीगंज (छोड़कर) से बारुईपुर (छोड़कर) तथा सोनारपुर से कैनिंग अप एवं डाउन लाइन खंड पर विभिन्न ट्रैक रखरखाव कार्य सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,04,69,094.05। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,02,400। **क्र.सं.:** 2। **निविदा संख्या: टीएन-91-25-26। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बारासात के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ सेक्शन अभियंता/पी.वे/बारासात के अधीन दमदम कैंटोनमेंट-बारासात-हसनाबाद खंड पर विभिन्न ट्रैक रखरखाव कार्य सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,11,61,161.62। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,05,800। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना (क्र.सं. 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 12.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे (क्र. सं. 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा दस्तावेज एवं विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिए गए हैं। बोलियां उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के जरिये जमा करनी होंगी। मैनुअल प्रस्ताव सीधे रद्द कर दिए जायेंगे। अनुबंध 2022 की भारतीय रेल मानक सामान्य शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की कीमत शून्य है। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: **12.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** (क्र. सं. 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)।

(SDAH-169/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/** **www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: एसजी.टेंडर/जीएसयू/एस एंड टी/एचडब्ल्यूएच/01, दिनांक: 19.08.2025। उप मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति इकाई/संकेत एवं दूरसंचार, पूर्व रेलवे, सियालदह, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा संख्या: डीसीपीएम-एसएनटी-आरएसपी-एचडब्ल्यूएच-टीएसएम-01-25-26। कार्य का नाम सहित उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में झील साइडिंग कोचिंग डिपो पर ट्रेन सेट रखरखाव सुविधा की स्थापना के सम्बन्ध में संकेत एवं दूरसंचार कार्य। **निविदा मूल्य:** रु.1,00,35,151.81। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **जमा की जानेवाली बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 2,00,200। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 06 महीना। **निविदा जमा शुरू होने की तारीख:** 28.08.2025। **निविदा जमा बंद होने की तारीख :** 11.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक। **निविदा बोली खुलने की तारीख:** 11.09.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। विवरण जहाँ उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in**। **तकनीकी पात्रता की शर्तें:** निविदादाता को जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गई है उसके ठीक पहले वाले महीने के अंतिम दिन को समाप्त विगत 07 (सात) वर्षों के दौरान कार्य (र्यो) की निम्नलिखित श्रेणियों में से कोई भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया हुआ होना अथवा काफी हद तक पूरा किया हुआ होना चाहिए : (i) समरूप प्रकृति के तीन कार्य, जिसमें से प्रत्येक की कीमत निविदा के विज्ञापित मूल्य के कम से कम 30% की राशि के समान हो अथवा (ii) समरूप प्रकृति के दो कार्य, जिसमें से प्रत्येक की कीमत निविदा के विज्ञापित मूल्य के कम से कम 40% की राशि के समान हो अथवा (iii) समरूप प्रकृति का एक कार्य, जिसकी कीमत निविदा के विज्ञापित मूल्य के कम से कम 60% की राशि के समान हो। **वित्तीय पात्रता की शर्तें:** निविदादाता के पास वी/एन अथवा 'वी', जो भी कम हो, का न्यूनतम औसतन वार्षिक ठेकागत कारोबार अवश्य होना चाहिए; जहाँ वी = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन = कार्य संपादन हेतु निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकागत कारोबार की गणना लेखा-परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार विगत तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकागत भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, पिछले वर्ष का तुलन पत्र अभी तक तैयार/लेखा-परीक्षित ना होने के मामले में, औसत वार्षिक ठेकागत कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा-परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जायेगा। निविदादाता को लेखा-परीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथोचित समर्थित सनदी लेखापाल से प्राप्त प्रमाणपत्र/सनदी लेखापाल द्वारा यथोचित प्र माणित ले खा-परीक्षित तुलन पत्र की प्रतियों के साथ जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इंस्टेंट निविदा दस्तावेज की प्रपत्र-6) के अनुसार आवश्यक जानकारियां अवश्य जमा करनी होंगी। **जमा किये जाने वाले अन्य दस्तावेज:** निविदा दस्तावेज में उल्लिखित अनुसार। **समरूप प्रकृति का कार्य:** संकेत की ट्रेन्चिंग, बिछाना एवं जांच सम्मिलित कोई भी संकेत या दूरसंचार कार्य या कोई भी अन्य विविध आउटडोर एस एंड टी कार्य। **द्रष्टव्य:** निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में उल्लिखित अनुसार पात्रता की शर्तों को पूरा करने के उनके/उसके दावे के समर्थन में दस्तावेज अवश्य जमा करना होगा। निविदादाता द्वारा जमा किये जाने वाले अनुशंसा पत्र के समर्थन में दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की प्रतियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता या निविदा देने वाली फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-अभिप्रमाणन/डिजीटल रूप से हस्ताक्षर अवश्य होने चाहिए। स्व-सत्यापन में शामिल हैं हस्ताक्षर, मुहर एवं तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर)।

(SDAH-175/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 13RI / 2024–25/EE/RWD/DALTONGANJ

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से पथों का निविदा आमंत्रित की जाती है ।

दिनांक–19.08.2025

1. कार्य का नाम :

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
			अंक में	अक्षर में		
1	EE/RWD/ DALTONGANJ /60/2024-25	पंचायत पंसा, ग्राम–पंसा महावीर मंदिर से कोयल नदी तक पथ निर्माण कार्य। 1.60कि0मी0	163.455	एक करोड़ तिरसठ लाख पैतालीस हजार पांच सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय
2	EE/RWD/ DALTONGANJ /61/2024-25	मंझौली मेन रोड से बरवाडीह हरिजन टोला तक पथ निर्माण कार्य। 1.10कि0मी0	132.160	एक करोड़ बत्तीस लाख सोलह हजार रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय
3	EE/RWD/ DALTONGANJ /62/2024-25	पंचायत महुवरी नवीनगर मुख्य पथ से ग्राम बसारी पी0डब्लू0डी0 पथ तक पथ निर्माण कार्य। 1.975कि0मी0	222.183	दो करोड़ बाईस लाख अठ्ारह हजार तीन सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय
4	EE/RWD/ DALTONGANJ /63/2024-25	हैदरनगर देवीधाम शिव मंदिर से ग्राम जमुआ खूर्द होते हुए रतनबीघा शिव सिंह के घर तक पथ निर्माण कार्य। 1.50कि0मी0	184.407	एक करोड़ चौरासी लाख चालीस हजार सात सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 25.08.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 08.09.2025 up to 5.00 PM
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 10.09.2025 पूर्वाह्न 3.30 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज ।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –06562357595

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज

PR 359900 (District)25-26*D

मालदा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों की समयसूची में संशोधन

53481/53484/53483/53486 **तीनपहाड़–राजमहल–तीनपहाड़ पैसेंजर** और 63401 **साहिबगंज – मालदा टाउन एमईएमयू पैसेंजर** की समयसूची मालदा मंडल के तहत कुछ स्टेशनों पर **दिनांक** 25.08.2025 से निम्नानुसार संशोधित की जाएगी:

ट्रेन नं. और नाम	स्टेशनों के नाम	संशोधित समयसूची	
		आ.	प्र.
53481 तीनपहाड़–राजमहल पैसेंजर	तीनपहाड़	–	03.25
	मुरली हाल्ट	03.32	03.33
	राजमहल	03.55	–
53484 राजमहल–तीनपहाड़ पैसेंजर	राजमहल	–	04.15
	मुरली हाल्ट	04.26	04.27
	तीनपहाड़	04.45	–
53483 तीनपहाड़–राजमहल पैसेंजर	तीनपहाड़	–	05.05
	मुरली हाल्ट	05.12	05.13
	राजमहल	05.35	–
53486 राजमहल–तीनपहाड़ पैसेंजर	राजमहल	–	05.55
	मुरली हाल्ट	06.06	06.07
	तीनपहाड़	06.25	–
63401 साहिबगंज–मालदा टाउन एमईएमयू पैसेंजर	तीनपहाड़	06.31	06.36
	धमधमिया	06.42	06.43
	बाकुडी	06.47	06.48
	बड़हरवा	07.20	07.22

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज

अल्पकालीन पुर्न ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 05 RIV / 2024–25/EE/RWD/DALTONGANJ

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से पथों का निविदा आमंत्रित की जाती है ।

दिनांक–19.08.2025

1. कार्य का नाम :

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
			अंक में	अक्षर में		
1	EE/RWD/ DALTONGANJ /11/2024-25	पंचायत पंसा के बरडीहा हरिजन टोला से बजरंगबली डोमा बाबा मंदिर तक पथ निमार्ण। 1.60कि0मी0	177.111	एक करोड़ सत्हतर लाख ग्यारह हजार एक सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय
2	EE/RWD/ DALTONGANJ /12/2024-25	सडेया से चन्द्रपुर स्कूल तक पथ निर्माण कार्य। 1.20कि0मी0	134.413	एक करोड़ चौतींस लाख एक्कतालीस हजार तीन सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय
3	EE/RWD/ DALTONGANJ /13/2024-25	मंगलडीह कोनापर से महादेव शर्मा के घर तक पथ निर्माण कार्य। 1.40कि0मी0	138.006	एक करोड़ अड़तीस लाख छः सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय
4	EE/RWD/ DALTONGANJ /14/2024-25	पंचायत पोलडीह ग्राम–बहेरा भोला मोड़ से कुंदन मोड़ तक पथ निर्माण कार्य। 1.35कि0मी0	182.046	एक करोड़ बेरासी लाख चार हजार छः सौ रू0 मात्र	09 माह	द्वितीय

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 25.08.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 08.09.2025 up to 5.00 PM
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 10.09.2025 पूर्वाह्न 3.30 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज ।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –06562357595

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।

PR 359902 (District) 25-26 (D)

पूजा स्पेशल ट्रेनें

आगामी **पूजा, दिवाली** एवं **छठ** के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **हावड़ा एवं खातीपुरा, कोलकाता एवं वडोदरा** तथा **मालदा टाउन एवं उधना** के बीच **स्पेशल ट्रेनें** नीचे उल्लेखित संक्षिप्त समय-सारणी, ठहराव, यात्रा के दिन एवं गठन के अनुसार चलाई जाएंगी :-

03007/03008 हावड़ा-खातीपुरा-हावड़ा पूजा स्पेशल ट्रेनें (साप्ताहिक)

हावड़ा-खातीपुरा			(03007)(03008)	खातीपुरा-हावड़ा		
यात्रा के दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	यात्रा के दिन
रविवार	-	23.00	↓ हावड़ा	16.50	-	
सोमवार	02.28	02.33	आसनसोल	12.30	12.40	बुधवार
	04.33	04.35	जसीडीह	10.36	10.38	
	09.05	09.10	गया	06.20	06.25	
मंगलवार	03.30	-	खातीपुरा ↑	-	07.35	मंगलवार

उपरोक्त स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बैण्डेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल जंक्शन, शेखपुरा, नवादा, तिलैया, सासाराम, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सुबेदारगंज, गोविन्दपुरी, इटावा जंक्शन, फतेहाबाद, शमशाबाद टाउन, आगरा कैण्ट. जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, बांदीकुई जंक्शन एवं दौसा स्टेशनों में भी ठहरेंगी। **यात्रा की तारीख/दिन: हावड़ा से - 03007** दिनांक 28/09, 05/10, 12/10, 19/10, 26/10 एवं 02.11.2025 (रविवार) = 06 ट्रिप। **खातीपुरा से - 03008** दिनांक 30/09, 07/10, 14/10, 21/10, 28/10 एवं 04.11.2025 (मंगलवार) = 06 ट्रिप। **गठन :** वातानुकूलित 3-टीयर-04, शयनयान श्रेणी-10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)-06, एसएलआरडी-02 = 22 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

03109/03110 कोलकाता-वडोदरा-कोलकाता पूजा स्पेशल ट्रेनें (साप्ताहिक)

कोलकाता-वडोदरा			(03109)(03110)	वडोदरा-कोलकाता		
यात्रा के दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	यात्रा के दिन
मंगलवार	-	08.00	↓ कोलकाता	04.05	-	शनिवार
	11.12	11.17	आसनसोल	00.30	00.35	
	12.49	12.51	जसीडीह	22.38	22.40	शुक्रवार
	17.45	17.50	गया	16.35	16.40	
बुधवार	19.45	-	वडोदरा ↑	-	16.45	गुरुवार

उपरोक्त स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, किऊल जंक्शन, शेखपुरा, नवादा, तिलैया, सासाराम, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, गोविन्दपुरी, टूण्डला जंक्शन, ईदगाह जंक्शन, गंगापुर सिटी, कोटा जंक्शन, रतलाम जंक्शन एवं गोधरा जंक्शन स्टेशनों में भी ठहरेंगी। **यात्रा की तारीख/दिन: कोलकाता से - 03109** दिनांक 30/09, 07/10, 14/10, 21/10, 28/10, 04/11, 11/11, 18/11 एवं 25.11.2025 (मंगलवार) = 09 ट्रिप। **वडोदरा से - 03110** दिनांक 02/10, 09/10, 16/10, 23/10, 30/10, 06/11, 13/11, 20/11 एवं 27.11.2025 (गुरुवार) = 09 ट्रिप। **गठन :** वातानुकूलित 3-टीयर-04, शयनयान श्रेणी-10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)-06, एसएलआरडी-02 = 22 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

03417/03418 मालदा टाउन-उधना-मालदा टाउन पूजा स्पेशल ट्रेनें (साप्ताहिक)

मालदा टाउन-उधना			(03417)(03418)	उधना-मालदा टाउन		
यात्रा के दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	यात्रा के दिन
शनिवार	-	12.20	↓ मालदा टाउन	02.55	-	बुधवार
	15.35	15.45	भागलपुर	22.25	22.35	मंगलवार
	16.42	16.47	जमालपुर जं.	21.02	21.07	
रविवार	18.55	19.00	भुसावल जं.	18.50	18.55	सोमवार
सोमवार	00.45	-	उधना ↑	-	12.30	

उपरोक्त स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में न्यू फरक्का जंक्शन, बड़हरवा जंक्शन, साहिबगंज जंक्शन, कहलगाँव, सुल्तानगंज, अभयपुर, किऊल जंक्शन, शेखपुरा, नवादा, तिलैया, गया, सासाराम, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जंक्शन, सतना, कटनी, मदन महल, पिपरिया, इटारसी जंक्शन, अमलनेर, दोंडाईचा, नंदुरबार, नवापुर, व्यारा एवं चलथान स्टेशनों में भी ठहरेंगी। **यात्रा की तारीख/दिन: मालदा टाउन से - 03417** दिनांक 27/09, 04/10, 11/10, 18/10, 25/10, 01/11 एवं 08.11.2025 (शनिवार) = 07 ट्रिप। **उधना से - 03418** दिनांक 29/09, 06/10, 13/10, 20/10, 27/10, 03/11 एवं 10.11.2025 (सोमवार) = 07 ट्रिप। **गठन :** शयनयान श्रेणी-10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)-10 एवं एसएलआरडी-02 = 22 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्वोत्तर रेलवे के तहत नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

गोरखपुर–गोंडा शाखा में गोरखपुर–डोमिनगढ़ स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन को चालू करने और गोरखपुर–आनंद नगर शाखा में गोरखपुर–नकहा जंगल स्टेशनों के बीच दोहरीकरण के लिए सीआरएस निरीक्षण (दिनांक 26.09.2025 को) के साथ प्री नॉन–इंटरलॉकिंग (दिनांक 22.09.2025 को), नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य (दिनांक 23.09.2025 से 26.09.2025 तक) के कारण निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा: • **रद्द: 15027** सम्बलपुर–गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 26.09 से 29.09.2025), **15028** गोरखपुर–सम्बलपुर मौर्य एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 23.09 से 27.09.2025), **15089** गोड्डा–गोमतीनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 27.09.2025) और **15090** गोमतीनगर–गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 26.09.2025)। • **मार्ग परिवर्तन: 13019** हावड़ा–काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 22.09 से 26.09.2025) भटनी जंक्शन–गोरखपुर–गोंडा–बाराबंकी जंक्शन स्टेशनों के बदले भटनी जंक्शन–मऊ जंक्शन– वाराणसी सिटी – वाराणसी जंक्शन –अयोध्या कैंट. –बाराबंकी जंक्शन स्टेशन होकर मार्ग परिवर्तिति करेगी और **13020** काठगोदाम–हावड़ा बाघ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 22.09 से 26.09.2025) बाराबंकी जंक्शन–गोंडा–गोरखपुर–देवरिया सदर–भटनी जंक्शन स्टेशनों के बदले बाराबंकी जंक्शन –अयोध्या कैंट. –वाराणसी जंक्शन–मऊ जंक्शन–भटनी जंक्शन स्टेशन होकर मार्ग परिवर्तिति करेगी। उपर्युक्त दोनों ट्रेनें मार्ग में दोनों दिशाओं में देवरिया सदर, चौरी चौरा, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर और गोंडा स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। • **संक्षिप्त यात्रा समाप्त: 15027** सम्बलपुर–गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 22.09 से 25.09.2025) और **15047** कोलकाता–गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस सीवान होकर (यात्रा शुरू दिनांक 22.09 और 23.09.2025) देवरिया सदर और गोरखपुर के बीच सेवा रद्द करते हुए देवरिया सदर स्टेशन पर संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। • **पुनर्निर्धारण: 13020** काठगोदाम–हावड़ा बाघ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 21.09.2025) काठगोदाम से 90 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। **15048** गोरखपुर–कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस सीवान होकर (यात्रा शुरू दिनांक 22.09.2025) गोरखपुर से 15 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

झारखण्ड, सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग), जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा

–: "मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना" के चयनित लाभुकों के लिए आम सूचना:–

वित्तीय वर्ष 2024–25 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा द्वारा संचालित दो, पाँच एवं दस दुधारू गाय/भैंस की योजना के तहत् वैसे सभी लाभार्थी, जिनके द्वारा प्रथम चरण में दुधारू गाय/भैंस का क्रय कर लिया गया है, उन्हें यह निर्देश दिया जाता है कि द्वितीय चरण अनुदान राशि की दावेदारी सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित कार्रवाई करें:–

1. चयनित लाभार्थी द्वारा प्रथम चरण में क्रय की गई दुधारू गाय का वर्तमान जियोटैग फोटो।
2. योजनानुसार लाभुक अंशदान की राशि अपने बैंक खाते में जमा करें।
3. अद्यतन बैंक पासबुक की छाया प्रति अथवा लाभुक अंशदान की जमा रसीद की प्रति

उपरोक्त सभी दस्तावेज प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा में यथाशीघ्र जमा करना सुनिश्चित करेंगे। जिसके पश्चात् द्वितीय चरण की सरकारी अनुदान राशि लाभार्थी के बैंक खाते में DBT के माध्यम से हस्तान्तरित करने की कार्रवाई की जाएगी।

चयनित लाभुकों द्वारा उपरोक्त निर्धारित तिथि तक लाभुक अंशदान राशि एवं प्रथम चरण की गाय का फोटो कार्यालय में ससमय जमा नहीं करने पर आपकी अनिच्छा को समझा जाएगा जिसके कारण आपकी द्वितीय चरण की दावेदारी स्वतः रद्द समझी जायेगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे।

द्वितीय चरण में लाभुक अंशदान राशि की विवरणी निम्नवत्त् है :–

क0सं0	योजना का नाम	अनुदान प्रतिशत	द्वितीय चरण लाभुक अंशदान की राशि (रू0)
1	दो गाय/भैंस की योजना	75 प्रतिशत	16,725/-
		90 प्रतिशत	6,690/-
2	पाँच गाय/भैंस की योजना	50 प्रतिशत	66900/-
		75 प्रतिशत	33450/-
3	दस गाय/भैंस की योजना	50 प्रतिशत	167250/-
		75 प्रतिशत	83625/-

PR 359933 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(25-26).D

निवेदक
जिला गव्य विकास पदाधिकारी,गढ़वा

संक्षिप्त समाचार

वंशावली के लिए ग्राम कचहरी के सरपंच व पंचायत सचिव से बनी सूची ही होगी मान्य

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर प्रखंड में राजस्व महाअभियान 2025 की सफलता सुनिश्चित करने को लेकर मंगलवार को राजस्व विभाग के तत्वावधान में सभी त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रखंड सभागार भवन में बैठक हुई। राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह ने बताया कि 20 अगस्त से कोईलवर अंचल के सभी 17 पंचायतों व नगर पंचायत में राजस्व से जुड़े मामलों के निष्पादन के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में रैयतधारियों से आवेदन लेकर जमाबंदी सुधार, नामांतरण, बंटवारा व छुटी हुई जमाबंदियों का ऑनलाइन कार्य किया जाएगा। अंचलाधिकारी प्रियंका कुमारी ने कहा कि इस अभियान के सफल होने पर भूमि विवाद से जुड़े 70 प्रतिशत से अधिक मामलों में कमी आएगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आग्रह किया। बताया गया कि यह अभियान 16 अगस्त से शुरू हुआ है और 20 सितंबर 2025 तक चलेगा। इसके बाद प्राप्त आवेदनों का निष्पादन किया जाएगा। शिविरों में तकनीकी सहायक, लेखपाल, अंचल अमीन और आईटी सहायक मौजूद रहेंगे। राजस्व अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि मात्र तीन दिनों में कोईलवर अंचल में लगभग 15 हजार से अधिक जमाबंदी की प्रतियां वितरित की गई हैं, जो जिले में प्रथम स्थान है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान लोगों की सुविधा के लिए अंचल कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंटवारा केवल शेड्यूल-1 के तहत ही मान्य होगा, जो 2011 के बंटवारा अधिनियम के अंतर्गत आता है। बताया गया कि वंशावली के लिए ग्राम कचहरी के सरपंच और पंचायत सचिव द्वारा बनाई गई सूची ही मान्य होगी। इस अभियान की सफलता के लिए हल्का-वार राजस्व कर्मचारियों की भी नियुक्ति की गई है। इनमें जब्बार अंसारी को गीधा, सकड्डी, जलपुरा, राकेश कुमार को धंडीहा, राजापुर, हरिशंकर कुमार नरबीरपुर, दौलतपुर, भदवर, सिमसिम कुमारी चंदा, नगर पंचायत कोईलवर सुप्रसान्त नारायण खनगांव, खेसरहिया, कायमनगर, संतोष कुमार गोपालपुर, जोगता शामिल हैं। राजस्व कर्मचारी संतोष सिंह ने बताया कि अंचल स्तर पर सर्वाधिक जमाबंदी वितरण में गोपालपुर हल्का प्रथम स्थान पर है। प्रखंड प्रमुख मनोज कुमार सिंह ने बैठक में कहा कि इस अभियान को सफल बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि सभी प्रतिनिधि मिलकर काम करें तो कोईलवर अंचल राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है। बैठक में उप प्रमुख राजपाल सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत कुमार, मुखिया धीरेंद्र कुमार सिंह, भूपेंद्र कुमार सिंह, बबलू गोंड़ सहित कई जनप्रतिनिधि व सभी राजस्व कर्मचारी सहित अंचल के कई कर्मी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान सीओ प्रियंका कुमारी व राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह ने किया।

ट्रेन में वसूली रोकने पर आरपीएफ जवान को किन्नर ने दांत से काट किया जख्मी

आरा। दानापुर-दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड पर सोमवार मंगलवार की रात पटना-पुणे ट्रेन में यात्रियों से जबरन पैसा वसूलने की शिकायत मिलने पर जांच के लिए पहुंचे आरपीएफ के जवान को किन्नर ज्योति ने दांत से काट कर जख्मी कर दिया। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री को भी सूई चुभा कर जख्मी कर दिया। घटना के बाद आरपीएफ के अन्य जवानों ने किन्नर ज्योति कुमारी को गिरफ्तार कर आरा लाई। मंगलवार को सदर अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद आरपीएफ ने जीआरपी थाना में जख्मी आरपीएफ जवान और यात्री के आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार किन्नर ज्योति, पिता संतोष कुमार मूल रूप से शाहपुर थाना क्षेत्र के देवकुली गांव के निवासी है। वह वर्तमान में पटना जिले के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर सब्जी मंडी में किराए के घर में रहती है। ज्योति किन्नर 5 भाई में छोटी है। ज्योति किन्नर पटना में रहकर आसपास के इलाकों में डांस करती है। आरपीएफ के इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की रात पटना-पुणे ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की टीम गश्त कर रही थी। उसी क्रम में दानापुर और कोईलवर के बीच एक यात्री के संजय साहनी, जो मुजफ्फरपुर के मधुबन का रहने वाला है ने फोन पर सूचना दिया कि ट्रेन में किन्नर द्वारा जबरन पैसा मांगा जा रहा है। यात्रियों को सोई चुभाकर जख्मी भी किया गया है।सूचना मिलने के बाद जब आरपीएफ ने उक्त बोगी में पहुंची। तब किन्नर ज्योति ने दानापुर के आरपीएफ के जवान विवेक कुमार के दाहिने बांह पर दांत से काट लिया। यात्री संजय साहनी को हाथ में कई जगह सुई चुभाकर जख्मी कर दिया। जिसके बाद आरपीएफ की टीम ने आरोपी ज्योति किन्नर को गिरफ्तार कर आरा लाई । मंगलवार को सुबह सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराने के बाद जीआरपी थाना में सिपाही विवेक कुमार और यात्री संजय साहनी के आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर अपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है। किन्नर ज्योति ने बताया कि मैं पटना पुणे ट्रेन में सफर कर रही थी।मेरे साथ बिहिया और बंगाल के कुछ किन्नर थी। उनलोगों के द्वारा यात्रियों से पैसा मांगा जा रहा था। मैं ट्रेन में यात्रियों से पैसा नहीं मांगती।

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

कोईलवर। धनडीहा पंचायत के मध्य विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ कारू सिंह ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) 2025 में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने वाले बीएलओ को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। मुखिया श्री सिंह ने बताया कि उन्होंने 1 जुलाई 2025 को यह घोषणा की थी कि पंचायत में जो भी बीएलओ स्वतंत्रता दिवस तक मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य उत्कृष्ट और समय से पहले पूर्ण करेंगे, उन्हें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 2100 नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में पंचायत के चार बीएलओ संजू देवी (बूथ संख्या 188), प्रवीण कुमार (193), मनोज कुमार (194) और अंजू देवी (195) का चयन हुआ। इन चारों को संयुक्त तरीके से पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

मंदिर से काली माता की सोने की आंख चोरी

बक्सर। बक्सर के सिमरी थाना क्षेत्र के सत फेडवा गांव में एक मंदिर से चोरी की घटना सामने आई है। मंगलवार की देर रात चोरों ने काली माता की प्रतिमा में लगी सोने की आंख को चुरा लिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि चोर ने मंदिर में प्रवेश करते ही माता को प्रणाम किया। इसके बाद प्रतिमा से सोने की आंख निकालकर फरार हो गया। अगली सुबह जब ग्रामीण पूजा के लिए मंदिर पहुंचे, तब उन्हें चोरी का पता चला।सूचना मिलते ही सिमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। फुटेज में चोर का चेहरा आंशिक रूप से कैद हुआ है। सूत्रों के अनुसार, चोरी की गई सोने की आंख की कीमत लाखों रुपए है।

पुलिस गश्त बढ़ाने की मांगः ग्रामीणों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि नियमित गश्त होती तो यह घटना नहीं होती। बुजुर्गों ने कहा कि मंदिर ग्रामीण आस्था का केंद्र है। पुलिस ने जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच तेज कर दी है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही चोर पकड़े जाएंगे और चोरी गई सोने की आंख बरामद होगी। इस घटना ने एक बार फिर पुलिस गश्ती और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य ने की बैठक

बक्सर | मंगलवार को सदस्य बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग बिहार, शमशाद आलम उर्फ शमशाद सांई ने जिला अतिथि गृह के सभाकक्ष में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कब्रिस्तान घेराबंदी, छात्रवृति, प्रधानमंत्री आवास, जन वितरण, मध्याहन भोजन, कस्तूरबा विद्यालय, तालीमी मरकज, उर्दू विद्यालय एवं उर्दू शिक्षक, जिले में सरकारी एवं गैर सरकारी मदरसा मलिन अल्पसंख्यक टोलों में किए जा रहे कार्य, पंचायत स्तर पर अल्पसंख्यक टोलों में किए गए कार्य, स्वास्थ्य, पेयजल, मनरेगा के व कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की।

भोजपुर में 2 बदमाश अरेस्ट देसी पिस्टल-मैगजीन जब्त

निज संवाददाता। आरा

- दो लाख रुपए के इनामी बदमाश के गैंग के है सदस्य, हत्या मामले में थे वांटेड

महाराष्ट्र से दो लाख रुपए का इनामी कुख्यात बदमाश बुटन चौधरी पकड़ा गया है। पुलिस ने उसके गैंग के बाकी सदस्यों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में भोजपुर पुलिस ने मंगलवार को गैंग से जुड़े दो गुर्गों सुमित चौधरी और सुरेश सिंह उर्फ रइया को गिरफ्तार कर लिया। दोनों उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव के रहने वाले हैं। सुरेश उर्फ रइया की गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्टल और मैगजीन भी बरामद की। दोनों की गिरफ्तारी की जानकारी भोजपुर एसपी राज ने प्रेसवार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी बुटन चौधरी गैंग के सक्रिय सदस्य है और हत्या व गोलीबारी जैसे कई गंभीर मामलों में वांटेड चल रहे थे। 20 अक्टूबर 2023 को चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव बालू घाट पर रास्ते और वर्चस्व को लेकर दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस वारदात में सिकरहटा थाना के सिकरौल गांव निवासी मनोज सिंह का बेटा हर्षित सिंह की मौत हो गई थी, जबकि बेलाउर गांव के प्रकाश चौधरी और कल्लू सिंह समेत दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए थे। घायल प्रकाश चौधरी के बयान पर बुटन चौधरी और सुमित चौधरी समेत 9 लोगों को नामजद और 10–12 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। एसपी के मुताबिक, सुमित इसी मामले में लंबे समय से वांटेड था।

दीपू को भी गोली मारकर घायल कियाः इसी तरह 26 मार्च 2024 को बेलाउर गांव में पूर्व पंचायत समिति सदस्य स्व. दीपक गुप्ता के बेटा आयुष और उसके दोस्त दीपू को भी गोली मारकर घायल कर दिया गया था। इस घटना में भी बुटन चौधरी, उसके भाई उपेंद्र चौधरी के परिवार के लोग और गैंग के अन्य सदस्य आरोपित किए गए थे। पुलिस जांच में सुमित चौधरी की संलिप्तता इसमें भी सामने आई थी। गिरफ्तार दूसरा आरोपी सुरेश उर्फ रइया, बीडीसी सदस्य के बेटे आयुष पर गोलीबारी के उसी मामले में पहले से ही जमानत पर था। अब हथियार के साथ उसकी गिरफ्तारी के बाद वह फिर से जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गया है। पुलिस ने बेलाउर गांव के ही राकेश को भी आर्म्स एक्ट से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया है। हालांकि जांच में उसका बुटन चौधरी गैंग से प्रत्यक्ष जुड़ाव नहीं पाया गया है। एसपी राज ने कहा कि बुटन चौधरी गैंग के सभी सदस्यों की पहचान कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही बाकी आरोपी भी गिरफ्तार होंगे।

नाइट ब्लड सर्वे के लिए 300 रक्त नमूने एकत्र होंगे

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आगामी 10 फरवरी से शुरू होने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) की तैयारी तेज हो गई है। इसके पूर्व सभी प्रखंडों में फाइलेरिया प्रसार की जांच के लिए नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) की शुरुआत सोमवार की रात से की गई। कार्यक्रम का संचालन सिविल सर्जन डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा एवं प्रभारी जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हो रहा है। इसकी निगरानी वीसीडीओ अजीत कुमार एवं अनुज कुमार कर रहे हैं। नाइट ब्लड सर्वे के दौरान सभी प्रखंडों में 1 सेंटिनल साईट से 300 और 1 रैंडम साईट से 300 रक्त के नमूने लिए जाएंगे। वहीं आरा शहरी क्षेत्र में प्री टास हेतु 2 परपसिव साईट से 600 और 1 रैंडम साईट से 300 रक्त नमूने एकत्र किए जाएंगे। यह सर्वे रात 8:30 बजे से रात 12 बजे तक किया जाएगा। इसी क्रम में 18 अगस्त सोमवार की रात संदेश प्रखंड के बागा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अंतर्गत अहिमनचक गांव में नाइट ब्लड सर्वे आयोजित हुआ। इस दौरान सीएचओ, प्रयोगशाला तकनीशियन, संदेश पीएचसी के स्वास्थ्यकर्मी एवं आशा कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। सर्वे में कुल 58 रक्त नमूने एकत्र किए गए। इस दौरान सीएचओ-पीएसपी सदस्य, फाइलेरिया रोगी, उपमुखिया हरीशंकर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अजय कुमार सिंह एवं सिफार की जुलेखा ने भी भागीदारी की।

भोजपुर में 3 घंटे बिजली रहेगी ठप

निज संवाददाता। आरा

आरा के ए. टू. जेड. (धोबी घटवा) PSS से निर्गत जगदेवनगर फीडर से तीन घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी। आज 20 अगस्त दिन बुधवार की सुबह 10 बजे से दोपहर 1 तक बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कनीय विद्युत अभियंता की ओर से बताया गया कि रोड कंस्ट्रक्शन विभाग की ओर से धोबीघटवा मोड पर सड़क चौड़ीकरण काम मे अधिष्ठापित नए पोल पर तार को लगाने का काम किया जाएगा,जिसके कारण इस फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली उपभोक्ता से अपील है कि पहले से अपने अपने घरों के जरूरी काम को निपटा लें और पानी की व्यवस्था कर ले। उपभोगताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

मेंटेनेंस का काम भी किया जाएगाः इस दौरान फीडर में ग्रीष्मकाल मेंटेनेंस का काम भी किया जाएगा व डालो की छटाई भी की जाएगी। साथ ही इस क्षेत्र के सभी पोल व जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी। ताकि बिजली उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न नहीं हो। इसके लिए सभी बिजली उपभोक्ताओं से सूचना देकर अपील की गई है, बिजली से जुड़ा काम को समय से पहले निपटा ले । क्योंकि इन इलाकों में बिजली नही रहेगी । उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए होने वाली परेशानी को लेकर खेद प्रकट करते हुए सहायक अभियंता ने कहा कि काम खत्म होने के साथ जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जाएगी ।

एमडीएम का होगा ऑडिट, जनसुनवाई कर पूछी जाएगी भोजन की गुणवत्ता

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिले के सरकारी विद्यालयों में संचालित हो रहे पीएम पोषण योजना(एमडीएम) की स्थिति जानने के लिए इसका सोशल ऑडिट किया जाएगा। बता दें कि विभाग का उद्देश्य है कि पीएम पोषण योजना के तहत संचालित किए जाने वाले मध्यान भोजन में और पारदर्शिता आए। इसको लेकर मध्याह्न भोजन योजना निदेशालय की ओर से एमडीएम के डीपीओ और डीडीसी को पत्र लिखकर कई बिंदुओं पर सोशल ऑडिट करने का निर्देश दिया गया है। सोशल ऑडिट का काम 27 अगस्त से शुरू होगा और 8 सितंबर तक होगा। सोशल ऑडिट में जिले जिले के सैकड़ों प्राइमरी व मध्य विद्यालय शामिल होंगे। इसको लेकर कैलेंडर भी जारी किया गया है। कैलेंडर के अनुसार सोशल ऑडिट के बाद विद्यालयों के पोषक क्षेत्र में जन सुनवाई का आयोजन किया जाएगा। सोशल ऑडिट का आयोजन विद्यालय के पोषक क्षेत्र के नगर निकाय परिसर, सामुदायिक भवन, विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में आयोजित किया जाएगा। जन सुनवाई के दौरान पीएम पोषण योजना के पदाधिकारी व कर्मी योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहेंगे। मामले की सुनवाई के साथ जूरी सदस्यों की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिले के 3 प्रखंडों के विद्यालयों का किया गया चयन मध्याह्न भोजन योजना के डीपीओ रजनीश उपाध्याय ने बताया कि जिले के 3 प्रखंडों के विद्यालयों का चयन किया गया है। जिसका सोशल ऑडिट किया जाएगा। इसमें राजपुर, बक्सर व चक्की प्रखंड शामिल है। उन्होंने बताया कि इन प्रखंडों का कौन सा विद्यालय का सोशल ऑडिट किया जाएगा निदेशालय से ही चुनकर आता है उसके अनुसार ही इन विद्यालयों में चल रहे मध्यान भोजन योजना का सोशल ऑडिट किया जाएगा उन्होंने बताया कि विभाग का उद्देश्य है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराई जा सके।

भोजपुर में सोन नदी में डूबने से मजदूर की मौत

- मछली मारने गए थे, गहरे पानी में जाने से हादसा, दूसरे दिन मिली लाश

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर स्थित सोन नदी में डूबे मजदूर का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव बिहटा गांव स्थित सोन नदी से मंगलवार को मिला है। मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के आजाद टोला बिहटा गांव निवासी स्व.ललन रजवार का 40 साल का बेटा रामू रजवार है और वह मजदूर था। घटना इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव की है। मृतक के छोटे भाई शंभू राम ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह घर से बोलकर निकले थे कि मैं मछली मारने जा रहा हूं। मछली मारने के दौरान वह बिहटा स्थित सोन नदी में गिर कर डूब गए।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी सूचनाः सोमवार की रात जब घर वापस नहीं लौटे, तो मंगलवार की सुबह परिजनों ने खोजबीन करना शुरू की। खोजबीन के दौरान बिहटा गांव स्थित सोन नदी से उसका शव बरामद हुआ। जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में पत्नी संगीता देवी व दो बेटा राजन,साजन और एक बेटी रूबी है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी संगीता देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बक्सर में 28 अगस्त को उर्दू वाद-विवाद प्रतियोगिता

- स्कूल-कॉलेज के छात्र करेंगे भाषा की महत्ता पर चर्चा, विद्यार्थियों में भाषा के प्रति रुचि जगाना लक्ष्य

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिला प्रशासन और उर्दू निदेशालय, बिहार पटना की पहल पर 28 अगस्त को नव-निर्मित समाहरणालय परिसर में जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी। यह आयोजन उर्दू भाषी प्रोत्साहन राज्य योजना के तहत किया जा रहा है। प्रतियोगिता का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों में उर्दू भाषा के प्रति रुचि जगाना है। इससे उनकी अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा। उर्दू भाषा भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रतीक है। जिला उर्दू भाषा कोषांग के प्रभारी के अनुसार, प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र हिस्सा लेंगे। छात्र उर्दू भाषा की महत्ता, साहित्यिक परंपरा और वर्तमान में इसकी उपयोगिता पर चर्चा करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों और अभिभावकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। नव-निर्मित समाहरणालय परिसर में बेहतर वातावरण में प्रतियोगिता होगी।

उर्दू सीखने के लिए करेगी प्रेरितः भाषा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों को उर्दू सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। उर्दू निदेशालय, बिहार सरकार लगातार भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। इस प्रतियोगिता से छात्रों में भाषाई विविधता और आपसी समझ बढ़ेगी। जिला प्रशासन का विश्वास है कि इस आयोजन से बक्सर जिले के विद्यार्थी न केवल उर्दू भाषा की खूबसूरती को समझेंगे बल्कि इसे समाज में सम्मान दिलाने में भी योगदान देंगे।

उधार के गांधी नाम ले कर घूम रहे हैं नकली गांधी : अजय आलोक

निज संवाददाता। आरा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने मंगलवार को आरा परिसदन में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को उधार का गांधी बताते हुए कहा कि इस परिवार को अपना वास्तविक नाम लिखने में भी शर्म आती है। इनके दादा फिरोज जहांगीर गैंडी थे, लेकिन गैंडी से गांधी बनकर इन्होंने देश को गुमराह किया। आलोक ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने वाले बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के समय से लेकर अब तक कांग्रेस को बार-बार कोर्ट की फटकार मिलती रही है। ये लोग नौटंकी यात्रा से भ्रम फैला रहे हैं और देश में अराजकता फैलाने निकले हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए अजय आलोक ने उन्हें छोटा रिचार्ज और नौंवी फेल करार दिया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी देश और बिहार के खिलाफ काम कर रहे हैं। वहीं राहुल गांधी को जननायक कहे जाने पर उन्होंने कहा कि जो अपने घर और पार्टी का नायक नहीं बन सका, वह जननायक कैसे होगा? पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और गायक पवन सिंह की वायरल तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए अजय आलोक ने कहा कि किसी एक व्यक्ति से पार्टी को नुकसान नहीं होता।

ईवीएम व वीवीपैट के प्रयोग की दी जाएगी जानकारी

निज संवाददाता। बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार पटना द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के निमित जिले के सभी 4 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में ई.वी.एम/वी.वी.पैट का प्रदर्शन हेतु मोबाइल डेमोस्ट्रेशन वैन चलाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम अंतर्गत बक्सर जिला के सभी 4 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 199-ब्रह्मपुर, 200-बक्सर एवं 201-डुमरांव के लिए एक-एक तथा 202-राजपुर (अ.जा.) के लिए 2 मोबाइल डेमोंस्ट्रेशन वैन को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- डीएम डॉ विद्यानंद सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसका परिचालन जिला के सभी 4 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के 831 मतदान केन्द्र भवनों, निर्वाचक साक्षरता क्लब आदि में किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की तिथि घोषित करने के तुरंत बाद यह प्रदर्शन रोक दिया जाएगा। मोबाइल डेमोंस्ट्रेशन वैन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को ई.वी.एम. और वी.वी.पैट के प्रयोग एवं कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रुप से परिचित कराना है, ताकि मतदान प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की भ्रांतियां दूर हो और मतदाता आत्मविश्वास के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इस पहल का एक विशेष उद्देश्य प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को मतदान प्रक्रिया में सहजता प्रदान करना है। अनेक बार देखा गया है कि तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी न होने के कारण मतदाता मतदान केन्द्र पर संकोच महसूस करते है। इस वैन के माध्यम से उन्हें पहले ही प्रायोगिक अनुभव मिल जाएगा, जिसमें मतदान दिवस पर वे बिना किसी झिझक के मतदान कर पाएंगे। इस वैन में प्रशिक्षित कर्मी उपलब्ध रहेंगे, जो लोगो को ई.वी.एम. के बटन दबाने से लेकर वी.वी.पैट स्लिप देखने तक की पूरी प्रक्रिया का लाइव डेमोस्ट्रेशन देंगे। इसके अलावा नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर भी मौके पर दिए जाएंगे। वैन में ऑडियो विजुअल सामग्री, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से भी मतदान से जुड़ी जानकारी प्रदान की जाएगी। जिले के तीनों अनुमंडलों में ई.वी.एम डेमोस्ट्रेशन सेंटर पूर्व से कार्यरत है। जहां अब तक 472 लोगों के द्वारा भ्रमण कर ई.वी.एम./वी.वी. पैट के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी है। इनमें से 472 लोगों के द्वारा मॉक वोट डालकर मतदान का पूर्वाभ्यास किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मानना है कि ई.वी.एम एवं वीवीपैट की पारदर्शी और सुरक्षित प्रणाली के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरुक करना, मतदान प्रतिशत बढ़ाने और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पशुओं की ब्लडलाइन चेंज करने की कवायद में जुटा पटना जू

पटना। संजय गांधी जैविक उद्यान में अब ब्लडलाइन चेंज करने की कवायद शुरू की गई है। नए पशुओं को लाने की जगह जो जानवर पहले से यहां मौजूद हैं उनकी पेयरिंग और ब्लडलाइन चेंज करने की कोशिश की जा रही है। ब्लडलाइन चेंज करने के पीछे का उद्देश्य इनब्रिडिंग को रोकना और आने वाले बीमारियों से बचाना है। इन पशुओं की बेहतर स्वास्थ्य के लिए यह एक महत्वपूर्ण कवायद है। यह पहल पशुओं की सेहत, प्रजनन क्षमता और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि समय - समय पर ब्लडलाइन बदलना बहुत जरूरी है क्योंकि एक ही नस्ल या रक्तरेखा के पशुओं में लगातार प्रजनन से उनकी सेहत कमजोर होती है, बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है और प्रजनन क्षमता घट जाती है। जू प्रशासन ने बताया कि एक ही नस्ल के बीच लगातार मेटिंग करने से इनब्रिडिंग की समस्या आ रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्तरेखा बदलने के लिए देश के विभिन्न चिड़ियाघरों से जानवरों के आदान प्रदान की बात की जा रही है। ब्लडलाइन चेंज करने से वन्यजीवों में बीमारियों का खतरा कम होता है, उनका स्वास्थ्य भी ठीक होता है। साथ ही उनकी प्रजनन क्षमता भी बढ़ती है और पशुओं में विविधता आती है। जीवों के संरक्षण के लिए यह प्रक्रिया बहुत जरूरी मानी जाती है। जू के निदेशक हेमंत पाटील ने बताया कि इसके लिए विभिन्न चिड़ियाघरों से बात हो रही है, वर्तमान में इस प्रक्रिया के लिए कोलकाता जू से जिराफ मंगाने के बात चल रही है। गैंडों के प्रजनन के बारे में बताते हुए भी उन्होंने बताया कि हमारे यहां विश्व में सर्वाधिक गैंडे हैं और उनकी भी संख्या बढ़ाने के लिए कोशिश की जा रही है। अभी हाल ही में दो स्टार कछुओं का भी जन्म हुआ है।

चोरों ने मोबाइल दुकान का शटर उखाड़ कर करीब 30 लाख की चोरी किया

दानापुर। छोटी खगौल महादेव स्थान पर सात की संख्या में आये चोरों ने रेखा कम्युनिकेशन मोबाइल दुकान का शटर उखाड़ कर 28 लाख के कीमती मोबाइल व 3 लाख नगद रूपये की चोरी कर डाली। इस संबंध में दुकान मालिक संजीत कुमार ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दर्ज करा चोरों को पकड़ने की गुहार लगाई है। पीड़ित संजीत ने बताया कि बुधवार की सुबह 9 बजे एक दोस्त ने उनको फोन कर बताया कि उनके दुकान का नीचे से शटर उखड़ा पड़ा है। वह आनन फानन में पहुंचे तो देखा कि दुकान में रखा सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ है। और दुकान में रखे विभिन्न ब्रांड के करीब 28 से 30 लाख के कीमती मोबाइल चोरों ने चोरी कर ले गये। इसके अलावा गल्ले में रखा करीब 3 लाख रूपये नगद की भी चोरी कर डाली गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन के साथ चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है।

22 और 23 अगस्त को ज्ञान भवन में विकसित भारत ग्लोबल समिट ऑन टेक्निकल टेक्सटाइल्स का आयोजन

पटना। भारत सरकार का वस्त्र मंत्रालय 22 और 23 अगस्त 2025 को पटना, बिहार स्थित ज्ञान भवन में "विकसित भारत – ग्लोबल समिट ऑन टेक्निकल टेक्सटाइल्स" का आयोजन करेगा। यह सम्मेलन सरकार की विकसित भारत 2047 की दृष्टि का हिस्सा है। टेक्निकल टेक्सटाइल्स (विशेष वस्त्र) को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया है, जो देश के बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि, पर्यावरणीय स्थिरता और नवाचार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा और भारत की विकास यात्रा में बड़ा योगदान देगा। दो दिन का यह सम्मेलन ज्ञान-विचार सत्रों के साथ होगा, जिसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञ, निर्माता, स्टार्ट-अप्स, शोध संस्थान, सरकारी संगठन और इंडस्ट्री बॉडीज एक साथ आएंगे और टेक्निकल टेक्सटाइल्स के 12 अलग-अलग क्षेत्रों में अवसरों पर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 22 अगस्त 2025 को शाम 4:00 बजे केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह करेंगे। इस अवसर पर वस्त्र मंत्रालय और बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। यह सम्मेलन वस्त्र मंत्रालय और मेटेक्सिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। मेटेक्सिल एक निर्यात प्रोत्साहन परिषद है, जो मैनमेड फाइबर टेक्सटाइल्स जैसे कि फाइबर, यार्न, फैब्रिक, होम टेक्सटाइल्स और टेक्निकल टेक्सटाइल्स के निर्यात को बढ़ावा देता है।

पर्युषण महापर्व के प्रथम दिन श्वेतांबर मंदिर में सनात्र पूजा हुई

पटना। आज पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस पर, पटना श्वेतांबर मंदिर में दिन की शुरुआत सनात्र पूजा से हुई। तत्पश्चात, समाज के महिला एवं पुरुष सदस्यों द्वारा सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। इसके उपरांत, अहमदाबाद से पधारे दर्शन भाई ने प्रवचन में पर्युषण पर्व के दौरान जैन धर्म के नियमों और कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जिस मुख से हम भगवान की भक्ति करते हैं, उसी मुख से कभी-कभी हम अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ कठोर शब्दों का प्रयोग करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में भगवान का वास होता है, इसलिए भगवान और परिवार के सदस्यों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। वाणी में हमेशा मधुरता होनी चाहिए। छोटे से छोटे कार्य के लिए भी, चाहे वह घर के नौकर हों या टैक्सी ड्राइवर, हमें धन्यवाद अवश्य देना चाहिए। समाज के पंकज भाई कोठारी ने बताया कि जैन धर्म में भगवान की पूजा भक्त स्वयं करते हैं, और इसके लिए किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती है। प्रवचन में समाज के अध्यक्ष श्री भरत भाई, श्री अशोक भाई, श्री जयेन्द्र भाई, ज्ञान चंद जी बोथरा, प्रतीक जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हिर राज्य फसल सहायता योजनाः 31 अक्टूबर तक करें आवेदन

पटना। राज्य सरकार के सहकारिता विभाग ने बिहार राज्य फसल सहायता योजना के तहत खरीफ 2025 के मौसम के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन 31 अक्टूबर, 2025 तक निःशुल्क किए जा सकते हैं। इस योजना के तहत फसल उत्पादन में 20 प्रतिशत तक क्षति होने पर 7,500 रुपये प्रति हेक्टेयर और 20 प्रतिशत से अधिक क्षति होने पर 10,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा। प्रति किसान अधिकतम 2 हेक्टेयर के लिए ही सहायता राशि दी जाएगी। रैयत, गैर-रैयत तथा आंशिक रूप से रैयत एवं गैर-रैयत श्रेणी के किसान इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। नगर पंचायत और नगर परिषद क्षेत्रों के किसान भी इसके लिए पात्र हैं। योजना के तहत अधिसूचित फसलों से संबंधित जिलों के नाम विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इस योजना के बारे में बताते हुए सहकारिता विभाग के मंत्री डॉ॰ प्रेम कुमार ने कहा है कि बिहार राज्य फसल सहायता योजना बिहार सरकार की एक महत्वाकांक्षी, पूर्णतः निःशुल्क पहल है, जिसकी मदद से प्राकृतिक आपदाओं में क्षतिग्रस्त फसलों के लिए बिना किसी प्रीमियम के किसानों को वित्तीय सहारा प्रदान किया जाता है। सहकारिता विभाग इसे और अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रहा है।

ईएसआईसी स्प्री 2025 योजना पर श्रम पदाधिकारियों की बैठक, नियोक्ताओं को पंजीकरण का मौका

निज संवाददाता

पटना। श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में नियोजन भवन, पटना में बुधवार को श्रम आयुक्त राजेश भारती और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) बिहार के क्षेत्रीय निदेशक सी. निरंजन कुमार की अध्यक्षता में स्प्री 2025 योजना के विषय पर बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी श्रम अधीक्षक और श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि ईएसआईसी द्वारा शुरू की गई स्प्री 2025 योजना के तहत वैसे नियोक्ता और संस्थान, जिन्होंने अब तक चूकवश या अनजाने में अपने संस्थान का पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक पंजीकरण का अवसर दिया जा रहा है। इस अवधि में पंजीकरण कराने वाले नियोक्ताओं पर न तो पिछली अवधि का कोई बकाया वसूला जाएगा और न ही रिकॉर्ड की जांच होगी। पंजीकरण तिथि से पहले की अवधि का अंशदान, ब्याज या हर्जाना देने की कोई बाध्यता नहीं होगी और पिछले गैर-पंजीकरण को लेकर किसी तरह की कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। बैठक में अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के उद्यमियों और व्यवसायियों को इस योजना की जानकारी दें और 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले सभी संस्थानों को श्रम सुविधा पोर्टल, ईएसआई पोर्टल या डब्ल्यू पोर्टल के माध्यम से स्वयं पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित करें। ऐसा करने से भविष्य में निरीक्षण, सर्वेक्षण या शिकायत की स्थिति में किसी भी तरह की देनदारी या कार्रवाई से बचा जा सकेगा और नियोक्ता अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे। क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि ईएसआईसी अधिनियम के तहत 21,000 तक वेतन पाने वाले कामगारों को चिकित्सा सुविधा, नकद लाभ, बीमारी, मातृत्व, आश्रित लाभ, अपंगता, अंत्येष्टि व्यय और वृद्धावस्था में मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। दिव्यांग कर्मियों के लिए यह सीमा 25,000 तय की गई है। इसके अतिरिक्त ईएसआईसी बीमित कर्मियों के बच्चों को शिक्षा में आरक्षण और अन्य लाभ भी देता है। नियोक्ता और कर्मचारी क्रमशः 3.25 प्रतिशत और 0.75 प्रतिशत अंशदान करते हैं। बैठक में यह भी चर्चा की गई कि ईएसआईसी 1 अक्टूबर 2025 से एक एमनेस्टी स्कीम लागू करने जा रहा है। इसके तहत ऐसे मामलों को वापस लिया जाएगा जो नियोक्ताओं के खिलाफ न्यायालयों में लंबित हैं और जिनमें बकाया राशि का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। इससे नियोक्ताओं को त्वरित समाधान और राहत मिलेगी। इस बैठक में श्रम आयुक्त राजेश भारती, क्षेत्रीय निदेशक सी. निरंजन कुमार, सहायक श्रम आयुक्त गणेश कुमार झा सहित बिहार सरकार के सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी और ईएसआईसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार में 2026 के लिए सरकारी छुट्टियों की लिस्ट जारी, कर्मचारियों को मिलेंगी 29 छुट्टियां

निज संवाददाता

पटना, बिहार। बिहार सरकार ने साल 2026 के लिए सरकारी छुट्टियों की सूची जारी कर दी है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद यह तय हो गया है कि राज्य के सरकारी कर्मचारियों को कुल 35 छुट्टियां मिलेंगी, लेकिन इनमें से 6 छुट्टियां रविवार को पड़ने के कारण उन्हें सिर्फ 29 दिनों का ही असल लाभ मिलेगा। जारी की गई लिस्ट के अनुसार, मई दिवस और बुद्ध पूर्णिमा दोनों 1 मई को हैं। इसके अलावा, प्रमुख त्योहारों में 3 और 4 मार्च को होली, 8 नवंबर को दीपावली, 15 और 16 नवंबर को छठ पूजा और 25 दिसंबर को क्रिसमस का अवकाश रहेगा। महाशिवरात्रि (15 फरवरी) और बिहार दिवस (22 मार्च) भी रविवार को पड़ रहे हैं। वहीं, 27 मार्च को रामनवमी और 4 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी शुक्रवार को है, जिससे कर्मचारियों को लंबा वीकेंड मिलेगा। इसके साथ ही 1 अप्रैल को बैंक लेखाबंदी का भी अवकाश दिया गया है। इन छुट्टियों के अलावा, सरकारी कर्मचारियों को 22 ऐच्छिक अवकाशों में से अपनी पसंद के कोई भी तीन दिन चुनने की सुविधा भी दी गई है।

सोशल मीडिया पर हथियारों की नुमाइश पड़ी भारी, पटना पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता

पटना। सोशल मीडिया पर 'गैंगस्टर' बनने का शौक अब युवाओं पर भारी पड़ रहा है। पटना के पुनपुन थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर हथियार के साथ अपना वीडियो वायरल करना महंगा पड़ गया। पटना पुलिस ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए वीडियो में दिख रहे मुख्य आरोपी कुंदन कुमार (21) समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो नाबालिग भी शामिल हैं।

पिस्टल के साथ सिर्फ तस्वीरें खींचीं, नहीं की फायरिंगः पुलिस की पूछताछ में सभी आरोपियों ने बताया है कि उन्होंने ये हथियार सिर्फ सोशल मीडिया पर अपनी 'धौंस' जमाने के लिए खरीदे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि इन हथियारों से कोई फायरिंग या आपराधिक गतिविधि नहीं की गई थी, बल्कि सिर्फ तस्वीरें और वीडियो बनाकर अपलोड किए गए थे। पकड़े गए आरोपियों में से एक ने बताया कि उसे किसी दूसरे व्यक्ति ने 1000 रुपये में अपनी पिस्टल गिरवी रखी थी, जिसे वो वापस नहीं ले रहा था। इसी पिस्टल का इस्तेमाल इन लोगों ने फोटो शूट के लिए किया।

पुलिस ने बरामद किए 3 हथियारः सिटी एसपी पूर्वी, परिचय कुमार ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि बदलते माहौल में बच्चे आसानी से अपराध की दुनिया में फंस सकते हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर 3 हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी ने यह भी बताया कि इस मामले में कुछ और लड़कों के नाम भी सामने आए हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है और सबूत मिलने पर उन पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक चेतावनी है कि सोशल मीडिया पर किया गया हर काम सार्वजनिक होता है और उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

दानापुर रेल मंडल में डीआर 1एम की अध्यक्षता में,मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

निज संवाददाता

पटना। दानापुर मंडल मुख्यालय के सभाकक्ष में मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। वर्तमान परामर्शदात्री समिति की वर्ष-2025-26 की यह प्रथम बैठक है। मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक के दौरान मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर व ट्रेनों में यात्री सुविधा के साथ ट्रेनों व उनके ठहराव, खान-पान, माल परिवहन सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता आदि अन्य विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा रेलवे की विभिन्न सुविधाओं को लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए गए, जिस पर मंडल की ओर से इन सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए समुचित सकारात्मक कार्यवाही किये जाने की बात कही गई। बैठक में सदस्यों द्वारा रेलवे द्वारा विगत वर्षों में बड़े पैमाने पर किए गए विकास व सुधार कार्यों की बदौलत आये सकारात्मक परिवर्तन की सराहना भी की गई। इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित शाखा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अभिनव सिद्धार्थ, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक दानापुर ने किया गया।

शुरुआत से ही भवनों को ऊर्जा दक्ष बनाना सबसे किफायती कदम होगाः श्री राहुल कुमार

निज संवाददाता

पटना। बिहार नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपमेंट एजेंसी (ब्रेडा) ने ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी, विद्युत मंत्रालय के सहयोग से होटल मौर्य, पटना में एक दिवसीय कपैसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग (क्षमता निर्माण) कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ऊर्जा संरक्षण सतत भवन सहित (ECSBC) के क्रियान्वयन के लिए आयोजित किया गया, जिसे बिहार सरकार भवन उपनियमों में शामिल करने जा रही है। कार्यक्रम में भवन निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग के 44 अभियंताओं ने भाग लिया। ब्रेडा के प्रोजेक्ट निदेशक श्री दिलीप कुमार के संबोधन से सत्र की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रेडा के निदेशक व एनबीपीडीसीएल के एमडी श्री राहुल कुमार द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में बिहार में बड़े पैमाने पर भवन निर्माण होगा और शुरुआत से ही भवनों को ऊर्जा दक्ष बनाना सबसे किफायती और समझदारी का कदम होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 लागू की गई है, जिसके तहत वर्ष 2029-30 तक 23.9 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 12,000 से अधिक भवनों पर 110 मेगावॉट सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है और अगले चरण में सभी सरकारी भवनों पर 500 मेगावॉट सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। समापन सत्र में बताया गया कि नियोजन भवन और बिहार राज्य भवन निर्माण निगम की दो इमारतों को फाइव स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है। श्री राहुल कुमार ने प्रतिभागियों से अपील की कि वे भवन निर्माण के दौरान ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दें और इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

साहित्य सम्मेलन में "चाइल्ड केयर" ने किया बादल सरकार के नाटक "जुलूस" का मंचन

निज संवाददाता

पटना। नाट्य संस्था "चाइल्ड केयर" सेंटर" ने मंगलवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के मंच पर सुप्रसिद्ध नाटककार बादल सरकार के नाटक "जुलूस" का यादगार मंचन किया। युवा नाटककार अनिमेष कुमार सिंह द्वारा हिन्दी में अनुदित इस नाटक का निर्देशन डा इन्दु पांडेय ने किया! मंच पर बाल-कलाकार इन्दु शुभंकरी, शिवानी कुमारी, निर्मला सिंह, गुंजा सिंह, आशीष राज पवन और डा इन्दु पांडेय के अभिनय को दर्शकों ने तालियाँ बजा-बजा कर सराहना की। नाटक के प्रथम-दर्शक और सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ, डा जंग बहादुर पांडेय, डा मेहता नागेन्द्र सिंह, शशि भूषण कुमार, डा पंकज वासिनी, कृष्ण रंजन सिंह, प्रवीर कुमार पंकज आदि बड़ी संख्या में सुधी दर्शक उपस्थित थे।

ग्रामीण सड़कों के निर्माण में लक्ष्य का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण

निज संवाददाता

» राज्य के 24 हजार से भी80 अधिक गांवों को पक्की सड़कों की मिली सौगात

पटना। बिहार सरकार ने ग्रामीण सड़कों के विकास को माध्यम बनाकर राज्य के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को एक नई दिशा देने का सफल प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना (एमएमजीएसवाय) के अंतर्गत राज्य में अबतक 40 हजार 893 किमी से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। जबकि ग्रामीण कार्य विभाग ने कुल 49 हजार, 541.7 किलोमीटर सड़क के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यानी लक्ष्य का 80 प्रतिशत से भी अधिक निर्माण कार्य को पूरा कर लिया गया। इन सड़कों के निर्माण से राज्य के 24 हजार से भी अधिक गांवों को पक्की सड़कों की सौगात मिली है। चूंकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 500 तक की आबादी वाले टोलों को ही शामिल लिया जा सकता है। इसलिए इससे छोटी आबादी वाले टोलों को संपर्कता देने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की शुरुआत वर्ष 2013 में की गई थी। अब हर टोले को पक्की बारहमासी सड़क से जोड़ने की दिशा में ग्रामीण कार्य विभाग जुटा हुआ है। ग्रामीण कार्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत 49 हजार, 541.309 किमी लंबाई की कुल 33 हजार 618 किमी सड़कों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनमें अबतक 80 प्रतिशत से भी अधिक परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। यह राज्य में ग्रामीण संपर्कता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

सिवान नगर निगम के ईओ के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

निज संवाददाता

पटना। आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में सिवान नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) अनुभूति श्रीवास्तव के ठिकानों पर ईओयू ने छापेमारी की। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की अलग-अलग टीमों ने ईओ के उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर के एडेल्को ग्रीन्स स्थित पैतृक आवास, पटना के रूपसपुर थाना के तिलकनगर स्थित अर्पणा मेंशन के फ्लैट नंबर 406-बी एवं 407-बी तथा सिवान नगर कार्यपालक पदाधिकारी कार्यालय समेत अन्य ठिकानों पर सघन छापेमारी की। इस दौरान बड़ी संख्या में निवेश संबंधित दस्तावेजों के अलावा ज्वेलरी, कैश, बैंक खाते समेत अन्य कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। इनकी जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि कितने की अवैश संपत्ति बरामद की गई है। यह जानकारी ईओयू के डीआईजी (आर्थिक अपराध) मानवजीत सिंह ढिल्लो ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। डीआईजी ने कहा कि अब तक की जांच में उनके खिलाफ 71 लाख 1 हजार 908 रुपये की अवैध संपत्ति का पता चला है, जो उनके वैद्य आय से 78.91 प्रतिशत अधिक है। जांच में यह बात सामने आई है कि अनुभूति श्रीवास्तव ने सीवान जिला में पदस्थापना के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध आय अर्जित की है। इस मामले को लेकर ईओयू में एफआईआर भी दर्ज की गई है। अनुभूति श्रीवास्तव के खिलाफ 31 अगस्त 2021 को भ्रष्टाचार निरोध अधिनियम की धारा 13(1)(बी) के अंतर्गत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई थी। आय से अधिक संपत्ति मामले में उस समय भी इनके खिलाफ हुई कार्रवाई में 230 प्रतिशत अवैध आय का मामला सामने आया था। उस समय जांच में यह पाया गया था कि नवंबर 2013 से सितंबर 2021 के बीच आय के वैध स्रोतों से 1 करोड़ 99 लाख 77 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की गई थी। इस मामले में उनके खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र समर्पित किया गया है। यह मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। निलंबन मुक्त होने के बाद उनकी तैनाती रक्सौल, सहरसा के बाद सीवान में हुई। डीआईजी ने बताया कि मादक पदार्थों एवं द्रव्यों की तस्करी के मामले में मधुबनी के बिस्फी थाना क्षेत्र का रहने वाला कुख्यात तस्कर प्रभाकर चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

धनबाद-गिरिडीह मार्ग पर बस और पिकअप में टक्कर :पांच यात्री एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती

धनबाद, एजेंसी। पुरुलिया से गिरिडीह जा रही बस धनबाद में सड़क हादसे का शिकार हो गई। बस और पिकअप में टक्कर की वजह से यह हादसा हुआ। पिकअप में अधिक लोड होने के कारण यह टक्कर हुई। हादसे में कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को सुरक्षित निकालकर धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेजा। अब तक पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें महिला यात्री भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में काफी संख्या में लोग सवार थे, लेकिन कई लोग बाल-बाल बच गए। एसएनएमएमसीएच के डॉक्टरों ने घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देना शुरू कर दिया है। सभी घायलों की स्थिति गंभीर है और उनका इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोग और यात्री हादसे के बाद घटना स्थल पर जुट गए और घायलों की मदद में शामिल हुए।

स्टील गेट में दो गुटों में मारपीट, पथराव में कार का शीशा टूटा

धनबाद, एजेंसी। स्टील गेट मोड़ पर मंगलवार को दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान पथराव भी हुआ। इसमें एक कार क्षतिग्रस्त हो गयी। जानकारी के अनुसार, एक गुट कोलाकुसमा और दूसरा कुसुम विहार का था। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों गुटों में पहले एसएनएमएमसीएच के पास लड़ाई हुई थी। इसके बाद कुसुम विहार का गुट अपनी कार लेकर स्टील गेट मोड़ पर खड़ा था। तभी कोलाकसमा के गुट के युवक बाइक से वहां पहुंचे और कार पर पथराव कर शीशा तोड़ दिया। चश्मदीदों का कहना है कि पूरा विवाद लड़की के चक्कर में हुआ। घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही कार में बैठे युवक वहां से फरार हो गये। कुछ देर बाद कोयला नगर का टीवी सेंटर निवासी कार मालिक मौके पर पहुंचा। उसने बताया कि उसने कार अपने दोस्तों को दी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद उसने युवकों को कई बार फोन किया, लेकिन वे नहीं लौटे। इसके बाद पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों गुटों के बीच पहले से तनातनी चल रही थी, जो मंगलवार को मारपीट और पथराव तक पहुंच गयी।

कोडरमा में गैस कंपनी के गोदाम में चोरी :छत का दरवाजा तोड़ चोर 8 लाख के उपकरण ले गए

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में एक बड़ी चोरी का मामला सामने आया है। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो में गैस पाइपलाइन का काम कर रही ओवल प्रोजेक्ट कंपनी के गोदाम से लाखों रुपए के उपकरण चोरी हो गए। कंपनी के साइट इंजीनियर विक्रांता कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी कंपनी 2019 से झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के तहत घर-घर गैस पाइपलाइन कनेक्शन का काम कर रही है। गोदाम गुमो के राजपूत मोहल्ले में सत्यनारायण सिंह के मकान में है। 14 अगस्त की शाम को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टियों के कारण गोदाम में ताला लगाकर कर्मचारी ऑफिस चले गए। मंगलवार को जब गोदाम खोला गया तो सारा सामान गायब मिला। जांच में पता चला कि चोरों ने छत का दरवाजा तोड़कर गोदाम में प्रवेश किया। विक्रांता कुमार के अनुसार, चोरी हुए उपकरणों की कीमत लगभग 7-8 लाख रुपए है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बिरसा मुंडा पार्क का मेंटेनेंस करने में नाकाम साबित हो रहा नगर निगम, गंदगी का अंबार, टूट गये सरकारी झूले

धनबाद, एजेंसी। शहर का बिरसा मुंडा पार्क बदहाली का शिकार हो गया है। कभी लोगों के लिए सुकून और बच्चों के लिए मनोरंजन का ठिकाना माना जाने वाला यह पार्क अब उपेक्षा की मार झेल रहा है। पार्क में लगे झूलों की स्थिति बेहद खराब है। कई झूले टूट कर एक किनारे फेंक दिये गये हैं। स्लाइडर झूले में बड़े-बड़े छेद हो चुके हैं। बच्चों को लटकने वाले झूलों पर अब झाड़-झंखाड़ उग आये हैं। झूले के नीचे जगह-जगह कीचड़ और पानी भरा हुआ है। इससे न सिर्फ बच्चों का खेलना मुश्किल हो गया है, बल्कि दुर्घटना का डर भी बना रहता है। पार्क की अपनी टॉय ट्रेन ब्रेकर टूट गया है। कैटर पिलर झूले किसी काम के नहीं रहे। ड्रेगन ट्रेन, धूम व वोटैक्स रनिंग कंडिशन में है। पार्क में लगे नल लंबे समय से बंद पड़े हैं। प्यास लगे तो बोतलबंद पानी खरीदना विवशता है। चारों ओर फैली गंदगी से दुर्गंध उठती रहती है। इससे पार्क में टहलना भी मुश्किल हो गया है। विडंबना यह है कि पार्क में निजी झूले और सुविधाएं चकाचक हैं, जबकि सार्वजनिक झूले और साधन पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्क की हालत सुधारने के लिए नगर निगम और पार्क प्रबंधन को तुरंत कदम उठाने चाहिए, वरना यह स्थल लोगों के लिए बोझ और शर्मिंदगी का कारण बनकर रह जाएगा। इधर, नगर निगम के अधिकारी की मानें तो पिछले साल सभी झूले की मरम्मत व रंग रोगन कराया गया था। झूले की टूटने की जानकारी नहीं है। बुधवार को स्पॉट जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

रांची, चतरा, खूंटी, गुमला और लातेहार सदर अस्पताल में शुरू होगा 10 बेड का आईसीयू

रांची, एजेंसी। अब जिलों के सदर अस्पताल में भी गंभीर मरीजों का इलाज हो सकेगा। पहले चरण में पांच जिले रांची, चतरा, खूंटी, गुमला व लातेहार के सदर अस्पताल में 10 बेड की आईसीयू को आधुनिक बनाया जा रहा है। दूसरे चरण में शेष 19 जिलों में इसे लागू किया जाएगा। खास बात यह है कि मरीज भले ही उन जिलों के सदर अस्पताल में भर्ती रहेंगे, पर उनका पल्स, बीपी, हार्ट रेट आदि की मॉनिटरिंग सीधे रिम्स के विशेषज्ञ चिकित्सक करेंगे। मरीज की स्थिति देखते हुए उन्हें कौन सी दवा देनी है? कौन-कौन सी जांच करानी है?

हर बारीकी पर रिम्स के डॉक्टर संबंधित जिले में पदस्थापित चिकित्सकों को परामर्श देंगे। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इसका पूरा सेटअप पांचों जिलों के सदर अस्पताल और रिम्स में तैयार किया जा चुका है। रिम्स क्रिटिकल केयर के हेड डॉ। प्रदीप भट्टाचार्य के नेतृत्व इसका संचालन होगा। डॉ। सुदिप्तो बनर्जी नोडल ऑफिसर बनाए गए हैं।

रिम्स क्रिटिकल केयर के हेड डॉ। प्रदीप भट्टाचार्य ने बताया कि यह परियोजना ई-गवर्नमेंट फाउंडेशन की 5 स्तंभों वाली रणनीति - आधुनिक उपकरण, केयर सॉफ्टवेयर, टेली-आईसीयू नेटवर्क, व्यापक प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह परियोजना झारखंड के सरकारी अस्पतालों में आईसीयू सेवा की गुणवत्ता और पहुंच को व्यापक रूप से सुधारने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह परियोजना अब तक दस राज्यों में सक्रिय है और अब झारखंड में भी इसकी प्रभावी शुरुआत हो चुकी है।

10 बेडेड आईसीयू को लेकर एक माह पहले रिम्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस सत्र में पांचों जिलों के डॉक्टरों, फिजिशियन्स और नर्सिंग स्टाफ ने हिस्सा लिया था। प्रशिक्षण में कई अहम विषय शामिल थे, जिनमें बीएलएस और एसीएलएस विषय पर भुवनेश्वर से प्रमाणित प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। पेलिएटिव केयर पर पल्लियम इंडिया के विशेषज्ञों ने, ट्रॉमा मैनेजमेंट पर आईजीआईएमएस पटना से एटीएलएस विशेषज्ञ और वेंटिलेटर व आईसीयू प्रोटोकॉल विषय पर रिम्स के क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग दी गई।

रिम्स के क्रिटिकल केयर विभाग के दूसरे तल्ले पर स्थित आईसीयू में कंप्यूटर, इंटरनेट से लेकर टेली कनेक्टिविटी का पूरा सेटअप तैयार कर लिया गया है। जिलों के लिए 10 बेड का आईसीयू सेटअप कर रही एजेंसी द्वारा डैस बोर्ड भी तैयार कर लिया गया है, जिसमें मरीज की स्थिति सीधे ऑनलाइन रिम्स में देखी जा सकेगी। लाइव कैमरा सेटअप, सेंट्रलाइज्ड सॉफ्टवेयर से लैस पेशेंट मॉनिटर लग चुका है। मरीज के सारे वाइटल्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से रिम्स में लाइव दिखाई देंगे। यह विवरण रियल टाइम होगा। इसकी मॉनिटरिंग भी डॉ. सुदिप्तो करेंगे।

पश्चिमी सिंहभूम में 47 शराब दुकानों के लिए टेंडर जारी, इस दिन होगी लॉटरी

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड सरकार के उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा पश्चिमी सिंहभूम जिले की 47 शराब दुकानों के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 8 अगस्त से शुरू हुई यह प्रक्रिया 20 अगस्त तक चलेगी, जिसमें इच्छुक आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 22 अगस्त को लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया जाएगा, जिसके बाद 1 सितंबर से शराब दुकानों का संचालन शुरू हो जाएगा। जिले में कुल 45 कंपोजिट और 2 देशी शराब की दुकानें संचालित होंगी।

निविदा प्रक्रिया में 20 समूह भाग ले रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक अधिकतम तीन दुकानों के लिए आवेदन कर सकता है। लॉटरी प्रक्रिया पाँच वर्षों के लिए मान्य होगी, जिसके बाद 2030 में पुनः लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। आवेदन शुल्क और सुरक्षा राशि- एक दुकान के लिए आवेदन शुल्क 15,063 रुपये निर्धारित है। लॉटरी में दुकान आवंटित होते ही 10 से 15 लाख रुपये की अग्रिम सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। यदि कोई आवेदक आवंटन के बाद दुकान लेने से इनकार करता है, तो सुरक्षा राशि पाँच वर्ष बाद ही वापस की जाएगी।

कंपोजिट दुकान की विशेषता- कंपोजिट शराब की दुकानों में देसी, विदेशी, बीयर समेत सभी ब्रांड की बिक्री की अनुमति होगी। इनके लिए कोई बिक्री लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। विभाग नकली या अवैध शराब की बिक्री पर नजर रखेगा। देसी शराब की दुकानों में अलग काउंटर बनाना अनिवार्य होगा।

सहायक आबकारी आयुक्त अरविंद कुजूर ने बताया कि अप्रैल में लाइसेंस का नवीनीकरण कराना होगा। यदि कोई दुकानदार नवीनीकरण नहीं कराता है, तो उसकी दुकान स्वतः ही निरस्त मानी जाएगी।

अवैध कफ सिरप की तस्करी का भंडाफोड़ : चाईबासा में 3600 बोतल कफ सिरप के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, ट्रक जब्त

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस ने अवैध कफ सिरप की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची से एक मालवाहक वाहन में भारी मात्रा में वनरेक्स कफ सिरप लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसपी के निर्देश पर जगन्नाथपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने जैतगढ़ जाने वाली सड़क पर आईटीआई मोड़ तोडांगहातु के पास चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक मालवाहक वाहन को रोका। वाहन की तलाशी में 30 पेटी में कुल 3600 वनरेक्स कफ सिरप बरामद हुई। बरामद कफ सिरप की कीमत लगभग 7 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है।पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राजेंद्र प्रधान (37), अमरदीप लागुरी (31) और सुनील तिर्की (28) शामिल हैं। जांच में पता चला कि इस अवैध धंधे का मुख्य सरगना अनिसुर रहमान उर्फ राजू है। पुलिस के अनुसार, यह कफ सिरप बिना किसी वैध कागजात के जैतगढ़ से जगन्नाथपुर और ओडिशा में बेचा जाना था। पुलिस ने वाहन और कफ सिरप को जब्त कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

105 दिनों में 5 रूट पर 9200 चालकों की जांच साढ़े तीन माह में नशे में गाड़ी चलाते मिले 183

रांची, एजेंसी। नशे की हालत में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस सख्त है। अलग-अलग इलाकों में चि?ह्नित जगहों पर लगातार ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया जा रहा है। पकड़े गए लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी कर रही है। बावजूद इसके वाहन चालक नशे की हालत में गाड़ी चलाने से बाज नहीं आ रहे। नशे में गाड़ी चलाने वाले लोग अब मुख्य सड़क की बजाए ब्रांच रोड का इस्तेमाल करने लगे हैं। पुलिस ऐसी सड़कों को भी चिह्नित कर चेकिंग करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस विभाग के पास दर्ज आंकड़ों को मानें तो पिछले 105 दिनों में शहर के प्रमुख 5 रूट पर 9200 वाहन चालकों की जांच की गई है। इस दौरान 183 चालक नशे की हालत में गाड़ी चलाते पकड़े गए। सबसे ज्यादा 52 लोगों को जगन्नाथपुर ट्रैफिक थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा है। इसके बाद लालपुर ट्रैफिक थाना क्षेत्र में 50 वाहन चालक नशे की हालत में पकड़े गए हैं। चुटिया ट्रैफिक थाना क्षेत्र में भी लोग लगातार नशे की हालत में गाड़ी चला रहे हैं, जहां पुलिस ने 46 लोगों को नशे की हालत में पकड़ा है। ट्रैफिक पुलिस ने इनके खिलाफ न्यायालय में कार्यवाही के लिए अभियोजन भेजा है।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालक को फाइन काटकर छोड़ा जा सकता है। 6 महीने तक की जेल की सजा हो सकती है। 10 हजार रुपए तक जुर्माना लग सकता है या दोनों हो सकता है। दो या उससे ज्यादा बार नियम तोड़ने पर दो वर्ष तक की सजा हो सकती है। 15 हजार रुपए का जुर्माना हो सकता है या दोनों हो सकता है।

शहर में यातायात नियमों का उलंघन करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को अभियान चलाया। विभिन्न चौक-चौराहों पर वाहन सवारों की जांच हुई, जिसके बाद 297 वाहनों के चालान काटे गए। पुलिस ने प्रेशर हॉर्न लगाकर चलने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। इसके अलावा काला शीशा, फ्लैग/सूचक बोर्ड, साइलेंसर हटाकर चलने वाले वाहन, नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के अलावा गलत साइड से ड्राइविंग व ?ट्रिपल राइड वाहनों को भी पकड़ा गया। इन सभी को चालान काट कर छोड़ा।

कितने वाहनों पर किस कारण हुई कार्रवाई : प्रेशर हॉर्न - 26, काला शीशा लगे - 56, फ्लैग/सूचक बोर्ड लगे - 5, साईलेन्सर हटाकर चलने वाली बाइक - 3, नो-पार्किंग में लगे वाहन - 194, गलत साइड से वाहन चलाते - 2, टो- व्हीकल की संख्या - 4, ट्रिपल राइड बाइक - 4, स्टीकर या बोर्ड लगे वाहन - 3 पर कार्रवाई हुई।

चाईबासा पुलिस ने किया मादक पदार्थ तस्करी का भंडाफोड़, करीब 7 लाख रुपये का कफ सिरप जब्त

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर पुलिस को मंगलवार को मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत जैंतगढ़ जाने वाली सड़क पर आइटीआइ मोड़ तोड़ांगहातु के पास चेकिंग अभियान के दौरान रांची से आ रहे एक मालवाहक वाहन को जांच के लिए रोका।

जांच करने पर उसमें भारी मात्रा में ओनेरेक्स कफ सिरप मिला। जगन्नाथपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राफेल मुर्मू ने बताया कि जांच के दौरान रांची से तस्करी कर लाए गए कुल 30 पेटी मादक कफ सिरप में 3600 बोतल जब्त किया गया।

बरामद सिरप की अनुमानित बाजार कीमत करीब 7 लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने अपनी पहचान आनंदपुर थाना के चिरुमाथा स्कूल टोला निवासी राजेंद्र प्रधान, तोड़ांगहातु निवासी अमरदीप लागुरी और चारबंदिया निवासी सुनील तिर्की के रूप में की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्य सरगना जगन्नाथपुर के रहीमाबाद का अनिसुर रहमान उर्फ राजू है। पुलिस का मानना है कि इस सिरप की तस्करी नशे के रूप में इस्तेमाल के लिए की जा रही थी। इसे जैंतगढ़, जगन्नाथपुर के अलावा ओडिशा में खपाने की तैयारी थी। इस छापेमारी का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राफेल मुर्मू कर रहे थे।

टीम में थाना प्रभारी अविनाश हेम्ब्रम, अभिमन्यु कुमार, विश्वनाथ हेम्ब्रम, हवलदार अजीत एक्का और सिपाही मोहम्मद इबरार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। चालक की पहचान प्रकाश बेहरा के रूप में हुई है। पुलिस ने इस कार्रवाई को नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई बताया है और कहा है कि इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

इस प्रकार की कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने जनता से भी सहयोग की अपील की है ताकि नशा तस्करी रोकने के लिए कारगर कदम उठाए जा सकें।

नई कार के बदले बेची थी पेंट की हुई पुरानी गाड़ी, उपभोक्ता आयोग ने लगाया 2 लाख का जुर्माना

चाईबासा, एजेंसी। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, पश्चिमी सिंहभूम ने एएसएल मोटर्स (आदित्यपुर एवं चाईबासा) और इसके सब-डीलर पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

यह कार्रवाई नई कार की जगह डेंटिंग-पेंटिंग की गई पुरानी कार बेचने के मामले में की गई है। चाईबासा के पुलहातु निवासी दीपक कुमार ठाकुर ने आयोग में 27 जून 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने आरोप लगाया था कि 6 दिसंबर 2023 को उन्होंने टाटा नेक्सन स्मार्ट प्लस एसपी मॉडल की बुकिंग की थी, लेकिन डिलीवरी में उन्हें जंग लगी, पेंट की हुई और तकनीकी खराबी वाली गाड़ी दी गई।

ठाकुर ने लगभग 19 लाख 86 हजार रुपये के हर्जाने की मांग की थी। आयोग ने पाया कि कंपनी ने उपभोक्ता को बुक किए गए मॉडल से अलग वाहन दिया और उसमें री-पेंटिंग, दरवाजों में जंग और गियर की समस्या जैसे दोष थे।

इसे अनुचित व्यापार व्यवहार मानते हुए आयोग ने कंपनी को दोषी ठहराया। आयोग ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए एएसएल मोटर्स को निर्देश दिया कि वे 45 दिनों के भीतर दो लाख रुपये क्षतिपूर्ति अदा करें।

हजारीबाग में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस का एक्शन :23 युवक-युवतियां हिरासत में, फोरलेन में मौजूद 6 होटल सील

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिला प्रशासन ने मंगलवार को फोरलेन स्थित छह होटल और रेस्टोरेंट में छापेमारी की। प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि इन होटलों में अवैध देह व्यापार चल रहा है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 23 युवक-युवतियों को संदिग्ध अवस्था में हिरासत में लिया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस विशेष अभियान में होटल रेस्टोरेंट 7 डेज, होटल रुक्मणी, होटल 2 ईंट, होटल स्पाइसी, होटल सिद्धिविनायक और होटल वर्णिका को सील किया गया। एसपी अंजनी अनंजन के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई का नेतृत्व एसडीओ बैजनाथ कामती ने किया। सदर एसडीपीओ अमित आनंद समेत कई थाना प्रभारी और दंडाधिकारी भी मौजूद रहे।

छापेमारी के दौरान सभी चिन्हित होटल में संदिग्ध अवस्था में युवक-युवतियां मिले। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही कई लोग होटल और आसपास के क्षेत्रों से भाग निकले। एसडीओ बैजनाथ कामती ने कहा कि अवैध गतिविधियों में शामिल किसी को भी नहीं छोड़ा जाएगा। फोरलेन पर एक दर्जन से ज्यादा होटल-रेस्टोरेंट हैं। इनमें से छह को चिन्हित कर सील किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि हजारीबाग में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रांची के अल्पसंख्यक स्कूल की 15 छात्राओं ने शिक्षक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया

रांची, एजेंसी। रांची के रातू रोड स्थित एक अल्पसंख्यक स्कूल की छात्राओं ने अपने ही शिक्षक पर छेड़छाड़ और अश्लील हरकतों का आरोप लगाया है। छात्राओं का कहना है कि शिक्षक अभिषेक कुमार सिन्हा उनसे वीडियो कॉल पर कपड़े उतारने को कहते थे और होटल ले जाने की बात करते थे। 15 से ज्यादा छात्राओं के साथ ऐसी हरकतें हो चुकी हैं। एक छात्रा को होटल तक ले जाने के बाद उसने स्कूल आना ही छोड़ दिया। छात्राओं ने शिक्षा सचिव और अन्य अधिकारियों को गुमनाम पत्र भेजकर शिकायत दर्ज कराई।

सोशल मीडिया पर मामला वायरल होने के बाद मंगलवार रात रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने संज्ञान लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को तुरंत जांच करने का निर्देश दिया गया है। हालांकि देर रात तक पुलिस को छात्राओं या उनके परिजनों से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली थी।

प्रिंसिपल पर लीपापोती का आरोप : छात्राओं ने बताया कि उन्होंने सोमवार को स्कूल प्रिंसिपल अनुज कुमार सिंह को मामले की जानकारी दी थी। लेकिन कार्रवाई करने की जगह प्रिंसिपल ने केवल आरोपी शिक्षक को चेतावनी पत्र थमा दिया और पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया।

इतना ही नहीं, प्रिंसिपल ने स्टाफ पर भी दबाव बनाया और सभी से एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करवाए, जिसमें लिखा था कि उन्हें छह महीने पहले से घटना की जानकारी थी। कई शिक्षकों ने इसका विरोध किया, लेकिन दबाव डालकर उनसे भी साइन कराए गए।

जिला शिक्षा विभाग ने बनाई जांच कमेटी : जिला शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने कहा कि छात्राओं से छेड़छाड़ की शिकायत गंभीर है। इसकी जांच के लिए कमेटी गठित की गई है, जो बुधवार को रिपोर्ट देगी। यदि शिक्षक दोषी पाए गए तो सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी माना कि स्कूल प्रबंधन ने मामले को दबाने की कोशिश की है। वहीं, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने बताया कि प्रिंसिपल को नोटिस भेज दिया गया है। इसकी हार्ड कॉपी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

छात्राओं का आरोप है कि शिक्षक फरवरी 2024 से ऐसी हरकतें कर रहे हैं। शादी के बाद कुछ दिन तक तो सब ठीक रहा, लेकिन फिर उन्होंने पहले जैसी हरकतें शुरू कर दीं। छात्राओं ने शिक्षक के चैट और संदेश भी अधिकारियों को भेजे हैं। उनका दावा है कि आरोपी ने कई छात्राओं के अश्लील वीडियो अपने मोबाइल और लैपटॉप में रखे हैं, जिनकी जांच जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा, अलवर के पास बस-कंटेनर की भिड़ंत, दर्जनों घायल

अलवर, एजेंसी। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर अलवर में रफ्तार का कहर देखने को मिला। अलवर के पास कंटेनर और स्लीपर बस की जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में चालक की मौत हो गई तो वहीं डेढ़ दर्जन सवारियां घायल हुई हैं। घटना आज बुधवार सुबह 5 बजे के करीब बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए रेणी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बस में सवार राहुल ने लोगों ने बताया की सुबह 5 बजे के करीब बस अलवर जिले से क्रॉस हो रही थी तभी तेज धमाका हुआ तो उनकी नींद खुली, लेकिन तब तक सब कुछ बर्बाद हो गया था। बस के शीशे तोड़कर देखा तो सामने कंटेनर से बस टकरा चुकी थी। साथ ही बस चालक बुरी तरह से केबिन और कंटेनर के बीच फंसा हुआ था। बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन नहीं निकाल सके। मामले की सुचना 100 नम्बर पर दी गई । जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सवारियों को एम्बुलेंस की सहायता से अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। अचानक से हुए हादसे के बाद कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही बस में सवार लोग चींख पुकार मचाने लगे। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से छतिग्रस्त हो गया और लोग अपने परिचितों का देखने लगे। सुबह सुबह का समय होने पर आस पास के लोग भी मौके पर पहुंचे और घायल लोगों को बस से बाहर निकालने में जुट गए ।

कांग्रेस की 5 गारंटी डाल रहीं कर्नाटक के सरकारी खजाने पर दबाव, सीएजी ने चेताया

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक में कांग्रेस की तरफ से चलाई जा रहीं 5 योजनाओं पर सीएजी ने चिंता जताई है। हाल ही में जारी कैग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन योजनाओं के चलते राज्य के वित्त पर काफी दबाव पड़ रहा है। विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अगुवाई वाली प्रदेश सरकार ने पांच योजनाओं को लागू करने का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य की वित्तीय हालत में कोविड-19 के बाद हुए सुधारों पर भी इसका असर पड़ रहा है। 2023-24 के लिए जारी रिपोर्ट में कहा गया है, मौजूदा सब्सिडी/आर्थिक सहयोग या फायदों को युक्तिसंगत बनाए बगैर पांच गारंटियों को लागू करने से प्रदेश के संसाधनों पर असर पड़ेगा। साथ ही राजकोषीय घाटे और कर्ज के स्तर पर भी इसका प्रभाव होगा...। रिपोर्ट में गृहलक्ष्मी, गृह ज्योति, अन्न भाग्य, शक्ति और युवा निधि की समीक्षा की गई थी। यह पाया गया है कि 2023-24 में राजस्व का करीब 15 प्रतिशत इन पर खर्च हुआ। जबकि, उस दौरान राजस्व में इजाफा महज 1.8 फीसदी का हुआ और खर्च 12.5 फीसदी बढ़ गया। इसकी मुख्य वजह पांच गारंटी बताई गई हैं। कर्नाटक विधानसभा ने 'गिग' श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, उनकी सामाजिक, व्यावसायिक और स्वास्थ्य सुरक्षा की जिम्मेदारी उनके एग्रीगेटर को देने संबंधी एक विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी।

पश्चिमी यूपी के कई जिलों की सीटों पर रालोद की नजर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कई विधायक इन दिनों बेचैन हैं। उन्हें नींद में हैंडपंप दिखाई दे रहा है। हैंडपंप जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का चुनाव चिन्ह है। विधायकों को डर है कि कहीं गठबंधन में उनकी सीट न चली जाए। दरअसल, पश्चिमी यूपी सहित ब्रज क्षेत्र की कई सीटों पर आरएलडी ने अभी से निगाहें जमा दी हैं। इनमें मथुरा, आगरा, हाथरस, अलीगढ़ सहित कई जिलों की कुछ सीटें शामिल हैं। खबर है कि कुछ भाजपा नेता बागी तेवर दिखा रहे हैं तो कइयों को हैंडपंप का पानी पीने में भी परहेज नहीं है। योगी कैबिनेट के मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने हाल ही में रालोद को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह बयान जरूर लक्ष्मीनारायण का था, मगर इसे भावनात्मक समर्थन कई ऐसे विधायकों का था, जिन्हें अपनी सीट जाने का डर सता रहा है।

कर्नाटक में एससी आरक्षण में बड़ा बदलाव, तीन भागों में बंटी अनुसूचित जातियां

बेंगलुरु, एजेंसी।
हरियाणा की तर्ज पर अब कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा लागू किया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण लागू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह निर्णय लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए लिया गया है, खासकर एससी लेफ्ट (मदिगा) और एससी राइट (होलेया) समुदायों की मांगों को ध्यान में रखते हुए। नए फॉर्मूले के तहत, 17 प्रतिशत आरक्षण में से छह प्रतिशत एससी लेफ्ट समुदाय, छह प्रतिशत एससी राइट समुदाय और पांच प्रतिशत लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा जैसी अन्य उप-जातियों के लिए निर्धारित किया गया है।

यह निर्णय जस्टिस एच.एन. नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। आयोग ने छह प्रतिशत एससी लेफ्ट, पांच प्रतिशत एससी राइट, चार प्रतिशत लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा जैसी स्पृश्य जातियों और एक प्रतिशत प्रत्येक खानाबदोश समुदायों जैसे आदि कर्नाटक, आदि द्रविड़ और आदि आंध्र के लिए सुझाया था। हालांकि, मंत्रिमंडल ने खानाबदोश और आदि कर्नाटक, आदि द्रविड़, आदि आंध्र के लिए अलग एक प्रतिशत आरक्षण को हटाकर तीन श्रेणियों का नया मैट्रिक्स स्वीकार किया।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के फैसले के बाद संभव हुआ, जिसमें राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने की शक्ति दी गई थी। कर्नाटक में अनुसूचित जातियों की 101 उप-जातियां हैं, जिनमें मदिगा (एससी लेफ्ट) और होलेया (एससी राइट) प्रमुख हैं। मदिगा समुदाय ने लंबे समय से तर्क दिया है कि वे सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और मौजूदा आरक्षण का लाभ मुख्य रूप से स्पृश्य जातियों और होलेया समुदाय को मिलता है। नागमोहन दास आयोग ने मई से जुलाई 2025 तक व्यापक सर्वेक्षण किया, जिसमें कर्नाटक की अनुमानित 1.16 करोड़ अनुसूचित जाति आबादी में से 93 प्रतिशत को शामिल किया गया। इस सर्वेक्षण में 27.24 लाख परिवारों से 1.07 करोड़ लोगों के आंकड़े एकत्र किए गए। आयोग ने 4 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को अपनी 1,766 पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी, जिसे 7 अगस्त को मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मंत्रिमंडल ने आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार किया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव किए। नए फॉर्मूले के तहत, 17 प्रतिशत आरक्षण में से एससी (दक्षिणपंथी) और एससी (वामपंथी) को 6-6 प्रतिशत, जबकि स्पृश्य दलित समुदायों (लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा) और अति पिछड़े तथा खानाबदोश समुदायों को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। हालांकि, कुछ समुदायों ने इस फैसले का विरोध किया है। लंबानी और भोवी जैसे स्पृश्य समुदायों ने पांच प्रतिशत आरक्षण को अपर्याप्त बताते हुए इसे छह प्रतिशत करने की मांग की है। खानाबदोश समुदायों ने एक प्रतिशत अलग आरक्षण हटाने पर नाराजगी जताई है। कैबिनेट की बैठक के बाद विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक सार्थक रही।

फरीदाबाद में 100 झुग्गियों पर बुलडोजर ऐक्शन, बाजार की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया

फरीदाबाद , एजेंसी।
फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने बाजार के लिए प्रस्तावित जमीन से अतिक्रमण हटाया। इस बाजार की जमीन पर अवैध रूप से सब्जीमंडी लगाई जा रही थी। इसके अलावा करीब 100 झुग्गियां, एक मीट शॉप और एक ढाबा का संचालन हो रहा था। आसपास लगते गांव के कुछ लोग इस सब्जीमंडी और झुग्गियों से किराया वसूल रहे थे।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने सेक्टर-52 में बाजार विकसित करने की तैयारी शुरू कर दी। मंगलवार को प्रस्तावित बाजार की जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर विरोध के बीच बुलडोजर चलाया गया। एचएसवीपी ने गुरुग्राम-मानेसर विकास योजना के तहत सेक्टर-52 में 2.89 एकड़ में बाजार प्रस्तावित किया हुआ है।

इस बाजार की जमीन पर अवैध रूप से सब्जीमंडी लगाई जा रही थी। इसके अलावा करीब 100 झुग्गियां, एक मीट शॉप और एक ढाबा का संचालन हो रहा था। आसपास लगते गांव के कुछ लोग इस सब्जीमंडी और झुग्गियों से किराया वसूल रहे थे। इनके कारण गंदगी की भरमार हो गई थी। इससे सेक्टरवासी बेहद परेशान थे। सेक्टर निवासियों ने इस सिलसिले में एचएसवीपी प्रशासक वैशाल सिंह और संपदा अधिकारी दो अनुपमा मलिक से शिकायत दी थी।

इनके आदेश के बाद जीएमडीए ने दो दिन पहले इस सेक्टर में मुनादी करवाकर जमीन को खाली करवाने के आदेश जारी किए थे। मंगलवार को ड्यूटी मैजिस्ट्रेट एचएसवीपी के उपमंडल अभियंता ज्ञानचंद सैनी के नेतृत्व में तोड़फोड़ दस्ता बुलडोजर लेकर पहुंच गया। उपमंउल अधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि झुग्गियां, दुकान और मंडी हटाने के लिए दो घंटे का समय दिया गया। इसके बाद तोड़फोड़ शुरू कर दी।

सीबीआई करेगी शिक्षिका मनीषा मौत मामले की जांच

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा के भिवानी जिले में शिक्षिका मनीषा की संदिग्ध मौत की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि भिवानी की बेटी मनीषा और उनके परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन पूरी गंभीरता और पारदर्शिता से काम कर रहे हैं। सीएम सैनी ने कहा कि वे खुद इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। परिवार की मांग को ध्यान में रखते हुए, हरियाणा सरकार ने निष्पक्ष जांच के लिए यह केस सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है।

मनीषा भिवानी के ढाणी लक्ष्मण गांव की निवासी थी और एक प्राइवेट प्ले स्कूल में टीचर थी। 13 अगस्त को उसका शव सिंघानी गांव के खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव की हालत बेहद खराब थी, गला रेता हुआ था और गर्दन की त्वचा, मांसपेशियां-हड्डियां गायब थीं। रेप की आशंका के चलते सैंपल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। 14 अगस्त को मनीषा के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और पुलिस पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आया। इस मामले की गुत्थी अभी तक पूरी तरह सुलझी नहीं है, जिस कारण स्थानीय लोगों में गुस्सा और बेचैनी बनी हुई है। मनीषा के परिवार और स्थानीय लोगों की लगातार मांग थी कि इसकी निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराई जाए। उनका आरोप था कि स्थानीय स्तर पर जांच में खामियां हैं।

उपमुख्यमंत्री बनने के बाद कैसे कर सकते हैं एक्टिंग? पवन कल्याण के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचा मामला

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के फिल्मों में अभिनय जारी रखने के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। पूर्व आईएएस अधिकारी विजय कुमार ने रिट याचिका में पवन को मनोरंजन से संबंधित गतिविधि में भाग लेने से रोकने के लिए अंतरिम आदेश की मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, विजय ने याचिका दायर कर पवन को फिल्मों में अभिनय, मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लेने, फिल्मों के निर्माण और विज्ञापनों में दिखाई देने से रोकने की मांग रखी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पवन ने अपने पद और सरकारी धन का दुरुपयोग अपनी हालिया फिल्म हरि हारा वीरा मल्लु के निर्माण में किया। हालांकि, हाई कोर्ट ने सीबीआई, एसीबी और पवन को नोटिस जारी करने की मांग को खारिज कर दिया। मामले की सुनवाई अगले

सप्ताह के लिए तय हुई है। वाईएनआर के पॉडकास्ट में हाल ही में विजय कुमार ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर करने का कारण बताया था। उन्होंने कहा कि अभिनेता-राजनेता का यह कृत्य असंवैधानिक है। उन्होंने कहा, पवन कल्याण आज आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री हैं। इसका मतलब है कि वे चौबीसों घंटे ड्यूटी पर हैं। कोई भी मंत्री जो संवैधानिक रूप से शपथ लेता है, वह अपने अन्य सभी व्यवसायों को पीछे छोड़ देता है। शपथ लेने के बाद वे फिल्मों में कैसे अभिनय कर सकते हैं? पूर्व आईएएस अधिकारी ने पवन कल्याण की ओर से टिकट की कीमतें बढ़ाने की सहमति देने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, वह फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं, उनका प्रचार कर रहे हैं। निर्माताओं को लाभ सुनिश्चित करने के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दे रहे हैं। डिप्टी सीएम ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने जानबूझकर टिकट की कीमतें बढ़ाईं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वे केवल पैसा कमाने के लिए फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। यह हितों का टकराव है। हमने इसके खिलाफ अब हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की है।

गाजियाबाद में जीडीए का बुलडोजर ऐक्शन, 60 हजार वर्ग मीटर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में जीडीए ने बड़ी कार्रवाई की है। करीब 60 हजार वर्ग मीटर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान विरोध कर रहे लोगों को प्रवर्तन टीम ने पुलिसबल के साथ खदेड़ दिया। लोगों को अवैध रूप से कॉलोनी विकसित नहीं करने की चेतावनी भी दी गई। जीडीए ने 60 हजार वर्ग मीटर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान विरोध करने वालों को प्रवर्तन टीम ने पुलिसबल के साथ खदेड़ दिया। आइएमएस कॉलेज डासना के निकट दीपक यादव, संजय सिंह, राहुल यादव,साजेब और अन्य द्वारा खसरा संख्या 1127 में करीब 20 हजार वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी बनाई जा रही थी। मंगलवार को जीडीए प्रवर्तन जोन पांच की टीम ने इसे ध्वस्त कर दिया।

गुरुग्राम में किराए के 10 रुपये के लिए ऑटो चालक को पीट कर मार डाला

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम पुलिस ने मंगलवार को 10 रुपये के किराए को लेकर हुए विवाद में एक ऑटो चालक की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। इससे पहले भी पुलिस ने 10 अगस्त को रवि नगर इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास हुई इस घटना के सिलसिले में दो अन्य को गिरफ्तार किया था। मृत ऑटो चालक की पहचान कन्नौज (उत्तर प्रदेश) के वारापुर गांव निवासी विपिन के रूप में हुई थी।

ऑटो चालक विपिन (19) ने बयान दिया था कि आरोपियों ने 10 रुपये अधिक किराया देने से इनकार करते हुए हमला बोला था। दस अगस्त

को विपिन ने घर पर कॉल करके बताया था कि रवि नगर पेट्रोल पंप के पास सवारी से किराए को लेकर उसका झगड़ा हो गया है। जब चाची व परिवार के अन्य लोग वहां पहुंचे तो आधा दर्जन से ज्यादा युवक विपिन को लाठी-डंडों से पीट रहे थे।

परिवार ने बचाने की कोशिश की तो उन युवकों ने उनके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए थे। इस मारपीट में विपिन गंभीर रूप से घायल हो गया था और निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। 16 अगस्त को उपचार के दौरान विपिन की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने 12 अगस्त को प्रयागराज (यूपी) के चक जयंतीपुर गांव निवासी राम विशाल दूबे और मानेसर की कृष्णा कॉलोनी निवासी लक्ष्मण को गिरफ्तार किया था।

इसके बाद दो और आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी की पहचान गुरुग्राम के खेडक़ी माजरा गांव निवासी 25 वर्षीय नेत्रपाल और 20 वर्षीय पदम के रूप में हुई है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ऑटो चालक के साथ 10 रुपये किराए को लेकर मारपीट की थी। पुलिस ने आरोपियों नेत्रपाल व पदम से वारदात को अंजाम देने में प्रयोग किया गया एक डंडा बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता एएसआई संदीप कुमार ने बताया कि आगामी कार्रवाई के लिए आरोपी नेत्रपाल व पदम को मंगलवार को अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है ताकि ऑटो चालक के साथ मारपीट करने वाले अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके।

बीईएसटी क्रेडिट सोसायटी चुनाव में खाता तक नहीं खुला

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे के साथ आने के बाद मुंबई में हुए पहले चुनाव में ही ही ठाकरे ब्रदर्स को बड़ा झटका लगा है। बीईएसटी क्रेडिट सोसायटी चुनाव में शिवसेना (क्क्ष) और एमएनएस गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है। 21 सीटों पर हुए चुनाव में गठबंधन एक भी सीट नहीं जीत सका।

बीईएसटी वर्कर्स यूनियन (शशांक राव पैनल) को 14 सीटें मिली हैं। भाजपा समर्थित पैनल को भी सिर्फ 7 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे गठबंधन खाता भी नहीं खोल सका।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने ठाकरे बंधुओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दो शून्यों का जोड़ हमेशा शून्य ही होता है, यह एक सरल गणित है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने स्थानीय चुनाव होने का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। यह चुनाव खास इसलिए भी था क्योंकि उद्धव ठाकरे गुट और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की पार्टी ने पहली बार मिलकर चुनाव लड़ा था। परिणाम में उन्हें करारी शिकस्त मिली और एक भी सीट नहीं मिली।

बीईएसटी वर्कर्स यूनियन के नेता शशांक राव ने इसे कर्मचारियों के विश्वास की जीत बताया।

राजस्थानः अंता उपचुनाव में बीजेपी किसे देगी टिकट-स्थानीय चेहरा या बाहरी उम्मीदवार?

जयपुर, एजेंसी।
अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव का बिगुल बजते ही सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द होने के बाद यह सीट खाली हुई और अब कांग्रेस व बीजेपी दोनों ही दल इस जंग में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नई-नई चालें चल रहे हैं। कांग्रेस ने अभी तक अपना उम्मीदवार तय नहीं किया है, लेकिन बीजेपी में टिकट को लेकर जबरदस्त घमासान मचा हुआ है। पार्टी के भीतर दावेदारों की इतनी लंबी फेहरिस्त है कि प्रदेश नेतृत्व के लिए फैसला करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा।

बीजेपी खेमे में टिकट के लिए कई बड़े और छोटे चेहरे मैदान में उतर चुके हैं। अंता प्रधान प्रखर कौशल, पूर्व जिला अध्यक्ष आनंद गर्ग, पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा की पत्नी भगवती देवी, खानपुर के पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, पूर्व जिला प्रमुख नंदलाल सुमन, संघ पृष्ठभूमि के महावीर सिंह हाड़ा, युवा नेता जयेश गालव और विष्णु गौतम–ये सभी नाम टिकट की दौड़ में सबसे आगे बताए जा रहे हैं।

हर कोई अपने-अपने समर्थकों को सक्रिय कर रहा है और पार्टी आलाकमान पर दबाव बनाने में जुटा है। स्थानीय कार्यकर्ताओं से लेकर समाज के बड़े वर्ग तक को अपने पक्ष में करने की कवायद शुरू हो चुकी है।

अंता सीट पर पिछले चार चुनावों में बीजेपी ने बाहरी चेहरों पर भरोसा जताया था। प्रभुलाल सैनी और कंवरलाल मीणा इसके ताजा उदाहरण हैं। लेकिन अब स्थानीय कार्यकर्ताओं और समाज के नेताओं ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार किसी भी हाल में बाहरी चेहरा मंजूर नहीं होगा।

पार्टी में यह आवाज तेज हो गई है कि टिकट सिर्फ स्थानीय चेहरे को ही दिया जाए। कई समाजों की बैठकों में भी यह मांग गूंज उठी है। खासतौर पर माली समाज ने अपने वोट बैंक का हवाला देते हुए टिकट में हिस्सेदारी की मांग रख दी है। ऐसे में बीजेपी के लिए यह समीकरण बड़ा सिरदर्द बन गया है। अगर पार्टी फिर बाहरी उम्मीदवार को मैदान में उतारती है, तो कार्यकर्ताओं की बगावत तय मानी जा रही है।

इसी बीच पार्टी के भीतर खींचतान को और हवा तब मिली जब पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग के समर्थकों की बैठक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो

गया। इस वीडियो में समर्थक कहते नजर आए– टिकट मिले या न मिले, हम मैदान में रहेंगे। पार्टी अगर किसी और को टिकट देगी तो हम उसका साथ नहीं देंगे।

यह बयान जैसे ही सामने आया, पार्टी के भीतर हलचल मच गई। वीडियो ने साफ कर दिया कि कार्यकर्ता किसी भी कीमत पर मनमर्जी का उम्मीदवार स्वीकार नहीं करेंगे। जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार को भी सामने आना पड़ा। उन्होंने वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मामले की जांच की जाएगी और इसे प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन इस घटनाक्रम ने यह तो साबित कर दिया कि अंदरूनी खींचतान अब सतह पर आ चुकी है।

बीजेपी के लिए अंता उपचुनाव आसान नहीं दिख रहा। एक ओर दावेदारों की लंबी कतार है, दूसरी ओर स्थानीय कार्यकर्ताओं और समाजों का दबाव। यदि पार्टी ने बाहरी उम्मीदवार को उतारा तो बगावत का खतरा बढ़ जाएगा। वहीं अगर स्थानीय चेहरे को मौका दिया जाता है, तो गुटबाजी को कुछ हद तक काबू में किया जा सकता है।

मगर चुनौती सिर्फ यही नहीं है। पार्टी को यह भी देखना होगा कि उम्मीदवार ऐसा हो जो न केवल संगठन को एकजुट कर सके, बल्कि मतदाताओं के बीच भी स्वीकार्य चेहरा बने। वरना विरोधी दल कांग्रेस इस असंतोष का फायदा उठाकर जीत की राह बना सकती है।

जहां बीजेपी टिकट के नाम पर खेमों में बंटी नजर आ रही है, वहीं कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस की यही चुप्पी बीजेपी की बेचैनी और बढ़ा रही है। कांग्रेस इस इंतजार में है कि बीजेपी किसे मैदान में उतारती है और फिर उसी हिसाब से अपनी रणनीति तय करेगी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस इस बार पूरी तैयारी के साथ उतरना चाहती है। पिछले उपचुनावों में कांग्रेस को स्थानीय समीकरणों का फायदा मिला था, और इस बार भी वह उसी रणनीति पर काम कर सकती है। बीजेपी के लिए यह उपचुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। प्रदेश नेतृत्व पर टिकट तय करने का दबाव है, लेकिन हर नाम के साथ अपने-अपने समीकरण और विवाद जुड़े हैं। ऐसे में यह फैसला आसान नहीं होगा कि किसे टिकट दिया जाए।

अगर पार्टी ने किसी ऐसे उम्मीदवार को आगे किया जिसे कार्यकर्ता पसंद नहीं करते, तो अंदरूनी बगावत से नुकसान तय है। वहीं अगर सही चेहरा चुना गया तो पार्टी की नैया पार भी हो सकती है। अंता उपचुनाव का समीकरण अब पूरी तरह से बीजेपी के टिकट पर टिक गया है। कौन बनेगा उम्मीदवार? किसके सिर सजेगा जीत का ताज? यह सवाल हर कार्यकर्ता, हर समाज और हर राजनीतिक हलके में गूंज रहा है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

दिल्ली में बेखौफ होते अपराधी, हत्याओं में भी इजाफा

देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था बाकी जगहों के मुकाबले ज्यादा चाक-चौबंद होगी, ताकि आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग दुस्साहस करने से खौफ खाएं। मगर हकीकत यह है कि यहां आए दिन जघन्य अपराधों की घटनाएं भी एक चिंताजनक स्वरूप में सामने आ रही हैं। ऐसा लगता है कि बेहद मामूली बात पर आक्रामक हो जाने वाले लोगों के भीतर न तो धीरज और विवेक है और न उन्हें पुलिस या कानूनी कार्रवाई का कोई खौफ है। वरना क्या वजह है कि साधारण बातों पर भी कुछ लोग इस कदर हिंसक हो जाते हैं कि वे किसी की हत्या तक कर डालते हैं। दिल्ली में निजामुद्दीन इलाके के जंगपुरा भोगल बाजार में एक व्यक्ति ने सिर्फ अपने दरवाजे के सामने से स्कूटी हटाने के लिए कहा और इतनी-सी बात पर दो सगे भाइयों ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी जान चली गई। इस घटना में एक तथ्य यह भी है कि मृतक युवक अभिनेत्री हुमा कुरैशी का चचेरा भाई था। मगर इससे अपराध की प्रकृति में कोई फर्क नहीं पड़ा। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों ने कुछ दुराग्रहों की वजह से सोच-समझ कर मृतक को निशाना बनाया था। संभव है कि पुलिस की जांच के बाद अपराध की मंशा स्पष्ट होकर सामने आए। यों पिछले कुछ समय में ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें स्कूटी हटा लेने या अन्य बेहद मामूली-सी बात के लिए किसी व्यक्ति की हत्या कर दी गई। यह विडंबना आज एक हकीकत बन चुकी है कि किसी अनदेखी करने लायक बात पर भी दो पक्षों में हिंसक टकराव हो जाता है। फिर आवेश में आकर हत्या करने का आरोपी जब पुलिस की गिरफ्त में आता है और अगर न्याय सुनिश्चित हो पाता है, तब उसकी जिंदगी भी सींखचों के भीतर कटती है। जाहिर है, यह साधारण स्थितियों में विवेक खो देने का नतीजा है, जिसमें कोई व्यक्ति यह सोचने लायक तक नहीं रह जाता है कि क्या किसी छोटी बात पर इतना आक्रामक और बेलगाम होना ठीक है या फिर आपराधिक घटना के बाद जब कानून अपना काम करेगा, तब उन्हें किस स्थिति का सामना करना पड़ेगा। अफसोस की बात यह है कि पुलिस और कानूनी कार्रवाई का भय ऐसे अपराधों पर लगाम कसने के मामले में नाकाम दिखता है।

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है।

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है।

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि

वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है। विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है।

मोदी का मिशन सुदर्शन चक्र राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल देगा

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2035 तक देश के सभी महत्त्वपूर्ण स्थल– रणनीतिक क्षेत्र, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थल, इस सुरक्षा कवच के दायरे में लाए जाएँगे। यह कवच पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित होगा और समय के साथ इसे मजबूत, विस्तारित और आधुनिक किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से 'मिशन सुदर्शन चक्र' की घोषणा की जोकि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा रणनीति में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सीमा-पार सैन्य झड़पों के महज़ तीन महीने बाद आया यह ऐलान दर्शाता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर न केवल गंभीर है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए दीर्घकालिक तैयारी भी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2035 तक देश के सभी महत्त्वपूर्ण स्थल– रणनीतिक क्षेत्र, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थल, इस सुरक्षा कवच के दायरे में लाए जाएँगे। यह कवच पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित होगा और समय के साथ इसे मजबूत, विस्तारित और आधुनिक किया जाएगा। हम आपको बता दें कि मिशन सुदर्शन चक्र को इजराइल के 'आयरन डोम' और अमेरिका के प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली के समकक्ष माना जा रहा है। फर्क यह है कि इजराइल एक छोटा देश है जबकि भारत को बहुत बड़े क्षेत्र को सुरक्षा कवच में लेना होगा। इसके लिए बहु-स्तरीय एयर और मिसाइल डिफेंस नेटवर्क, अर्ली वॉर्निंग और ट्रैकिंग सेंसर, भूमि और समुद्र आधारित इंटरसेप्टर मिसाइलें और अंतरिक्ष संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जायेगा।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया था कि यह प्रणाली केवल शत्रु के हमलों को विफल नहीं करेगी बल्कि कई गुना ज़्यादा ताक़त से जवाबी कार्रवाई भी करेगी। इससे संकेत मिलता है कि भारत अपने पारंपरिक (गैर-परमाणु) शस्त्रागार में और विस्तार करने जा रहा है। इसके तहत 500 किमी रेंज की 'प्रलय' क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल, 1000 किमी रेंज की लैंड अटैक क्रूज़ मिसाइल और ब्रह्मोस की मारक क्षमता 450 किमी से बढ़ाकर 800 किमी करने जैसे ठोस कदम उठाये जा रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस प्रणाली ने तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों को विफल किया था। भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के अनुसार, रूसी मूल की स-400 प्रणाली ने पाकिस्तान के पाँच लड़ाकू विमान और एक विशेष मिशन विमान (300 किमी दूरी से) मार गिराया था। ये उपलब्धियाँ मिशन सुदर्शन चक्र की दिशा में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली हैं।

बताया जा रहा है कि इस मिशन को डीआरडीओ के महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'कुशा' से भी जोड़ा जा रहा है। यह प्रणाली 150, 250 और 350 किमी रेंज तक दुश्मन के लक्ष्यों को भेद सकेगी। इसका पहला चरण 2028-29 तक तैयार होने की उम्मीद है। साथ ही, स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली भी तैनाती के लिए तैयार की जा सकती है जो 2000 किमी तक की दुश्मन मिसाइलों को धरती के अंदर (एंडो) और बाहर (एक्सो) दोनों परतों में नष्ट करने की क्षमता रखती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष भारत ने 5000 किमी रेंज वाली परमाणु-सक्षम दुश्मन मिसाइल को भी इंटरसेप्ट कर सफल परीक्षण किया था।

देखा जाये तो यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत की परियोजनाओं को नष्ट करने और परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे थे। दूसरी ओर, चीन लगातार अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। ऐसे माहौल में मिशन सुदर्शन चक्र केवल भारत के लिए सुरक्षा कवच ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संदेश भी है कि भारत अब अपनी सीमाओं और नागरिक ढाँचों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः आत्मनिर्भर और आक्रामक रक्षा नीति की ओर बढ़ रहा है।

बहरहाल, 'मिशन सुदर्शन चक्र' भारत की रक्षा रणनीति में एक निर्णायक कदम है। यह न केवल जनता में सुरक्षा का भरोसा जगाता है, बल्कि दुनिया को यह संकेत भी देता है कि भारत भविष्य के युद्ध परिदृश्यों के लिए तैयार है। जिस प्रकार महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र शत्रु के लिए अजेय था, उसी प्रकार यह मिशन आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का अटूट प्रतीक बन सकता है।

आज का राशिफल

मेष
आज दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरी करने वाले लोग अपने काम में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। ऐसे में आसपास के लोग आपकी सराहना भी करेंगे। वहीं, सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। व्यापार के मामले में दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी होगी, लेकिन शाम के समय आपके रुके हुए काम बन सकते हैं।

वृष
आज दिन शुभ और सुकून भरा रहने वाला है। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है और सफलता भी मिलेगी। शासन और सत्ता से मेलजोल होने के कारण आपको अच्छा मुनाफा हो सकता है। आपकी प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क
आज कारोबार के मामले में आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। चन्द्रमा नवम भाव में होने से आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। संतान की ओर से भी आपको कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

सिंह
आज नौकरी में आमदनी के नए स्त्रोत बन सकते हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार कार्यक्षेत्र में सम्मान दिलाएगी। वहीं, विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता प्राप्त हो सकती है। लेकिन ज्यादा देर बाहर रहने से आपको शारीरिक थकान और नेत्र से जुड़ी समस्या हो सकती है।

मिथुन
आज किसी भी प्रकार की यात्रा के समय सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खो या चोरी हो सकती है। ऐसे में यात्रा को इस समय टालना बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त हो सकती है। इसी के चलते मन भी प्रसन्न रहेगा।

कन्या
आज दिन उत्तम रहने वाला है और भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। व्यापार और कारोबार के मामले में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे हैं तो उसमें भी आपको जीत हासिल हो सकती है।

तुला
आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण बना रहेगा, जिससे मन भा प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में चल रही समस्याएं अब दूर हो सकती हैं। वहीं, अगर पैसों की लेन-देन में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी अब दूर होगी। धन प्राप्ति के भी शुभ संकेत मिल रहे हैं, जिससे सुकून महसूस होगा।

वृश्चिक
आज आपको सावधान रहने की जरूरत है। साथ ही, स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना होगा। कोई भी समस्या होने पर डॉक्टर के पास जरूर जाएं। व्यापार के मामले में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मकर
आज आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रहने वाला है और आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर अधीनस्थ कर्मचारियों का सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा। ऐसे में आपके कई काम आसानी से पूर्ण हो जाएंगे। निजी जीवन में किए गए नए प्रयास भी अब सकारात्मक परिणाम देंगे और शाम के समय घर पर मेहमान दस्तक दे सकते हैं।

कुंभ
आज दिन कुछ परेशानियों और बाधाओं से भरा रह सकता है। व्यापार के मामले में कुछ कार्यों में आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर आपको विरोधियों से भी सावधान रहना होगा और इस समय कोई भी जोखिम भरा फैसला लेने से बचें। अन्यथा नुकसान हो सकता है।

धनु
आज रोजगार और व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से जान पहचान या मित्रता होने से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी दिन शुभ रहेगा और किसी मामले में आपको ससुराल पक्ष से धन प्राप्त हो सकता है।

मीन
आज कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाते समय आपको सावधानी बरतनी होगी। ऐसा न करने से कोई मूल्यवान वस्तु चोरी या खो हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचें और आर्थिक मामलों में भी सतर्क रहें। अगर जीवनसाथी के साथ लंबे समय से किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था तो वह अब दूर हो सकता है।

वर्ग पहेली 5828

1	2	3		■	4	5	
6			■	7			■
8		■	9			■	10
■	11	12	■	13		■	
14	■		■	15		16	
17	18		19	■	20		■
21		■		■	22		■
■	23		■	24			■

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस द्वीप समूह की राजधानी माले है (4)
4. सर्वाधिक लंबी तटीय सीमा इस महाद्वीप की है (3)
6. दुलारा लड़का, प्यारा बालक (3)
7. पश्चिमी अफ्रीका देश घाना की यह राजधानी है (3)
8. वाक्य का अपभ्रंश, बोलने की इंद्रिय (2)
9. झापड़, थप्पड़ (3)
11. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)
13. नदी का पुल्लिंग (2)
15. लालायित होना, वांछित वस्तु का प्राप्त न होना (4)
17. इस देश का भी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त है (1971)(4)
20. शरीर, वस्त्र आदि पर जमी गर्द, धूल आदि (2)
21. फौज का दस्ता (2)
22. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट स्थित पेरू देश की यह राजधानी है (2)
23. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु (2)
24. खूबसूरत, प्रियदर्शन, रूपवान (3)

ऊपर से नीचे
1. लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
2. प्रबल अभिलाषित होना (4)
3. दयनीय दशा वाला, गरीब, दरिद्र (2)
4. राजेंद्र सिंह बेदी का इस कृति पर फिल्म निर्माण हो चुका है (8)
5. रक्तवाहिनी, नलिका, नस (2)
7. धरोहर, थाती (4)
10. मध्य यूरोप के देश ऑस्ट्रिया की यह राजधानी है (3)
12. उत्तरप्रदेश के कुछक्षेत्रों में खिचड़ी को यह भी कहते है (3)
14. जाकिर हुसैन का नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा (3)
16. इस सुपर स्टार की जन्म स्थली इंदौर है (4)
18. भेड़ या बकरी का बच्चा, मेष राशि (3)
19. लाभ, मुनाफा (2)

वर्ग पहेली 5827 का हल

घा	ना	■	क	पि	ल	दे	व
म	ह	ल	■	टा	ट	■	च
■	क	क	ह	रा	■	स	न
ली	■	वा	र	■	न	■	■
मा	घ	■	ता	र	के	श्व	र
■	मा	त	लि	■	ल	■	ह
प्या	सा	■	का	शी	■	या	म
र	न	वे	■	ला	य	क	■

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5828

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5827

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

महिला विश्व कप 2025:

BCCI ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होकर यह टूर्नामेंट 8 टीमों के बीच खेला जाएगा। नीतू डेविड की अगुवाई वाली महिला चयन समिति ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। टीम की घोषणा के बाद नीतू डेविड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी स्क्वॉड का ऐलान किया। इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

शेफाली वर्मा को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली: आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है, जो लंबे समय से यह जिम्मेदारी निभा रही हैं। टीम में प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हालांकि, शेफाली वर्मा को इस बार टीम से बाहर रखा गया है। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा और इसी कारण उन्हें स्क्वॉड में जगह नहीं मिल पाई। फिलहाल वह भारतीय ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप 2025 शेड्यूल घोषित : आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत अपना पहला मुकाबला 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 5 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। 9 अक्टूबर को भारत का मैच साउथ अफ्रीका से, 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से और 26 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित होगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो के न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा, जबकि भारत में मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में होंगे।

● वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का स्क्वॉड :

कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ टीम में शामिल हैं- स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्नी चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग:

केशव महाराज बने नंबर वन गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। महाराज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लेकर सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। केशव महाराज दो स्थान की छलांग लगाते हुए 687 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा और भारत के कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। तीक्ष्णा दूसरे जबकि कुलदीप तीसरे स्थान पर चले गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज चौथे, अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें, न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर छठे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी सातवें, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आठवें, भारत के रवींद्र जडेजा नौवें और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दसवें स्थान पर हैं।

शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 गेंदबाज स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी एकमात्र तेज गेंदबाज हैं, जिनका नाम वनडे के शीर्ष दस गेंदबाजों की सूची में शामिल है। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को हुए वनडे मैच में 10 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। उनके दमदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन की जरूरत थी।

केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। महाराज दक्षिण अफ्रीका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने 59 टेस्ट में 203, 49 वनडे में 63 और 39 टी20 में 38 विकेट लिए हैं। उनके कुल अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 304 है।

शॉन पोलॉक 823 विकेटों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल गेंदबाज हैं। पोलॉक ने 421 टेस्ट, 387 वनडे और 15 टी20 विकेट लिए हैं।

एशिया कप के लिए श्रेयस अय्यर की जगह बनाई जा सकती थी: चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए बीसीसीआई ने 19 अगस्त को टीम की घोषणा कर दी। 15 सदस्यीय टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में एशिया कप के लिए टीम के साथ रखा जा सकता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा है कि श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर रखने की वजह से उनके टी20 करियर को लेकर बोर्ड की तरफ से कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, श्रेयस अय्यर ने शॉर्ट गेंद के खिलाफ अपनी कमजोरी में सुधार किया है। स्पिन को बेहतर खेलते हैं। आईपीएल में 175 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए और अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को फाइनल में लेकर गए। इसके बावजूद उन्हें एशिया कप की मुख्य और रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह न मिलना हैरान करता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा का नाम रिजर्व खिलाड़ियों में है, लेकिन यहां भी श्रेयस का नाम नहीं है। रिजर्व सूची में उनका नाम होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि श्रेयस अय्यर को टीम में आने के लिए और क्या करना होगा। श्रेयस जो कर चुके हैं, उससे ज्यादा क्या कर सकते हैं? आईपीएल में अपनी कप्तानी में पंजाब को फाइनल में ले गए, 600 से अधिक रन बनाए, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया, रणजी खेला और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एक इंसान के तौर पर आप बस इतना ही कर सकते हैं। आकाश ने कहा कि यह एशिया कप है।

इसे विश्व कप से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर श्रेयस वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह बना सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे।

श्रेयस अय्यर भारत की तरफ से 51 टी20 मैचों की 47 पारियों में 136.13 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बना चुके हैं। इस दौरान 8 अर्धशतक उन्होंने लगाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 74 है।

रोहित शर्मा-विराट कोहली को द्वष्टष्ट ने वनडे बैटिंग रैंकिंग से किया बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा व स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी ने अपनी ताजा वनडे बैटिंग रैंकिंग से बाहर कर दिया। आईसीसी ने वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग 20 अगस्त को जारी की, लेकिन इसमें टॉप 10 में कोहली और रोहित नजर नहीं आए जो इससे पहले की रैंकिंग में टॉप 10 में शामिल थे। आईसीसी ने जब वनडे के बल्लेबाजों की पिछली रैंकिंग जारी की थी उसमें रोहित शर्मा ने बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया था और वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। वहीं विराट कोहली उस रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे, लेकिन अब ताजा रैंकिंग में दोनों के नाम गायब हैं। अभी की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर बाबर आजम पहुंच गए हैं जबकि चौथे नंबर पर अभी चरित असलंका है। अब टॉप 10 से कोहली और रोहित का नाम आईसीसी ने क्यों हटा दिया और इसका क्या मतलब है इसका जबाव अभी आईसीसी के पास ही है। यहां सवाल ये है कि पिछली रैंकिंग के बाद जब बाबर आजम ने कोई मैच नहीं खेला है तो उन्होंने दूसरा स्थान कैसे हासिल कर लिया साथ ही साथ वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए। चलिए माना कि बाबर दूसरे नंबर पर चले भी गए तो रोहित शर्मा टॉप 10 से बाहर कैसे हो गए। उन्होंने कोई मैच नहीं खेला तो वो गिरकर नीचे आ सकते थे, लेकिन उन्हें रैंकिंग से एकदम से बाहर किया जाना तो कुछ ज्यादा ही अजीब लगता है।

Bo&ing:

विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों का ब्रिटेन अभ्यास दौरा बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों की अभ्यास के लिये ब्रिटेन यात्रा वीजा मिलने में विलंब के कारण बाधित हो गई है। भारतीय दल को रविवार को कई देशों के अभ्यास शिविर में भाग लेने शेफील्ड जाना था । चार से 14 सितंबर तक लिवरपूल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिये यह शिविर अहम माना जा रहा है। सिर्फ चार महिला मुक्केबाजों और कोचिंग स्टाफ के कुछ सदस्यों को ही वीजा मिल सका और वे ब्रिटेन पहुंचे हैं। दस सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम और छह महिला मुक्केबाज अभी भी एनआईएस पटियाला में हैं और वीजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय पुरूष मुक्केबाजों के पास सिर्फ एक कोच है क्योंकि मुख्य कोच धर्मेंद्र यादव समेत तीन अन्य कोच शेफील्ड में हैं। यादव ने कहा, हम तीन यहां पहुंच गए हैं लेकिन बाकी पुरूष मुक्केबाज वीजा का इंतजार कर रहे हैं। हमें बुधवार से अभ्यास शुरू करना था लेकिन इसे रद्द करना पड़ा क्योंकि हमें नहीं पता कि वीजा कब मिलेगा और मुक्केबाज यहां कब पहुंचेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कामकाज का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने कहा कि वह ब्रिटेन में भारतीय दूतावास, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के लगातार संपर्क में है। समिति के सदस्य अर्जुन मलिक ने कहा, लेकिन प्रक्रिया स्वचालित है जिससे किसी भी दखल से विलंब का समाधान नहीं निकल सकता । हमारी तरफ से पूरी तैयारी है लेकिन तस्वीर साफ होने पर ही बाकी सदस्य बिना विलंब के ब्रिटेन पहुंच सकेंगे ।

● वीजा विलंब से एथलीट परेशान

अभी तक 31 सदस्यीय दल में से 12 सदस्य इंग्लैंड पहुंच पाए हैं। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, मीनाक्षी, पूजा रानी और नुपूर शेरोन ही शेफील्ड पहुंच सके हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन, राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया, एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंदर समेत बाकी अभी पटियाला में ही हैं। शिविर में आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, उजबेकिस्तान, अमेरिका और पोलैंड समेत कई देशों के मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

Sinquefield Cup Chess:

सिंकफील्ड कप में गुकेश की जीत, अब्दुसत्तोरोव को हराकर की जबरदस्त वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की।

पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है तब प्रज्ञानंद, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव लगातार दूसरी बाजी हारने के बाद अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं।

सालाह इंग्लिश फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए, महिलाओं में कैल्डेन्टी को अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष चुना गया। वहीं, महिलाओं में आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी ने यह अवॉर्ड जीता।

इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस 33 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी

बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। सालाह ने इस वर्ष के शुरू में तीसरी बार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन का फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी जीता था।

महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए। एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युवा खिलाड़ी चुना गया, जबकि सबसे अधिक कीमत पर आर्सेनल से जुड़ने वाली कनाडा की स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार हासिल किया।

फुटबॉल की अन्य खबरों में किलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की।

पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेजबान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे।

रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी।

Asia Cup Hockey:

एशिया कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का एलान, लाकड़ा और दिलप्रीत को जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार को किया गया जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने अपनी जगह बरकरार रखी है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जायेगा जिसके विजेता को अगले साल एफआईएच पुरूष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान हैं । राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया, जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है। स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है।

भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, हमने अनुभवी टीम चुनी है । विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक
डिफेंडर- हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह
मिडफील्ड- मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह
फॉरवर्ड- मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह
रिजर्व खिलाड़ी- नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

हत्या के प्रयास मामले के आरोपी को मिला परिवीक्षा का लाभ, हुआ बरी

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के जिला जज-पंचम उमेश प्रसाद की अदालत ने बुधवार को जम्होर थाना कांड संख्या-50/2006, एसटीआर-258/08 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए हत्या के प्रयास के एक मामले के एकमात्र अभियुक्त को परिवीक्षा का लाभ दिया। एपीपी बिगु प्रसाद ने बताया कि अभियुक्त जम्होर थाना के हाथीखाप निवासी भजन पांडेय को कोर्ट ने भादंवि की धारा-307 में साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त किया और भादंवि धारा 323 में दोषी ठहराया। इसके बाद न्यायधीश ने अभियुक्त को परिवीक्षा का लाभ देते हुए शांति से रहने का आदेश देते हुए छोड़ दिया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मामले की प्राथमिकी अभियुक्त के सहोदर भाई दुधेश्वर पांडे ने 17 जुलाई 2006 को दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में अपने भाई मधेश्वर पांडेय और भतीजे भजन पांडेय पर पर जमीनी बाटंवारा को लेकर लड़ाई की शिकायत की थी। मधेश्वर पांडेय की मृत्यु वाद विचारण के दौरान हो गई थी।

पूर्व मंत्री की पत्नी के निधन पर धोबी महासंघ ने जताया शोक

हसपुरा (औरंगाबाद) (एसवीवी.सं.)। अखिल भारतीय धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्याम रजक की धर्मपत्नी अलका रजक के निधन पर हसपुरा प्रखंड के धोबी समाज ने गहरा शोक जताया है। धोबी महासंघ के हसपुरा प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार लाला, सचिव संजय रजक, उपाध्यक्ष गिरजा रजक, उप सचिव सुरेंद्र रजक, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र रजक, सदस्य सुनील रजक, महिला मोर्चा की प्रखंड अध्यक्ष इंदु कुमारी, युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष मनीष रजक, विनोद रजक, जयवंश कुमार, राजू रजक, मिथिलेश रजक, अनिल रजक एवं साजन रजक आदि धोबी समाज के लोगों ने उन्हें याद करतें हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

दो अभियुक्तों के घर पुलिस ने चस्पाया इश्तेहार

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। हत्या एवं आर्म्स एक्ट से जुड़े कांड में फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ औरंगाबाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। माली थाना क्षेत्र के सोरी गांव निवासी अभियुक्त अभिनाश कुमार और सोनू कुमार के घर पर पुलिस द्वारा विधिवत रूप से इश्तेहार चस्पा किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि दोनों अभियुक्त तय समय सीमा के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ अगली कार्रवाई के तहत कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

परिजनों ने किया हंगामा, कहा- एनेस्थिसिया का डोज ज्यादा दिया था, पुलिस ने हॉस्पिटल को किया सील

इलाज के समय मरीज की हुई मौत

- अपेंडिक्स ऑपरेशन से पहले बेहोशी का इंजेक्शन देने के बाद बिगड़ी हालत, कुछ ही देर में हुई मौत।
- पिछले सप्ताह अस्पताल को बंद करने का नोटिस मिला था, फिर भी संचालन जारी था।

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के गोह प्रखंड मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में मंगलवार को इलाज के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां अपेंडिक्स के ऑपरेशन से पहले इंजेक्शन लगते ही 40 वर्षीय मरीज की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही गोह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही अस्पताल को प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है।

मृतक की पहचान गोह बाजार निवासी संतोष पांडेय के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि उनका अपेंडिक्स का ऑपरेशन होना था। ऑपरेशन से पूर्व चिकित्सक ने बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन जैसे ही इंजेक्शन लगाया गया, संतोष की हालत अचानक बिगड़ने लगी और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही और गलत तरीके से इंजेक्शन लगाने के कारण ही यह मौत हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजन और स्थानीय लोग भारी संख्या में जुट गए। लोगों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हंगामा किया। स्थिति बिगड़ने पर गोह थानाध्यक्ष मो. इरशाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशितों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गोह प्रखंड में सरकारी व निजी अस्पतालों में लापरवाही की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आए दिन मरीजों की मौत के बाद हंगामे और सड़क जाम की नौबत आती है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद मामले दब जाते हैं। जानकारी के मुताबिक, पिछले सप्ताह ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर कुमार ने इस निजी अस्पताल के संचालक को क्लिनिक बंद करने का नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद अस्पताल का संचालन जारी था।

इधर, मृतक के भाई संजय पांडेय के बयान पर गोह थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें अस्पताल संचालक चिकित्सक अमरेंद्र कुमार सिंह और एक अज्ञात व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है। वहीं, सिविल सर्जन डॉ. लालसा सिंहा के आदेश पर बड़ी कार्रवाई की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार दिनकर और थानाध्यक्ष मो. इरशाद की मौजूदगी में अस्पताल को सील कर दिया गया।

मोबाइल ईवीएम डेमोस्ट्रेशन वैन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का कार्यक्रम किया गया संचालित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार को मोबाइल ईवीएम डेमोस्ट्रेशन वैन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट की कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना है, ताकि मतदान प्रक्रिया से जुड़ी भ्रांतियों का निवारण हो सके और सभी मतदाता निर्भीक होकर आत्मविश्वास से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इस पहल के तहत विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले युवा मतदाता, महिला मतदाता और वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अक्सर तकनीकी जानकारी के अभाव में मतदाता मतदान केंद्र पर संकोच का अनुभव करते हैं, लेकिन इस डेमोस्ट्रेशन वैन के जरिए उन्हें पहले ही प्रायोगिक जानकारी दी जा रही है। इससे वे निर्वाचन दिवस पर बिना किसी हिचकिचाहट के मतदान कर सकेंगे। मोबाइल डेमोस्ट्रेशन वैन में मास्टर प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो ईवीएम के बटन दबाने से लेकर वीवीपैट स्लिप प्रदर्शित होने तक की पूरी प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर उपस्थित मतदाता अपने प्रश्न भी पूछ रहे हैं और प्रशिक्षक उनका समाधान तुरंत कर रहे हैं। इससे मतदाताओं में मतदान को लेकर आत्मविश्वास और उत्साह दोनों बढ़ रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार औरंगाबाद जिले में प्रत्येक मतदान भवन पर इस तरह की जागरूकता गतिविधि संचालित की जा रही है। जिले के कुल 1405 मतदान भवनों में इन वैनों का परिचालन किया जाएगा और अगले एक माह के भीतर सभी मतदान भवनों में डेमोस्ट्रेशन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार यह प्रचार-प्रसार केवल निर्वाचन की घोषणा तक ही चलाया जाएगा।

उद्योग विभाग की बैठक, राइस मिल व उद्यमियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

- उद्यमियों ने वित्तीय सहयोग व बैंकिंग प्रक्रियाओं में आने वाली दिक्कतों को रखा।
- महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा।
- अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उद्यमियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए हर स्तर पर सहयोग करें।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बुधवार को जिला उद्योग केन्द्र सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी के आदेशानुसार जिले के विभिन्न राइस मिल संचालकों एवं उद्योग विभाग से जुड़े उद्यमियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र ने की, जबकि सहायक अभियंता, विद्युत अवर प्रमंडल भी उपस्थित रहे। बैठक में उद्योग चलाने में आ रही बिजली संबंधी परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्यमियों ने अपनी-अपनी समस्याओं को सामने रखा, जिस पर सहायक अभियंता ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कुछ उद्यमियों ने अपनी शिकायतें आवेदन के रूप में भी प्रस्तुत कीं। महाप्रबंधक ने सभी उद्यमियों को आश्वस्त किया कि उद्योग विभाग हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016 के तहत उपलब्ध लाभों की जानकारी दी। इसमें ब्याज अनुदान, अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक की सहायता, स्टाम्प शुल्क, निबंधन शुल्क व सपरिवर्तन शुल्क में 100% छूट, एसजीएसटी व बिजली शुल्क में राहत जैसे प्रावधान शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि उद्यमियों को चाहिए कि वे योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उद्योगों को बेहतर ढंग से संचालित करें, क्योंकि इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि राज्य और देश की आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

परियोजना प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र ने उद्यमियों को बताया कि वे स्वरोजगार के लिए छोटे पैमाने पर उद्योग लगाने हेतु पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जानकारी के लिए जिला उद्योग केन्द्र, औरंगाबाद से संपर्क करने की अपील की गई।

औरंगाबाद में हॉकी एशिया कप ट्रॉफी का भव्य स्वागत, खेल प्रेमियों में उमंग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बुधवार को जिले में खेल प्रेमियों के लिए यादगार पल तब आया जब 'मेंस हॉकी हीरो एशिया कप-2025' की ट्रॉफी गौरव यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। समाहरणालय परिसर में ट्रॉफी के पहुंचते ही माहौल उत्साह और उल्लास से भर गया। जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री ने ट्रॉफी का स्वागत करते हुए कहा कि यह औरंगाबाद के लिए गर्व की घड़ी है।

इस अवसर पर ट्रॉफी के साथ आए विशिष्ट दल और जिले के खिलाड़ियों ने हॉकी स्टिक से बॉल पास कर खेल भावना और टीम वर्क का परिचय दिया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए खिलाड़ी, छात्र-छात्राएँ, खेल संघों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। सभी ने ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाकर इसे यादगार बना लिया।

गौरतलब है कि खेल विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के संयुक्त तत्वावधान में मेंस हॉकी हीरो एशिया कप-2025 का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितंबर तक नालंदा के राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी में होना है, जिसमें एशिया की प्रमुख टीमें हिस्सा लेंगी। इसी कड़ी में ट्रॉफी गौरव यात्रा राज्य के सभी 38 जिलों में आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, जिला खेल पदाधिकारी कुमार पप्पू राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रत्ना प्रियदर्शनी समेत जिले के कई अधिकारी, कर्मचारी, खेल संघों के पदाधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित थे। अंत में जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि हॉकी हमारे देश का राष्ट्रीय खेल है और बिहार के लिए यह सौभाग्य की बात है कि वह इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी कर रहा है।

वरीय महिला अधिवक्ता आशा कुमारी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। शहर के वार्ड-19 चित्रगुप्त नगर निवासी वरीय अधिवक्ता सह नोटरी रामप्रवेश ठाकुर की दिवंगत पत्नी एवं जिला विधिज्ञ संघ की एपीपी रही वरीय महिला अधिवक्ता आशा कुमारी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण बुधवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में किया गया। अनावरण का कार्य प्रधान जिला जज राजकुमार ने संपन्न किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला जज प्रथम विश्व विभूति गुप्ता, जिला जज तृतीय अशोक कुमार गुप्ता, जिला जज चतुर्थ आनंद भूषण तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने दिवंगत एपीपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर अधिवक्ता रामप्रवेश ठाकुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिवंगत आशा कुमारी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जया एकादशी पर भक्ति गंगा कार्यक्रम, भक्तिमय माहौल में गूंजे जयकारे

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के ब्रह्म स्थान परिसर में जया एकादशी के पावन अवसर पर भक्ति गंगा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय न्यास स्वरांजलि सेवा संस्थान की ओर से किया गया था, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विजेंद्र कुमार मिश्रा, महेंद्र शर्मा और संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजु देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। दीप प्रज्वलन के बाद वातावरण श्रद्धा और भक्ति से भर उठा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध भजन गायक डी. आनंद द्वारा हनुमान चालीसा की सुमधुर प्रस्तुति से हुई। मुख्य अतिथि विजेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि जया एकादशी को अजा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि इस व्रत के पालन से समस्त पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु का स्मरण और उपवास साधक को आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाता है।

संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजु देवी ने कहा कि इस व्रत की महिमा अपार है। पुराणों के अनुसार सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र ने इसी व्रत के प्रभाव से अपना खोया हुआ राज्य और परिवार पुनः प्राप्त किया था। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस व्रत की महत्ता को आत्मसात कर अपने जीवन में आचरण में लाएँ। भजन गायक डी. आनंद ने जया एकादशी की महिमा पर आधारित अनेक भक्तिगीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उन्होंने बताया कि इस व्रत का फल हजारों गायों के दान करने के समान पुण्य प्रदान करता है। पापों से मुक्ति, सौभाग्य और मोक्ष इस व्रत का विशेष फल माना जाता है। संयोगवश यह व्रत मंगलवार को पड़ा, जो स्वयं हनुमान जी को अत्यंत प्रिय है। इस अवसर पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से नाम संकीर्तन किया। चारों ओर 'हरे राम-हरे कृष्ण' और 'जय श्रीराम' के जयकारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसकी व्यवस्था पंडित विजेंद्र कुमार मिश्रा और शर्मा फर्नीचर शॉ मिल के प्रबंधक महेंद्र शर्मा द्वारा की गई थी। इस भक्ति पर्व में संतोष राय, अंजू राय, वार्ड प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, दिनेश यादव, मुन्नी देवी, तारकेश्वर चौधरी, पिंटू कुमार, कृष्ण कुमार, बिमला सोनी, गुड्डू यादव, सत्येंद्र यादव एवं अमित कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। विशेष रूप से नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं कामनमोहलिया।

डीएम ने जनता दरबार का किया आयोजन

जनता दरबार में उठी अतिक्रमण से लेकर नल-जल योजना तक की समस्याएं, डीएम ने दिया समाधान के सख्त निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय में बुधवार को जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के अलग-अलग प्रखंडों से आए कुल 12 परिवादियों ने अपनी समस्याएं रखीं। जनता दरबार में जमीन संबंधी विवादों से लेकर सरकारी योजनाओं की गड़बड़ियों तक कई अहम मुद्दे सामने आए। प्रमुख शिकायतों में अतिक्रमण हटाने की समस्या, दाखिल-खारिज की लंबित प्रक्रिया, अनुकंपा बहाली, आशा कार्यकर्ता बहाली की मेधा सूची में गड़बड़ी, भूमि विवाद, नाली-गली निर्माण और नल-जल योजना में लापरवाही शामिल रही। परिवादियों में एरकी कला, मदनपुर के बनारसी यादव ने अतिक्रमण हटाने की गुहार लगाई। देवरिया, फेसर की ललिता देवी ने दाखिल-खारिज लंबित रहने की शिकायत की।

भोजा बिगहा, मुफस्सिल के नवीन कुमार ने अनुकंपा बहाली का मामला उठाया। वहीं, गोठाली, बारुण की रिंकी कुमारी ने आशा कार्यकर्ता बहाली में गड़बड़ी की शिकायत की। मेदनीपुर, नासरीगंज के राजू प्रसाद ने मेधा सूची में इंटर के प्रतिशत गलत दर्ज होने की समस्या सामने रखी।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का हुआ मासिक निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह और पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने मंगलवार को संयुक्त रूप से प्रखण्ड परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार किया गया, जिसके तहत प्रत्येक माह ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस की जांच अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान पदाधिकारियों ने आयोग द्वारा तय सभी मानकों का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, उपकरणों की स्थिति, वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था तथा अभिलेखों की जांच भी की गई। निरीक्षण के समय उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. गजाली के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिव भी उपस्थित रहे। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी इस प्रक्रिया को नजदीक से देखा और पारदर्शिता सुनिश्चित होने पर संतोष व्यक्त किया।

12 दिन पहले हुए सड़क दुर्घटना में घायल युवक की हुइ मौत, परिजन ने लगाया हत्या का आरोप

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में 12 दिन पहले हुई सड़क दुर्घटना में जख्मी एक युवक की मौत बुधवार को इलाज के दौरान सदर अस्पताल में हो गई। 8 अगस्त को नेशनल हाइवे-139 पर औरंगाबाद-पटना मुख्य पथ के जसोइया मोड़ पर श्री सीमेंट प्लांट के पास हादसा हुआ था। मृतक की पहचान जम्होर थाना क्षेत्र के बतवां गांव के रहने वाले अजय यादव के बेटे प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के दौरान मृतक प्रिंस के चाचा रवि सिंह उर्फ धनंजय कुमार ने बताया कि रक्षा बंधन के एक दिन पहले यानी आठ अगस्त को प्रिंस अपने गांव के ही दोस्त रोहित कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर औरंगाबाद के निकला था। इसी दौरान जसोइया मोड़ स्थित श्री सीमेंट प्लांट के समीप कुछ लोग कार से पहुंचे और प्रिंस को बाइक रोकने को कहा। गाड़ी ना रोकने पर जान मारने की धमकी दी। इसके बाद उक्त लोगों ने कार से ही खींचने का प्रयास किया। इसी दौरान बाइक बेकाबू होकर पलट गई, जिससे प्रिंस और रोहित गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया और घटना की सूचना परिजनों को दी। सदर अस्पताल में इलाज के उपरांत डॉक्टरों ने प्रिंस की स्थिति गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद उसका इलाज ट्रॉमा सेंटर बनारस में चल रहा था। 16 अगस्त को वह बनारस से अपने घर आया और घटना की जानकारी परिजनों को दी। वैसे पूर्व में भी मामले से संबंधित एसडीओ कोर्ट में 21 जुलाई को एक आवेदन देकर सनहा दर्ज करवाया गया था। जब प्रिंस इलाज के बाद घर आया तो वह काफी डिप्रेशन में रहता था। अचानक बुधवार को उसकी तबीयत बिगड़ी तो परिजनों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना नगर थाना की पुलिस को दी गई। सूचना पर नगर थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और परिजनों से जरूरी पूछताछ के उपरांत फर्द बयान कराया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

नगर थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक युवक की मौत हुई है। फर्द बयान के उपरांत पोस्टमॉर्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन में चार लोगों के नामजद अभियुक्त बनाया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

60 लीटर महुआ शराब बरामद

औरंगाबाद(एसवीवी सं.)। पुलिस ने अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, सेवन और परिवहन पर अंकुश लगाने की दिशा में एक बार फिर सख्त कदम उठाया है। जिले में लगातार चल रहे अभियान के तहत पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि ढिबरा थानांतर्गत थम बीघा इलाके में देशी महुआ शराब का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापामारी की कार्रवाई की। इस दौरान मौके से 60 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई। साथ ही पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार भी कर लिया। ढिबरा थाना द्वारा की गई इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है, ताकि उसके नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों का पता लगाया जा सके। वहीं पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध शराब का कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

नाले में गिरे बच्चे की बरामदगी को लेकर कैंडल मार्च, लोगों ने दी चेतावनी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के वार्ड नंबर 14 टिकरी रोड स्थित नाले में 9 अगस्त को गिरे बच्चे का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। घटना के दस दिन बीत जाने के बावजूद बच्चे की बरामदगी नहीं होने से शहरवासियों में गहरा आक्रोश है। इसी को लेकर मंगलवार की रात जामा मस्जिद से रमेश चौक तक एक कैंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च मुख्य बाजार होते हुए रमेश चौक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। लोगों ने नगर परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर नाले की उड़ाही नहीं कराई गई। साथ ही कब्रिस्तान के समीप स्थित तालाब की भी उड़ाही आवश्यक है, ताकि बच्चे की तलाश में मदद मिल सके। आक्रोशित लोगों ने जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चे की बरामदगी के लिए प्रशासन के पास सिर्फ एक सप्ताह का समय है। यदि तय समय सीमा के भीतर नाले और तालाब की उड़ाही नहीं की गई, तो व्यापक पैमाने पर आंदोलन छेड़ा जाएगा और शहर में चक्का जाम किया जाएगा। इस कैंडल मार्च में मुखिया संघ जिलाध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, वार्ड पार्षद सिकंदर हयात, दिना कुरैशी, शाहिद, तनवीर, श्यामबली पासवान, बंटी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। मौके पर लोगों ने बच्चे की सकुशल बरामदगी की प्रार्थना करते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

सांप के डसने से महिला की हुइ मौत, झाड़-फूंक में भटके परिजन

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

सांप के डसने से एक महिला की मौत हो गई। बारुण थाना क्षेत्र के नरचाही गांव की रहने वाली 32 वर्षीय सरिता देवी, जो मजदूर बच्चन कुमार यादव की पत्नी थीं, मंगलवार की रात नींद में ही सांप के जहरीले डंस का शिकार हो गईं। बताया जाता है कि परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में थे, तभी अचानक सरिता को तेज दर्द हुआ। नींद खुलने पर उन्होंने पास में सांप देखा। परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए सांप को पकड़कर एक डब्बे में बंद कर लिया और महिला को तुरंत रेफरल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों को जब सांप दिखाया गया तो चिकित्सकों ने फौरन एंटी वेनम इंजेक्शन दिया। लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने सरिता देवी को मृत घोषित कर दिया। मृतका का शव अस्पताल में घोषित किए जाने के बाद परिजन झाड़-फूंक कराने के लिए मंदिर ले गए। वहां घंटों तक अंधविश्वास में झाड़-फूंक चलता रहा, लेकिन जब कोई लाभ नहीं हुआ तो वे शव को वापस अस्पताल लेकर पहुंचे। इसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की गई और शव को परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार मृतका गरीब परिवार से थी। पति बच्चन कुमार मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सरिता देवी के दो छोटे-छोटे बच्चे भी हैं, जिनकी मां की मौत के बाद स्थिति और भी दयनीय हो गई है। परिजनों ने सरकार से नियमों के तहत मुआवजा राशि दिलाने की मांग की है, ताकि परिवार की मुश्किलें कुछ कम हो सकें।

छात्रा की मौत के बाद विद्यालय में हंगामा, दो गिरफ्तार

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। यहां कटरतुआ गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ रही 11 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत के बाद हंगामा खड़ा हो गया। छात्रा की तबीयत खराब होने पर उसे इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना के बाद विद्यालय परिसर में तनाव फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने विद्यालय में तोड़फोड़ की और सड़क जाम कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। इस मामले में मृतका के परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने मदनपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। इसके तहत सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और विद्यालय परिसर में तोड़फोड़ करने के आरोप में पुलिस ने दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में उमाकांत वर्मा (36 वर्ष) और रोहित राज (27 वर्ष) शामिल हैं। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।